सूर्योदय : 5:28
सूर्यास्त : 6:38
अधिकतम तापमान : 34.0
न्यूनतम : 28.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्याः
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-19 अंक-19 पेज-12
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, रविवार, 06 जुलाई 2025
10 मोहर्रम 1447 हिजरी

हिन्दी दैनिक

अवधनामा

www.avadhnama.com

भारत के पहले सहकारिता विश्वविद्यालय की अमित शाह ने रखी आधारशिला

■ बोले- इस क्षेत्र की नौकरियों में परिवारवाद होगा समाप्त

आणंद, गुजरात। सहकारिता क्षेत्र के आधार को सशक्त करने की दिशा में सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात के आणंद में देश के पहले सहकारिता त्रिभुवन विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी और कहा कि यह संस्थान सहकारिता क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही प्रशिक्षण की कमी को पूरा करेगा।

सहकारी संस्थाओं में नौकरियां अब उन्हें ही मिलेंगी, जो डिग्रीधारी और प्रशिक्षित होंगे। पहले प्रशिक्षण और फिर नियुक्ति की व्यवस्था लागू होगी। इससे सहकारी संस्थाओं की नौकरियों में भाई-भतीजावाद की परंपरा अपने-आप खत्म हो जाएगी। सवा सौ एकड़ में प्रस्तावित इस राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना का निर्माण पांच सौ करोड़ रुपये से होगा।

संस्थान के जरिए देश की आठ लाख सहकारी समितियों के प्रबंधन, प्रशिक्षण, तकनीकी एवं विशेषज्ञ दक्षता को मजबूत किया जाएगा। कार्यक्रम के पहले अमित शाह ने जल और भूमि प्रबंधन संस्थान (वाल्मी) के परिसर में विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी। इसका नाम भारत में सहकारी आंदोलन के शीर्ष नेता रहे दिवंगत त्रिभुवनदास किशिभाई पटेल के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने अमूल की स्थापना में बड़ी भूमिका निभाई थी। शाह ने कहा कि देश की करीब 30 करोड़ आबादी यानी हर चौथा व्यक्ति प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहकारी क्षेत्र से जुड़ा है। प्रतिभा की भी कोई कमी नहीं है। फिर भी इस क्षेत्र में प्रशिक्षण के अभाव में जनशक्ति की भारी कमी है। यह विश्वविद्यालय इस बड़ी कमी को दूर करेगा और सुव्यवस्थित, पारदर्शी के साथ आधुनिक सहकारी तंत्र खड़ा करेगा।

विश्वविद्यालय का नाम अमूल के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन के बजाय त्रिभुवनदास किशिभाई पटेल के नाम पर रखने को लेकर उठे सवालों पर शाह ने कहा कांग्रेस को अपने इतिहास की भी जानकारी नहीं होती है। जब सदन में संबंधित विधेयक आया तो कांग्रेस नेताओं ने स्पीकर ओम बिरला से विश्वविद्यालय के नाम पर आपत्ति जताई। समारोह में शाह के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और मुरलीधर मोहोले भी मौजूद थे।

ग्रामीण समृद्धि के लिए साबित होगा मील का पत्थर

अमित शाह ने कहा कि यह विश्वविद्यालय देश में सहकारी आंदोलन को नई ऊर्जा भी देगा। उन्होंने कहा कि यह सहकारिता को रोजगार, स्वावलंबन और ग्रामीण समृद्धि का प्रमुख माध्यम बनाने की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगा। यह विश्वविद्यालय देश भर के सहकारी संस्थाओं से जुड़कर एक राष्ट्रीय नेटवर्क बनाएगा और सहकारिता से संबंधित तकनीकों एवं नवाचारों के लिए अनुसंधान परिषद की स्थापना करेगा। सहकारिता में त्रिभुवनदास किशिभाई पटेल के योगदान को याद करते हुए अमित शाह ने कहा कि उन्होंने सहकारी आंदोलन को रोशनी दी और इसे आगे बढ़ाया।

श्रद्धालुओं को बौद्ध तीर्थ दर्शन और पंच तख्त की यात्रा कराएगी योगी सरकार

■ प्रति श्रद्धालु को 10 हजार का आर्थिक सहयोग किया जाएगा

■ तीर्थ यात्राएं भारतीय संस्कृति में आत्मिक उत्थान और समरसता का माध्यम रही हैं

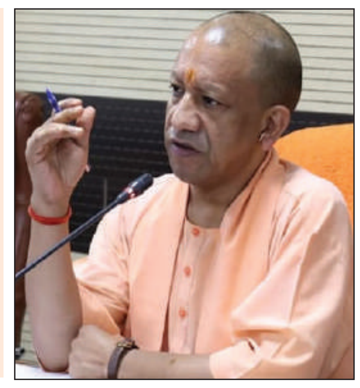

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं की धार्मिक यात्राओं की आस पूरी करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को बैठक में निर्देश दिया कि बौद्ध श्रद्धालुओं की विशिष्ट तीर्थ यात्राओं के लिए बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना और सिख श्रद्धालुओं के लिए पंच तख्त यात्रा योजना शुरू की जाए।

इन योजनाओं के माध्यम से प्रति श्रद्धालु को 10 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग किया जाएगा। ताकि वे अपनी आस्था के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा सुलभता से कर सकें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि दोनों योजनाओं के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन की जाए। श्रद्धालुओं के चयन में पूरी पारदर्शिता के साथ कमजोर आय वर्ग के लोगों को वरीयता दी जानी चाहिए। दोनो ही योजनाएं आईआरसीटीसी के सहयोग से चलाई जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने योजना के लाभार्थियों के चयन में बौद्ध भिक्षुओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि ये दोनों योजनाएं श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और धार्मिक आस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लागू की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थ यात्राएं भारतीय संस्कृति में आत्मिक उत्थान और सामाजिक समरसता का माध्यम रही हैं। ऐसे में राज्य सरकार का दायित्व है कि वह नागरिकों को उनकी आस्था से जुड़े स्थलों तक पहुंचने में सहायता प्रदान करें।

बता दें कि बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना का उद्देश्य प्रदेश के निवासी हिन्दू-बौद्ध श्रद्धालुओं को देश के विभिन्न भागों में स्थित बौद्ध तीर्थ स्थलों की यात्रा की साध पूरी कराना है। वहीं पंच तख्त यात्रा योजना सिख श्रद्धालुओं के लिए होगी। इसके अंतर्गत प्रदेश के निवासी सिख श्रद्धालुओं को भारत के पांच पवित्र 'तख्त साहिब' स्थल की यात्रा कराई जाएगी।

ठाकरे भाइयों को मिला स्टालिन का समर्थन, कहा- नहीं थोपने देंगे हिंदी

■ 20 साल बाद साथ आए ठाकरे ब्रदर्स

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा को लेकर चले विवाद के बाद उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे फिर से एक साथ आ गए हैं। ठाकरे ब्रदर्स मराठी-हिंदी मुद्दे पर उसी तरह से आक्रमक हैं, जैसे बाला साहेब ठाकरे के समय में हुआ करते थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तीन-भाषा घटक के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस मुद्दे पर चचेरे भाई उद्धव और राज के एक साथ आने का स्वागत किया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में तीन-भाषा नीति का आदेश वापस लेने का जश्न मनाने के लिए मराठी की आवाज रैली का आयोजन किया। 2005 के बाद पहली बार किसी राजनीतिक कार्यक्रम में चचेरे भाई गले मिले और घोषणा की कि उनके बीच की दूरी मिट गई है।

डीएमके के प्रमुख स्टालिन तीन-भाषा फॉर्मूले के विरोध में सबसे आगे रहे हैं। नई शिक्षा नीति के तहत स्कूलों में छात्रों को अपनी मातृभाषा और कम से कम एक अन्य भारतीय भाषा सहित तीन भाषाएं सीखना जरूरी है। डीएमके प्रमुख ने दावा किया है कि केंद्र सरकार तमिलनाडु में वर्तमान में लागू दो-भाषा नीति तमिल और अंग्रेजी की जगह तीन भाषाओं को सीखना अनिवार्य बनाकर हिंदी को थोपना चाहती है।

समाज की समस्याओं को समझते हुए फैसला दें अदालतें : बीआर गवई

■ न्यायाधीशों को निष्ठा से काम करने की सलाह

मुंबई। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) भुषण रामकृष्ण गवई ने शनिवार को कहा कि कानून या संविधान की व्याख्या समाज की जरूरतों को ध्यान में रखकर व्यावहारिक ढंग से की जानी चाहिए। मुंबई में बॉम्बे हाईकोर्ट की तरफ से उनके सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि न्यायालयों को समाज की समस्याओं को समझते हुए फैसले देने चाहिए। मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा, कानून या संविधान की व्याख्या आज की पीढ़ी की समस्याओं के संदर्भ में होनी चाहिए। यह व्याख्या व्यावहारिक होनी चाहिए और समाज की जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायाधीशों को अपने विवेक, पद की शपथ और कानून के अनुसार काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि एक बार जब कोई मामला निपट जाए, तो न्यायाधीश को उसका पीछा छोड़ देना चाहिए और आगे बढ़ जाना चाहिए। सीजेआई गवई ने यह भी खुलासा किया कि हाल ही में उन्हें कुछ न्यायाधीशों के असभ्य व्यवहार की शिकायतें मिली हैं। उन्होंने सभी न्यायाधीशों से आग्रह किया कि वे इस प्रतिष्ठित संस्था की छवि को बनाए रखें। उनका कहना था, न्यायाधीश होना सुबह 10 से शाम 5 तक की नौकरी नहीं है, बल्कि यह समाज और देश की सेवा करने का एक अवसर है। कृपया ऐसा कुछ न करें जिससे न्यायपालिका की छवि को ठेस पहुंचे।

न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में नियुक्तियों के दौरान कॉलेजियम इस बात का पूरा ध्यान रखता है कि योग्यता, विविधता और समावेशिता बनी रहे। किसी भी कीमत पर न्यायपालिका की स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश ने बॉम्बे हाईकोर्ट की तारीफ करते हुए कहा कि यहां उन्होंने वकील और फिर न्यायाधीश के रूप में सेवा की है और जब लोग इस कोर्ट के फैसलों की तारीफ करते हैं तो उन्हें गर्व महसूस होता है।

13वीं बार लालू प्रसाद को मिला राजद अध्यक्ष का प्रमाण पत्र

पटना। राष्ट्रीय जनता दल 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व में ही लड़ेगा यह बात शनिवार दोपहर स्पष्ट हो गई। राजद के 29वें स्थापना दिवस पर लालू प्रसाद यादव की फिर से ताजपोशी हो गई। उन्हें पार्टी के 13वें राष्ट्रीय अध्यक्ष का सर्टिफिकेट भी मिला गया। राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पटना के बापू सभागार में शनिवार को हुई।

लालू यादव और राबड़ी देवी के साथ पार्टी के बाकी दिग्गजों ने दीप प्रज्ज्वलित कर बैठक की शुरुआत की। इसके बाद लालू यादव और राबड़ी ने कार्यकर्ताओं और नेताओं का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. रामचंद्र पूर्वे ने की। पांच जुलाई 1997 को लालू यादव ने सहयोगियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय जनता दल का गठन किया था।

57 साल बाद भारतीय प्रधानमंत्री की ब्राजील की राजकीय यात्रा

■ आतंकवाद रोधी समझौते की उम्मीद

ब्रासीलिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्राजील यात्रा को लेकर भारत के राजदूत दिनेश भाटिया ने शनिवार को कहा कि इस दौरे के दौरान भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय आतंकवाद रोधी समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भाटिया ने कहा कि दोनों देश एक दूसरे के बेहद करीबी हैं। भारत ने 1948 में लैटिन अमेरिका में अपना पहला दूतावास ब्राजील में ही खोला था। तबसे हमारे संबंध काफी मजबूत हुए हैं।

उन्होंने बताया कि 2006 में हमने इन संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया और तबसे यह लगातार मजबूत होते गए हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी की चौथी ब्राजील यात्रा है। इससे पहले वह तीन बार आ चुके हैं। लेकिन यह पहली बार है, जब वह एक राजकीय यात्रा पर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच जुलाई को ब्राजील के रियो डी जेनेरियो पहुंचेंगे और वहां दो दिन रहेंगे। इसके बाद वह राजकीय यात्रा के लिए ब्रासीलिया जाएंगे। यह राजकीय यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह 57 वर्षों बाद पहली राजकीय यात्रा है।

ब्राजील कर रहा ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर उन्होंने कहा, इस वर्ष ब्राजील ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। यह पहली बार है, जब नए साझेदार देश इसमें भाग ले रहे हैं। ब्रिक्स के मुख्य एजेंडे में वैश्विक शासन और वित्तीय संस्थाओं में सुधार की बात हमेशा रही है और यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। इसके अलावा ब्राजील ने कई अन्य मुद्दों को भी चर्चा में शामिल किया है, जिन्हें संयुक्त घोषणा पत्र में जगह मिलेगी।

भगोड़ा नीरव मोदी का भाई नेहल मोदी अमेरिका में गिरफ्तार

■ 13600 करोड़ रुपये के पीएनबी घोटाले में थी भूमिका

नई दिल्ली। पीएनबी घोटाले मामले में भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई और ईडी के प्रत्यर्पण के अनुरोध के बाद उन पर शिकंजा कसा गया है। यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, भगोड़े आर्थिक अपराधी नीरव मोदी के भाई को 4 जुलाई को अमेरिकी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से संयुक्त रूप से किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध की गई।

इससे पहले साल 2019 में प्रवर्तन निदेशालय ने इंटरपोल से नीरव मोदी को बैंक फंड्स को लूटने में मदद करने के आरोप में नेहल मोदी की भूमिका के लिए उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी करने का अनुरोध किया गया था।

नेहल मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में कथित 13,600 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी वाले बैंक लेनदेन के मामले के आरोपी और भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी का भाई है। नेहल मोदी के खिलाफ इससे पहले 2019 में रेड नोटिस जारी किया गया था। 46 वर्ष का नेहल मोदी बेल्जियम का नागरिक है।

नेहल मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में वांछित है। यह देश के इतिहास में सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक है। ईडी और सीबीआई की ओर से की गई जांच में नेहल मोदी को नीरव मोदी की आपराधिक आय को वैध बनाने के लिए काम करने वाले अहम शख्स पाया गया था। नीरव ब्रिटेन से प्रत्यर्पण की कार्रवाई का सामना कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार नीरव मोदी ने विदेश में 15 से ज़्यादा डमी कंपनियाँ बनाई थीं, ताकि कथित तौर पर पीएनबी से लेटर ऑफ अंडरटेकिंग के जरिए हासिल की गई रकम को निर्यात-आयात लेन-देन की आड़ में इधर-उधर किया जा सके। एजेंसी ने इन कंपनियों के कम से कम 17 डमी निदेशकों की पहचान की थी। ये सभी डमी निदेशक नीरव की कंपनियों के कर्मचारी या पूर्व कर्मचारी हैं, जिन्हें अपनी सेवाएं देने के लिए 8,000 से 30,000 रुपये प्रति महीने का वेतन मिलता था। एक डमी निदेशक सहित दो गवाहों के बयानों पर भरोसा करते हुए ईडी बताया था कि पीएनबी में घोटाला सामने आने के बाद डमी निदेशक भारत लौटना चाहते थे। लेकिन उन्हें वहीं रहने के लिए राजी किया गया। नेहल ने दुबई जाकर मामले में अगुवाई की और डमी कंपनी प्रबंधकों/निदेशकों के सभी मोबाइल नष्ट कर दिए।

नेहल पर अपने भाई की मदद करने का आरोप

नेहल मोदी पर पीएनबी घोटाले में हुई धोखाधड़ी में अपने भाई नीरव मोदी की मदद करने के आरोप हैं। इससे पहले ईडी ने अपनी जांच में पाया था कि नेहल ने जानबूझकर और जानबूझकर नीरव को कथित मनी लॉन्ड्रिंग को छिपाने और सबूतों को नष्ट करने में मदद की। नेहल की भूमिका का विवरण देते हुए ईडी की शिकायत में कहा गया था, पंजाब नेशनल बैंक में 13,600 करोड़ रुपये का घोटाला के बाद, नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी ने दुबई और हांगकांग स्थित डमी कंपनियों के निदेशकों के सभी सेल फोन नष्ट कर दिए और नीरव मोदी के कैरो (सेफ हेवन) पहुंचने में मदद के लिए टिकटों की व्यवस्था की।

असमानता बढ़ रही गरीबों की संख्या, अमीर और अमीर हो रहे

गडकरी ने धन के असमान बंटवारे पर चिंता जताई

■ अर्थव्यवस्था ऐसी बनानी होगी जो रोजगार पैदा करे और विकास करे

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान देश में बढ़ती गरीबी और धन के असमान बंटवारे की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे गरीबों की संख्या बढ़ रही है और संपत्ति कुछ अमीरों के पास सिमटती जा रही है, जो एक खतरनाक स्थिति है। उन्होंने कहा कि समाज में धन का विकेंद्रीकरण होना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि सारी संपत्ति कुछ लोगों के पास केंद्रित हो जाए। हमें ऐसी अर्थव्यवस्था की दिशा में काम करना होगा जो रोजगार पैदा करे और गांवों का विकास करे।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने आगे कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि पर 65 से 70 प्रतिशत लोग निर्भर हैं, फिर भी इसका देश की जीडीपी में योगदान केवल 12 प्रतिशत है। वहीं उद्योग क्षेत्र का योगदान 22 से 24 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र का 52 से 54 प्रतिशत है।

अपने बयान में आगे गडकरी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) की भूमिका पर बात की। उन्होंने कहा कि सीए सिर्फ टैक्स रिटर्न भरने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे देश की अर्थव्यवस्था के इंजन बन सकते हैं। सड़क निर्माण के क्षेत्र में किए गए कामों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने ही सबसे पहले बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) सिस्टम की शुरुआत की थी।

गडकरी ने कहा कि आज हमारे पास सड़क विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। हम टोल से सालाना 55,000 करोड़ रुपये कमा रहे हैं और यह दो साल में बढ़कर 1.40 लाख करोड़ हो जाएगा। अगर हम इसे 15 साल के लिए मोनेटाइज करें तो हमें 12 लाख करोड़ रुपये मिल सकते हैं। अपने बयान में केदारनाथ में 5,000 करोड़ रुपये की लागत से बन रही रोपवे परियोजना का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि एक निजी ठेकेदार यह काम करने को तैयार है और 800 करोड़ रुपये की रॉयल्टी सरकार को देगा।

गडकरी ने की पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सराहना

अपने संबोधन के दौरान गडकरी ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और डॉ. मनमोहन सिंह की उदार आर्थिक नीतियों की सराहना की। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि बिना नियंत्रण के केंद्रीयकरण से सावधान रहने की जरूरत है। साथ ही स्वामी विवेकानंद को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि जिसका पेट खाली हो, उसे दर्शन नहीं सिखाया जा सकता।

भाजपा को जल्द मिलेगा नया अध्यक्ष, अंतिम चरण में प्रक्रिया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को जल्द ही नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है, क्योंकि पार्टी ने संविधान के अनुसार अधिकांश राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी कर ली है। 2024 के लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद से ही पार्टी के भीतर कई संभावित नामों पर चर्चा चल रही है। वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में खत्म हो गया था, लेकिन आम चुनावों को देखते हुए इसे जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। इस कार्यकाल को दोबारा बढ़ाया गया।

पार्टी अब तक 26 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति कर चुकी है, जिससे राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने का रास्ता साफ हो गया है। इस पद के लिए जिन नामों पर चर्चा हो रही है, उनमें शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र यादव और धर्मेंद्र प्रधान जैसे कुछ केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

अवधनामा

पौध रोपण कर संरक्षण करना बेहद जरूरी है : मोहसिन खॉन

■ चेयरमैन व ईओ ने पौधे रोपित कर वृक्षारोपण अभियान 2025 को गति दी

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। प्रदेश शासन द्वारा निर्गत आदेश के अनुपालन में नगर पंचायत तालग्राम में चेयरमैन मोहसिन खान ने अधिशाषी अधिकारी श्यामेन्द्र मोहन चौधरी के साथ वृक्षारोपण अभियान-2025 को गति प्रदान करते हुये विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

शनिवार को वृक्षारोपण अभियान-2025 के तहत नगर में चिन्हित चन्दन सैय्यद की भूमि पर चेयरमैन मोहसिन खान ने अधिशाषी अधिकारी श्यामेन्द्र मोहन चौधरी सहित सभासदों व नागरिकों की सहभागिता से एक पेड़ माँ के नाम लगाकर अभियान की शुरूआत की गयी। इस दौरान उन्होनें कहा कि पौधरोपण करने के साथ साथ उनका संरक्षण भी बेहद जरूरी है। जब तक वो एक वृक्ष का रूप ना ले इनकी देखभाल करें। कम से कम शुभ अवसरों पर एक पौधा हर शख्स को लगाना चाहिए। पृथ्वी पर अधिक पेड़ पौधे होंगे तो हमारा वातावरण भी शुद्ध रहेगा। इस दौरान ईओ ने बताया कि नगर पंचायत तालग्राम द्वारा उक्त चिन्हित भूमि पर लगभग 40 बीघा भूमि है। जिसमे हर प्रजाति के करीब 250 वृक्ष लगाए गये। इस दौरान सभासद उमेश कुमार, अतुल गुप्ता, राजेश शर्मा, कादिर मंसूरी, राशिद अंसारी एवं स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत जिला परियोजना प्रबंधक डीपीएम शिवम् कुमार, वरिष्ठ लिपिक दीपक सविता, नितेश सिंह, आमिर गोकरन, रवी शर्मा, नरेन्द्र सिंह, रामवेदी शर्मा, सलमान व सफाई नायक सन्तराम, अनमोल, फिरोज, हरिश्चन्द्र, विकास भारती सहित नगर के गणमान्य व्यक्ति मुन्ना भाई, रामलखन, रामशंकर आदि लोग मौजूद रहें।

बृजवासियों के अपमान के लिए माफी मांगे सांसद हेमा मालिनी

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर द्वारा सेठवाड़ा स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर मथुरा की संसद श्रीमती हेमा मालिनी द्वारा समस्त बृजवासियों का अपमान वाला विवादित बयान दिया है उसको लेकर एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि मथुरा लोकसभा क्षेत्र की भाजपा सांसद हेमा मालिनी द्वारा बांके बिहारी कॉरिडोर का विरोध करने वाले लोगों को वृंदावन छोड़कर चले जाने वाले बयान पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश धनगर ने हेमा मालिनी के बयान पर कड़ा एतराज करते हुए उस बयान की कड़ी निंदा करते हुए हेमा मालिनी से समस्त बृजवासियों से माफी मांगनी चाहिए और जरा से भी नैतिकता बची हो तो तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे देना चाहिए कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष मुकेश धनगर ने सांसद हेमा मालिनी द्वारा वृंदावन में प्रस्तावित कॉरिडोर निर्माण का विरोध कर रहे लोगों राजनीतिक दलों सामाजिक संगठनों द्वारा विरोध किए जाने पर सांसद द्वारा वृंदावन छोड़कर चले जाने वाले बयान पर कड़ी भर्त्सना करते हुए कहा कि सांसद महोदय को एबीसीडी की जानकारी नहीं है लोकतंत्र वही जीवित रहता है जिसमें विरोध सहमति को महत्व प्रदान किया जाता है उनका बयान तानाशाही दमकारी अहंकारी भाषा को प्रकट करता है प्रेस वार्ता में पूर्व महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि ने कहा कि जनता ने उन्हें सेवा कार्य के लिए चुना है वह जनता का ही अपमान कर रही है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अप्रतिम सक्सेना ने कहा कि सांसद के बयान की कड़ी निंदा करते हुए उनसे तत्काल त्यागपत्र देने की मांग करते हुए उनके बयान को फास्टेस्ट वादी सोच का बताया है जिसमें लोगों का विरोध करने का अधिकार समाप्त हो जाता है ।

औरास ब्लाक में निकली स्कूल चलो अभियान रैली

■ विधायक व बीईओ की अगुवाई में निकली रैली

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। ब्लाक औरास में स्कूल चलो अभियान के तहत शुक्रवार को बीआरसी केंद्र पर एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना और उन्हें स्कूल में दाखिला दिलाने के लिए प्रोत्साहित करना था। रैली में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल मोहान विधायक बृजेश कुमार रावत व ब्लॉक के खण्ड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार शुक्ल ने रैली को हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन किया। विधायक ने बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में संबोधित किया। उन्होंने शिक्षा के अधिकार को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई तथा पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत ब्लॉक संसाधन केंद्र के प्रांगण में वृक्षारोपण किया और सभी को मां के नाम एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया। वहीं रैली में स्कूली बच्चों, शिक्षकों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। रैली का संदेश था कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और उन्हें स्कूल में नामांकित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। रैली ने स्थानीय समुदाय में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद की और बच्चों को स्कूल में नामांकित करने के लिए प्रोत्साहित किया। स्कूल चलो अभियान की ब्लॉक औरास में आयोजित रैली एक सफल आयोजन था जिसने शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाई और बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाने के लिए प्रोत्साहित किया। स्कूल चलो अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है जो देश के सभी बच्चों को शिक्षा के अधिकार से जोडने और उन्हे स्कूल तक पहुंचाने मे मदद करेगी। बीईओ संजय कुमार शुक्ला ने बीआरसी केंद्र मे बाउंड्री वाल न होने की विधायक को जानकारी दी और नई बाउंड्री वाल बनवाये जाने की मांग की जिस पर विधायक बृजेश रावत ने विधायक निधि से प्रस्ताव भेज बनवाने की बात कही।

पूर्व विधायक ने किया मेडिकल स्टोर का उद्घाटन

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं को सुलभ बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिददीकी ने कस्वा समधन में फीता काट कर राहत मेडिकल स्टोर का भव्य उद्घाटन किया। इस उन्होनें कहा कि क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। शनिवार को क्षेत्र के कस्वा समधन में राहत मेडिकल स्टोर का फीता काट कर उद्घाटन करनें के उपरान्त पूर्व विद्यायक ताहिर हुसैन सिददीकी ने कहा कि राहत मेडिकल स्टोर खुलने से स्थानीय लोगों को छोटी-छोटी दवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने संचालक मो. हुसैन एवं वासिद को शुभकामनाएं देते हुए ईमानदारी एवं सेवा भाव से कार्य करने के लिये प्रेरित किया। इससे पहले कार्यक्रम के आयोजकों ने पूर्व विद्यायक का फूल मालायें पहनाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में मुजफ्फर खॉन, शान मोहम्मद, अकील खॉ, फैसल खॉ सहित बड़ी संख्या में नगर व क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

विद्यायिका के जन्मदिन पर आयोजित सुंदरकांड पाठ में उमड़े लोग

■ पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष के साथ केक काटकर वितरित किया प्रसाद

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। पूर्व राज्यमंत्री/छिबरामऊ विद्यायक अर्चना पाण्डेय के जन्मदिन के अवसर पर पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष राजीव ठाकुर द्वारा क्षेत्र के ग्राम खरगापुर स्थित सीताराम आश्रम में भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। सुंदरकांड पाठ के दौरान पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। उपस्थित लोगों ने श्रद्धापूर्वक पाठ में भाग लिया और भगवान हनुमानजी से क्षेत्र की खुशहाली एवं विधायक के दीर्घायु जीवन की कामना की।

शनिवार को क्षेत्र के ग्राम खरगापुर स्थित सीताराम आश्रम में पूर्व राज्यमंत्री/छिबरामऊ विद्यायक अर्चना पाण्डेय के जन्मदिन के

अवसर पर पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष राजीव ठाकुर द्वारा आयोजित भव्य सुंदरकांड पाठ के बाद पूर्व राज्यमंत्री ने सभी का आभार व्यक्त करते हुये समर्थकों के साथ केक काटकर परसाद वितरित किया।

इस दौरान उन्होनें कहा कि जनता के प्यार और आशीर्वाद से ही वह जनसेवा के कार्य कर पा रहीं हैं। इस अवसर पर उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से विकास कार्यो को निरंतर जारी रखने का संकल्प भी दोहराया।

इस दौरान राहुल रतन पाण्डेय, देवेन्द्र देव, आनन्द सिंह, वीर सिंह भदौरिया, योगेन्द्र भदौरिया, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता, राहुल पाण्डेय, गौरव दुवे, दीपू शर्मा, शिवा ठाकुर, रानू ठाकुर, राहुल राठौर, शशांक वर्मा, अबधेश वर्मा, रतन वर्मा, अशोक चौरसिया, ऑचल गुप्ता सहित सैकडो क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

प्राईमरी विद्यालयों को बंद करने का आदेश गलत

ललितपुर। समाजवादी छात्रसभा ने राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी के जरिए भेजते हुये उत्तर प्रदेश में पांच हजार से अधिक सरकारी विद्यालय बंद किये जाने के फैसले का विरोध दर्ज कराया। बताया कि पांच हजार विद्यालय बंद होने से बच्चों का भविष्य बनने से पहले ही खराब हो जायेगा। कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी स्कूल जिनमें सभी वर्ग के बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं। विद्यालय बंद होने से उनके जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा यह बच्चों के मौलिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने प्रदेश सरकार के इस फैसले को निरस्त कराये जाने की मांग उठाते हुये अन्यथा की स्थिति में आंदोलन की चेतावनी दी है। ज्ञापन देते समय अरशद मंसूरी, नरेंद्र सिंह राजपूत, हृदेश यादव मुखिया, पूजा बुंदेलखंडी, तुलसीराम अहिरवार, आकिब मंसूरी, महेंद्र यादव टकैत, जावेद खान, रवि खटीक, दीपक सेन, विजय प्रजापति, ओम प्रकाश कुशवाहा, संजय रजक, मोहसिन पठान, निखिल राय, बिट्टू यादव, अमन, आजाद, दिनेश कुशवाहा, हुकुम सिंह, विक्की रजक, अल्पेश, प्रदीप, विक्रम आदि मौजूद रहे।

हज़ारों श्रद्धालुओं ने चखा भगवान श्री जगन्नाथ जी का भंडारा

उन्नाव, अवधनामा संवाददाता। नगर में भगवान जगन्नाथ जी की 30वीं भव्य यात्रा के उपरांत स्थानीय कात्यायन गेस्ट हाउस में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। सदर विधायक पंकज गुप्ता, नगर पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानू, पूर्व पालिकाध्यक्ष रामचंद्र गुप्ता ने समिति पदाधिकारियों के साथ पूजन आरती के साथ भंडारे का शुभारंभ कराया। मुख्य सेवायत कृष्णप्रिय मोती श्याम, अध्यक्ष राम प्रकाश चौरसिया, महामंत्री विजय गुप्ता ने सहयोगियों और अतिथियों को प्रतीक चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। महिला मंडल अध्यक्ष निम्मी अरोरा, कोषाध्यक्ष निर्भय निगम, व्यवस्थापक राजेश दुबे व संजीव गुप्ता राजा, निर्भय सिंह, राजू गुप्ता, मनोज निगम, अजय गुप्ता, सचिन वर्मा, धर्मेंद्र वर्मा, साधना दीक्षित, उमा शुक्ला, वंदना त्रिपाठी, सुभाष गुप्ता, स्वागताध्यक्ष अरविंद वर्मा, मीडिया प्रमुख मनीष सिंह सेंगर, आरती यादव, संजय गुप्ता, निशीथ श्रीवास्तव, गुड़िया चौहान, राजन मिश्रा, अरविंद श्रीवास्तव, राहुल कश्यप आदि का योगदान रहा। भंडारे के बीच श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण, भगवान बलभद्र और सुभद्रा जी के दर्शन कर सुमधुर भजनों में आत्ममुग्ध होते दिखे।

डीएवी कालेज के प्रोफेसर को सेवानिवृत्ति पर नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि ने दी शुभकामनाएं

उन्नाव, अवधनामा संवाददाता। डीएवी कॉलेज कानपुर में अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष पद पर कार्यरत रहे बड़े डॉ. मनोज श्रीवास्तव के रिटायरमेंट पर आयोजित सम्मान समारोह में पहुंचे नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधी प्रवीण मिश्रा भानू ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि प्रोफेसर डा. मनोज श्रीवास्तव ने अपने शैक्षणिक जीवन से सेवा-निवृत्त हुए किन्तु आपकी सामाजिक सक्रियता सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। लगभग पचास से अधिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के संरक्षक के रूप में निरंतर समाज सेवा में संलग्न हैं। शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक चेतना और जनकल्याण के लिए आपका योगदान अत्यंत सराहनीय है। आपका मार्गदर्शन समाज को आगे भी मिलता रहे यही कामना है। कार्यक्रम में उमानिवास बाजपेई, पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि मंटू कटियार, सभासद सुशील तिवारी गुड्डा, अजय श्रीवास्तव, सभासद दीपक दीक्षित मोनू, जी,डी के मिश्रा, अनुपम अवस्थी, मुकेश यादव, सभासद पंकज लोधी समेत तमाम लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

घर में सेंध लगा लाखो की सम्पत्ति पार कर ले गये चोर

उन्नाव, अवधनामा संवाददाता। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में बीतीरात चोरों ने घर में सेंध लगा छत के रास्ते घर में घुसकर कमरे की अलमारी से नगदी और कीमती जेवरात सहित करीब ढाई लाख रुपये की सम्पत्ति चोरी कर ली। जानकारी के अनुसार कोतवाली बांगरमऊ के ताजपुर निवासी पंचम पुत्र ईश्वरी बीतीरात परिवार के साथ घर के बरामदे में सो रहे थे, रात को चोर छत पर चढ़कर जीने के रास्ते कमरे में पहुंच अलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखे 5000 नकद और सोने-चांदी के जेवरात पार कर भाग निकले। गुरुवार सुबह जब परिवार की नींद खुली तो कमरे में कपड़े और सामान बिखरे मिले। अलमारी खुली पड़ी थी और सारा कीमती सामान गायब था। जिसकी सूचना तुरंत कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। पंचम ने कोतवाली में तहरीर दी है।

उन्नाव की बेटी ने अमेरिका में लहराया परचम

उन्नाव, अवधनामा संवाददाता। अमेरिका के बर्मिंघम शहर में 27 जून से 7 जुलाई तक चल रहे वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025 में उन्नाव जिले की एथलीट नीतिका वर्मा ने चक्का फेंक में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का मान बढ़ाया। नीतिका वर्मा वर्तमान मे इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस में कांस्टेबल के पद पर तैनात हैं। इससे पहले वह उत्तराखंड नेशनल गेम्स सहित कई सीनियर नेशनल एथलेटिक चौंपियनशिप में पदक हासिल कर चुकी हैं। नितिका ने मेहनत और निरंतर अभ्यास से अब अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्वर्ण पदक विजेता बना दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भी पूर्व में सम्मानित किया जा चुका है। नीतिका की इस उपलब्धि पर जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रणविजय सिंह, सचिव सिद्धार्थ कृष्णा, पारुल कुमार, मयंक, खेलो इंडिया कोच कुशमेश कुमार ने नितिका को देश का नाम रोशन करने पर बधाई दी।

झमाझम बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

ललितपुर। शुक्रवार की रात्रि से शुरू हुई झमाझम बारिश ने जनपद सहित नगर आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। लगातार बारिश के चलते नगर में कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं कई नदी नाले उफान पर हैं। शहर से बुढ़वार मार्ग पर कई स्कूल कॉलेज बने हुए हैं। संपर्क मार्ग टूटने से छात्र-छात्राएं परेशान हैं। बुड़वार रोड स्थित पीतांबरा ग्रेनाइट के पास से निकला नाले पर पानी ऊपर से बह रहा है, जिससे नगर का गांव से संपर्क टूट गया। वहीं इसी मार्ग पर केन्द्रीय विद्यालय सहित कई स्कूल कॉलेज बने हुए हैं। संपर्क मार्ग टूटने से छात्र-छात्राएं परेशान हैं। नाले पर बना पुल डूब जाने से बुड़वार मार्ग पर स्थित गाव का संपर्क शहर से टूट जाने से लोगों काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

नाबालिग को भगा ले जाने वाला पुलिस हिरासत में

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में एएसपी कालू सिंह एवं सीओ महरौनी आशीष मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में वांछित/वारण्टी की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बानपुर पुलिस ने थाने में पंजीकृत मु.अ.सं. 166/2025 धारा 137(2) बीएनएस व 7/8 पॉक्सो एक्ट का वांछित अभियुक्त मध्य प्रदेश के जिला छतरपुर अंतर्गत थाना भगवां के ग्राम नयाखेड़ा निवासी रोहित पाल पुत्र मथुरा पाल डगराना बस स्टैण्ड से हिरासत में लिया है। अभियुक्त को पकडने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष बानपुर अरूण कुमार तिवारी, उ.नि.रामप्रकाश तिवारी, कां. शिवनन्दन शामिल रहे।

जनपद की तीनों तहसीलो में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया

अवधनामा संवाददाता

■ तहसील सम्भल में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस।

■ शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश।

संभल। जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आज जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई की अध्यक्षता में तहसील सम्भल सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जायें, शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक द्वारा सुना गया एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायत का निस्तारण गुणवत्ता एवं प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। जिससे शिकायतकर्ता शिकायत पुनः लेकर न आए। तहसील सम्भल में कुल 68 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमे 6 शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया गया। शेष के लिए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायत का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इसके उपरांत राजकीय कन्या इंटर कॉलेज संभल की छात्राओं ने वृक्षारोपण को लेकर रैली निकाली जिसमें जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं स्कूल की छात्राओं के साथ मिलकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने तहसील संभल परिसर में पौधारोपण किया और छात्राओं को पर्यावरण की स्थिति को लेकर जागरूक किया। इसी के साथ-साथ जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने छात्राओं के साथ ईवीएम वीवीपैट वेयरहाउस संभल के परिसर में भी पौधारोपण किया। एवं वृक्षारोपण को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक,उप जिलाधिकारी संभल विकास चंद्र, क्षेत्राधिकारी संभल आलोक भाटी सहित समस्त संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रिंटर बेचने का प्रलोभन देकर ले लिये रुपये, नहीं दिया प्रिंटर

अवधनामा संवाददाता

■ रुपये वापस मांगने पर किया जा रहा टाल-मटोल

ललितपुर। शहर क्षेत्र के मोहल्ला घुसयाना स्थित मेसर्स पिंकी फ्लैक्स की ऑनर मोहल्ला नेहरू नगर बी.केबिन के पास रहने वाली प्रो.प्रियंका अहिरवार पुत्री अशोक अहिरवार ने लखनऊ के जानकीपुरम अंतर्गत 1/519 सेक्टर जे कुर्सी रोड स्थित वैष्णवी डिजीटल सिस्टम के प्रबंधक पर डिजिटल इन्जेक्ट प्रिन्टर मय आवश्यक उपकरण के खरीदने का सौदा करने और रुपये लेने के बावजूद भी प्रिंटर व उपकरण न भेजने का आरोप लगाया है। इस सम्बन्ध में उन्होंने न्यायालय की शरण लेने की बात कही है। प्रो.प्रियंका अहिरवार ने बताया कि विगत वर्ष 2024 में वैष्णवी डिजीटल सिस्टम से डिजिटल इन्जेक्ट प्रन्टिर 10.5 फीट मय आवश्यक उपकरण के समस्त कर सहित मु. 13 लाख 1540 रूपये में सौदा तय हुआ तो मेने उक्त विक्रय मूल्य 05 दिसम्बर 2024 को खाता संख्या 43527713141 शाखा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया गांधी नगर ललितपुर द्वारा एफ.एस.सी. कोड नं. सी.एन.आर.बी. 0003210 केनरा बैंक शाखा जानकीपुरम लखनऊ में मु. 10 लाख 10 हजार रूपया व उसी दिन शेष धनराशि मु. 2 लाख 91,540 रुपये कुल 13 लाख 1540 रूपया ट्रान्सफर कर विक्रय मूल का भुगतान किया। किन्तु उक्त फर्म द्वारा उक्त प्रिन्टर मशीन व उसके उपकरण नहीं भेजे गये और बार बार संपर्क करने पर भी हीला हवाली करते हुये टाला जा रहा है। बताया कि मार्च 2025 में आपने उक्त प्रिन्टर मशीन देने में असमर्थता व्यक्त की व विक्रय मूल 13 लाख 1540 रूपया शीघ्र ही वापिस करने की बात कही, लेकिन वह भी वापस नहीं दिया है। उन्होंने उक्त फर्म के प्रबंधक पर अमानत में खयानत व धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है।

सुपर मार्केट में जामुन के किसानों ने मचायी गन्दगी

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। सुपर मार्केट में गंदगी व बदबूदार माहौल से मुक्ति दिलाए जाने की मांग को लेकर व्यापारियों ने जिलाधिकारी को एक ज्ञापन भेजा है। बताया कि सुपर मार्केट में गंदगी का साम्राज्य स्थापित हो चुका है जगह-जगह फल सब्जी जामुन के ढेर लगे हुए हैं, जिससे मार्केट में बैठने वाले दुकानदारों को बहुत बदबू आ रही है, बैठना दूभर हो गया है। बदबू और गंदगी के कारण संक्रामक रोग फैलने की आशंका है। इस संबंध में ईओ से फोन पर बात हुई उन्हें स्थिति से अवगत कराया लेकिन स्थिति से अवगत कराने के बाद भी व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ। वर्तमान में जामुन का सीजन चल रहा है। जामुन बेचने वालों के द्वारा रोड पूरी तरह कवर्ड कर ली गई है। रोड पर आने वाले आने जाने वालों पर ऐसी स्थिति है कि रोड से पैदल निकल नहीं सकते, वाहन गाड़ी से तो आप निकल ही नहीं सकते, सुपर मार्केट के जो मूल दुकानदार है।

वह अपनी दुकान पर नहीं पहुंच पा रहे हैं, ना उनकी दुकान पर दुकानदारी नहीं हो पा रही है और वह हाथ पैर हाथ धरे बैठे हैं। व्यापारियों ने जिलाधिकारी को बताया कि कामगारों की सुविधा के लिए सेड बनवाए हैं और थे बनाए गए सेड पर जामुन व्यापारी अपना जामुन फैलाए हुए हैं और इनको तत्काल बाजार से अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने मांग उठायी कि स्थाई दुकानदारों को एकदम भी समस्या से निजात दिलाया जाये। ज्ञापन देते समय महेश जैन, कैलाश जैन, पवन कुमार, जितेंद्र जैन, हरगोविंद सोनी, राजकुमार, पुष्पेंद्र जैन, जैन निलेश कुमार, प्रदीप जैन, आलोक जैन, सुरेंद्र साहू, प्रिंस साहू, आयुष कुमार, रामकुमार निरंजन, उमेश झा, आशीष, रामकिशोर सोनी, प्रदीप कुमार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

विकास से अछूते नगला चेतनगढ़ के ग्रामीणों को जिपंअ ने दी विकास कार्यों की सौगात

अवधनामा संवाददाता

■ जिपंअ के भाई और सुपुत्र ने किया 22 लाख रुपए के निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ

मथुरा। जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि देवी सिंह एवं उनके सुपुत्र पार्थ चौधरी ने बछगांव पंचायत का छोटा सा मजरा नगला चेतनगढ़ में पंचायत निधि से 22 लाख लागत से बनने वाली सीसी सड़क निर्माण का शुभारंभ नारियल फोड़ कर किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने जिपंअ प्रतिनिधि का चांदी का मुकुट एवं माला पहनाकर व साफा बांधकर स्वागत किया। जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने बताया कि गांव से गांव जुड़ें, पंचायत से पंचायत जुड़े यही मेरा सपना है, जनसेवा मेरा संकल्प है, मथुरा का विकास मेरी प्राथमिकता शुरू से रही है। बचगांव पंचायत का छोटा सा मजरा चेतनगढ़ है, जिसमें सिर्फ़ पाँच घर हैं, यह घर दसों सालों से विकास के लिए उपेक्षित रहा है। यहां कोई पक्का रास्ता नहीं है और न ही सरकारी योजनाएं यहां आज तक पहुंची है, लेकिन विकास पर सबका समान अधिकार है, चाहे गांव छोटा हो या बड़ा हो। जब मुझे बछगांव पंचायत के नगला चेतनगढ़ की स्थिति का पता चला, तो मैंने तुरंत बिना देर किए 22 लाख रुपये की लागत से पक्के रास्ते के निर्माण की स्वीकृति दे दी। आज गर्व की बात है कि मेरे प्रतिनिधि बड़े भाई देवी सिंह चौधरी व मेरे पुत्र पार्थ चौधरी ने वहां पहुँचकर नारियल फोड़कर इस निर्माण कार्य का शुभारंभ किया है, मुझे खुशी है कि अब यह रास्ता बनकर नगला चेतनगढ़वासियों की वर्षो पुरानी परेशानी का समाधान करेगा। कई लोग सिर्फ़ बड़े गांवों को देखकर काम करते हैं, लेकिन मेरा सपना है कि हर गांव, हर बस्ती, चाहे जितनी भी छोटी हो, विकास से जुड़ सके। यही मेरा संकल्प है, यही मेरी सेवा है। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि देवी सिंह ने शुभारंभ अवसर पर कहा कि पंचायत निधि का उपयोग जनहित के कार्यों में किया जाएगा और विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी को साथ मिलकर काम करना होगा जिससे गांव का विकास हो सके। यह निर्माण कार्य का शुभारंभ पंचायत के विकास कार्यों का हिस्सा है और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में इस दौरान केशव पहलवान, वेद प्रधान, बलजीत प्रधान, फतेह सिंह प्रधान, गुड्डू प्रधान, कृष्णा कुंतल, होरी लाल, नगला बर गिर्राज सिंह एवं लक्ष्मण बीडीसी व समस्त सम्मानित लोग मौजूद रहे।

शिक्षा की गुणवत्ता और अनुशासन से नहीं किया जाएगा समझौता : रोली सिंह

- पं. जवाहर लाल इंटर कालेज व दो प्राथमिक विद्यालयों का किया निरीक्षण
- विद्यालयों के परिसर में लगाए पौधे

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने बीकापुर क्षेत्र के पं. जवाहर लाल इंटर कालेज, खजुराहट, प्राथमिक विद्यालय नुवावां बैदरा तथा शेरपुर पारा का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार पाण्डेय मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से वार्ता कर जानकारी ली। कक्षाओं में जाकर छात्रों के शैक्षिक स्तर को भी परखा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालयों के परिसर में पौधरोपण किया। पं. जवाहर लाल इंटर कालेज खजुराहट का संचालन जिला पंचायत द्वारा किया जाता है। यहां निरीक्षण के उन्होंने छात्रों की उपस्थिति कम पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। निर्देशित किया कि पंजिका के अनुरूप छात्र विद्यालय में उपस्थित रहें। कम छात्र संख्या पर उन्होंने छात्र संख्या बढ़ाने जाने पर बल दिया। कक्षा छ से आठ तक कम छात्र संख्या होने के कारण एक ही सेक्शन चलाए जाने को कहा। गणित के अध्यापक न होने पर वैकल्पिक व्यवस्था करने का निर्देश दिया। जिला विद्यालय निरीक्षक से फोन पर वार्ता कर गणित के अध्यापक की रेगुलर नियुक्ति के लिए कहा। लापरवाह शिक्षकों को अल्टीमेटम देते हुए एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया। विद्यालय परिसर में पाकड़, पीपल, नीम, बरगद के ग्यारह पौधे रोपित किया।प्राथमिक विद्यालय नुवावां बैदरा तथा शेरपुर पारा में निरीक्षण के दौरान उन्होंने मिड-डे-मील की गुणवत्ता परखी। बच्चों को दिए जा रहे भोजन के मेन्यू के बारे में पूछा। कक्षाओं में जाकर बच्चों से वार्ता की तथा उनके शैक्षिक स्तर को परखा। विद्यालयों में कई छात्र बिना यूनीफार्म के थे। उन्होंने अभिभावकों से सम्पर्क कर बच्चों को यूनीफार्म में ही विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करने को कहा। दोनों विद्यालय परिसर में पौधे रोपित किए।जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा शिक्षा की गुणवत्ता और अनुशासन से समझौता नहीं किया जाएगा। बच्चों को बेहतर वातावरण मिले, यह हम सबकी जिम्मेदारी है। स्कूलों में पौधरोपण कर बच्चों में प्रकृति के प्रति लगाव भी विकसित करना आवश्यक है। शिक्षकों को चेतावनी दी गई है कि कार्य में लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं होगी।

कैंट क्षेत्र में पूर्व सांसद की पहल लाई राहत, बंद मार्गों पर फिर बहाल हुई आवाजाही

अयोध्या। कैंटोनमेंट प्रशासन द्वारा बीते दिनों लाल कुर्ती मार्ग, मीरनघाट मार्ग तथा मरीमाता मार्ग को सुरक्षा कारणों से अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया था। इसके साथ ही सदर बाजार में सैनिकों की आवाजाही पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। जिससे सदर बाजार के व्यापारियों पर बड़ा असर पड़ रहा था। रास्तों पर प्रतिबंधों से आमजन को काफी असुविधा हो रही थी। स्थानीय लोगों ने इस विषय में पूर्व सांसद लल्लू सिंह से संपर्क कर प्रतिबंधों को हटाने की मांग की थी। लल्लू सिंह ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से दिल्ली में मुलाकात कर प्रतिबंधों को हटाने हेतु पत्र सौंपा और जनता की पीड़ा से अवगत कराया। उनकी पहल का असर हुआ और अब कैंटोनमेंट प्रशासन ने मार्गों से प्रतिबंध हटा दिए हैं। इससे लोगों में प्रसन्नता का माहौल है। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने बताया कि जनता की सुविधा और सुरक्षा दोनों जरूरी हैं। कैंट क्षेत्र के प्रतिबंधों से स्थानीय लोगों को बड़ी असुविधा हो रही थी। रक्षा मंत्री से मिलकर समाधान का अनुरोध किया गया। प्रतिबंध हटने की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय नागरिकों ने पूर्व सांसद के प्रति आभार व्यक्त किया।

अगले माह तक तैयार हो जाएगा अयोध्या का 110 बेड का ट्रामा सेंटर

- 33 करोड़ की लागत से बन रहा भवन, 80 फीसदी कार्य पूरा

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। प्रदेश की योगी सरकार अयोध्या को न केवल आध्यात्मिक, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी सशक्त बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। इस कड़ी में दर्शननगर स्थित राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज परिसर में 110 बेड के अत्याधुनिक ट्रामा सेंटर का निर्माण अंतिम चरण में है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को कार्यदायी संस्था 31 अगस्त तक हैंडओवर कर देगी। यह ट्रामा सेंटर 33 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से तैयार किया जा रहा है और इसके संचालन के बाद अयोध्या के निवासियों और श्रद्धालुओं को एक ही छत के नीचे सभी आकस्मिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

योगी सरकार का यह प्रयास अयोध्या को आयुष्मान अयोध्या के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ट्रामा सेंटर का निर्माण राजकीय निर्माण निगम द्वारा किया जा रहा है, जिसमें अब तक 80 फीसदी से अधिक कार्य पूरा हो चुका है। कार्यदायी संस्था ने 31 अगस्त तक भवन को पूर्ण कर प्रशासन को सौंपने का लक्ष्य रखा है।

तीन मंजिला होगा ट्रामा सेंटर

यह ट्रामा सेंटर तीन मंजिलों में बनाया जा रहा है, जिसमें 50 बेड का ट्रामा सेंटर और 60 बेड का इमरजेंसी मेडिसिन विभाग शामिल है। इस सुविधा के शुरू होने से गंभीर मरीजों को लखनऊ या अन्य बड़े शहरों में रेफर करने की आवश्यकता कम होगी।

ट्रामा सेंटर में यह होंगी सुविधाएं

नए ट्रामा सेंटर में एक्स-रे, सीटी स्कैन, ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, और अन्य आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी, जिससे मरीजों को त्वरित और प्रभावी उपचार मिल सकेगा। वर्तमान में मेडिकल कॉलेज के पुराने भवन में संचालित ट्रामा सेंटर में मरीजों को जांच के लिए अलग-अलग भवनों में जाना पड़ता है, जिससे समय और संसाधनों की बर्बादी होती है। नया सेंटर इस समस्या का समाधान करेगा।

300 बेड के हॉस्पिटल के लिए मिल चुकी है पहली किस्त

योगी सरकार ने अयोध्या के साहबगंज में रामपथ पर 300 बेड के सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के निर्माण के लिए 48 करोड़ रुपये की पहली किस्त भी जारी की है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या में स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए कई अन्य परियोजनाएं भी चल रही हैं। श्रीराम चिकित्सालय, जिला अस्पताल, और 14 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर इमरजेंसी सेवाएं पहले से उपलब्ध हैं। नए ट्रामा सेंटर के शुरू होने से अयोध्या में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर और ऊंचा होगा।

मुख्यमंत्री व शासन को भेजी जानकारी-डॉ. सत्यजीत वर्मा

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा ने बताया कि यह ट्रामा सेंटर मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक है। उन्होंने कहा की कार्यदायी संस्था ने हमें लिखकर दिया है कि 31 अगस्त तक वह भवन मेडिकल कॉलेज को हैंडओवर कर देंगे। इसके साथ ही नर्सिंग कालेज भी तैयार हो जाएगा।

स्टाफ नर्स से यौन उत्पीड़न का मामला, डॉक्टर महिपाल पर आधी रात दर्ज हुआ मुकदमा

- आत्महत्या का वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस, जांच तेज

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगंज (पारा राम) में कार्यरत एक पूर्व स्टाफ नर्स के यौन उत्पीड़न के मामले ने जिले में सनसनी फैला दी है। पीड़िता ने तात्कालिक अधीक्षक डॉक्टर महिपाल सिंह पर शादी का झांसा देकर एक साल तक दुराचार करने और अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का गंभीर आरोप लगाया है। स्टाफ नर्स ने इस संबंध में एसएसपी अयोध्या, महिला आयोग, महिला थाना अयोध्या और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर न्याय की मांग की थी। हालांकि कई दिनों तक मामले में सिर्फ आंतरिक जांच चलती रही। शुक्रवार और शनिवार की मध्य रात्रि पीड़िता ने हताश होकर एक वीडियो बनाकर आत्महत्या की चेतावनी दी और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया। हैदरगंज थाना प्रभारी विवेक कुमार राय तत्काल अस्पताल पहुंचे और पीड़िता को समझाकर थाने लेकर आए। एसएसपी अयोध्या के निर्देश पर रात्रि 1:25 बजे डॉक्टर महिपाल सिंह के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।शनिवार दोपहर पीड़िता का पुलिस ने बयान दर्ज कर लिया है और अब उसे न्यायालय में पेश कर बयान दर्ज कराने की तैयारी की जा रही है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस सभी साक्ष्य एकत्र कर रही है।स्टाफ नर्स के अधिवक्ता योगेश पांडे ने शनिवार शाम करीब 5 बजे पुलिस से मांग की कि आरोपी डॉक्टर को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मामलों में न्याय में देरी से पीड़िता को मानसिक आघात और बढ़ता है।

दिव्यांगजनों के हित में तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

अयोध्या। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन भारतीय पुनर्वास परिषद से अनुमोदित तीन दिवसीय सतत पुनर्वास शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन अयोध्या में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य विषय था प्रारंभिक पहचान और विकासात्मक विकारों में समय पर हस्तक्षेप। उद्घाटन सत्र में जिला होमगार्ड कमांडेंट राघवेंद्र शुक्ल, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी चंद्रेश त्रिपाठी तथा महंत महेश योगी मुख्य अतिथि रहे। वक्ताओं ने दिव्यांगजनों की प्रारंभिक पहचान, समय पर हस्तक्षेप, पुनर्वास योजनाएं, समावेशी शिक्षा और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों पर विचार रखे।प्रमुख विशेषज्ञों में डॉ. दानवीर गौतम, कमल कुमार, दुर्गेश यादव वर्मा, डॉ. सुधीर राय, दिलीप सिंह, अंबिकेश त्रिपाठी व डॉ. उपेंद्र मणि त्रिपाठी शामिल रहे।

ब्राह्मणों के उत्थान के लिए संकल्पित है पंडित कृपा निधान

अयोध्या। भारतीय संयुक्त ब्राह्मण संघर्ष समिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बिहार प्रांत के कंकड़बाग सत्संग भवन पटना बिहार में भाग लेने के लिए अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक एवं श्री श्री परशुराम सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित कृपा निधान तिवारी प्रोफेसर डॉक्टर आदित्य नारायण त्रिपाठी महेंद्र पांडे ट्रेन से प्रस्थान किया जिसमें बिहार प्रांत के गठन पर भी विचार किया जाएगा। पांच सूत्रीय मांगों को लेकर जो भी ब्राह्मण संगठन के पदाधिकारी कार्यकर्ता तथा ब्राह्मण बन्धु सड़क से लेकर सदन तक पांचो मांगों को लेकर संघर्ष करने के इच्छुक हो वे उक्त बैठक में पहुंचकर अगली रणनीति बनाने में अपना सुझाव विचार राष्ट्रहित में देने का कष्ट करें। जनहित में इसको देश में लागू करने के लिए अपना पूरा सहयोग तन मन धन से करें। नहीं तो आने वाली पीढ़ी हम सबको माफ नहीं करेगी आप सबके लिए अशोकनगर रोड नं दस महर्षि मेंहीं आश्रम पर आवास भोजन की व्यवस्था निशुल्क की गई है।आप सबसे निवेदन है कि इस ब्राह्मण कुंभ में पहुंचने का कष्ट करने की अपील किया है।

भविष्य को सुरक्षित व सकारात्मक बनाना ही जीवन का मुख्य उद्देश्य : प्रो. जगदीश

- छात्र-छात्राओं से किया संवाद, विभिन्न प्रक्षेत्रों का भ्रमण कर गायों को खिलाया गुड़

अवधनामा संवाददाता

कुमारगंज-अयोध्या। विवि अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन प्रो. एम. जगदीश कुमार के आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। उनके स्वागत में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रेक्षाग्रह में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जल भरो के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विवि के कुलपति कर्नल डा. बिजेंद्र सिंह ने उन्हें स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्रम भेंटकर उनका स्वागत किया। विवि अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन प्रो. एम. जगदीश कुमार ने बतौर मुख्यअतिथि कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने विवि के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि हम किसी भी संस्था में कार्य करें, हमारा मुख्य उद्देश्य अपने भविष्य को संरक्षित, शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सकारात्मक बनाना होना चाहिए। आज हमारी जनसंख्या बढ़ी है और हमारे संसाधन सीमित है। बहुत से लोग काफी लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं और इन संसाधनों तक उनकी पहुंच नहीं है। उन्होंने कहा कि नवाचार और कल्पनाशीलता से ही नए विचार उत्पन्न हो सकते हैं और नए विचारों से ही नए शोध किए जा सकते हैं। इसके लिए छात्रों को शोध के क्षेत्र में जिज्ञासु बनना होगा जिससे कि भविष्य में आने वाली चुनौतियों, वैश्विक जनसंख्या, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण असंतुलन, गरीबी एवं अन्य समस्याओं का सामना किया जा सके। वर्तमान में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक महिलाओं की संख्या तेजी के साथ बढ़ी है जो लैंगिक समानता बनाए रखने में सहायक सिद्ध हो रहा है। प्रो. एम. जगदीश ने छात्रों से अपील किया वे अपना लक्ष्य निर्धारित कर परिश्रम करें। असफलता को सकारात्मक रूप में लेना चाहिए और सफल व्यक्तियों की जीवनी पढ़कर उससे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं से भी संवाद किया और उनके सवालों एवं शंकाओं का भी समाधान किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति कर्नल डा. बिजेंद्र सिंह ने शिक्षा, शोध एवं प्रसार के क्षेत्र में हो रहे कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने बताया की विवि द्वारा नई शिक्षा नीति अंतर्गत डिप्लोमा सर्टिफिकेट तथा वैल्यू एडेड कोर्स कराए जा रहे हैं जिससे छात्र-छात्राओं को स्वावलंबी बनाया जा सके। विवि ने अबतक 200 से अधिक प्रजातियों को विकसित किया है। उन्होंने बताया कि धान के क्षेत्र में हम लोग अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। विवि में जल भराव से लेकर शुष्क स्थान तक के क्षेत्र के लिए धान की प्रजातियां उपलब्ध हैं। आंवला और बेल की प्रजातियां पूरे विश्व में प्रचलित है। विवि में मुर्गी, मछली, बत्तख, गाय, भैंस आदि का पालन किया जा रहा है। नैक मूल्यांकन में उच्च ग्रेड पाने के बाद विदेशी छात्रों की संख्या में तेजी के साथ इजाफा हुआ है। विवि में लगभग 85त्न बच्चे छात्रवृत्ति पा रहे हैं।सामुदायिक महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. साधना सिंह ने कहा कि सामुदायिक विज्ञान विषय जो कि गृह विज्ञान विषय का ही दूसरा नवीनतम नाम है। डिग्री कार्यक्रम समस्त कृषि विश्वविद्यालयों में एवं नौकरियों के विज्ञापन में गृह विज्ञान के साथ-साथ सामुदायिक विज्ञान एवं फूड न्यूट्रिशन एवं डायटेटिक्स विषय को भी एक विकल्प के रूप में रखा जाना चाहिए। उन्होंने प्रो. जगदीश से यह भी अनुरोध किया कि उक्त विषय को अलग से यू.जी.सी.नेट परीक्षा में सम्मिलित किया जाना चाहिए। इस दौरान उन्होंने महाविद्यालयों में चल रहे डिग्री कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। अधिष्ठाता डा. भगवानदीन ने सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया एवं कार्यक्रम का संचालन डा. जेबा जमाल ने किया। इस मौके पर विवि के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षक, वैज्ञानिक, कर्मचारी सहित 250 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

थानाध्यक्ष ने कंधा देकर चौकीदार को दिया अंतिम विदाई

अवधनामा संवाददाता

मिठौरा (महराजगंज)। चौक थाने में तैनात रहे चौकीदार घिसियावन गौतम का करीब 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। इसकी जानकारी होने पर पहुंचे थानाध्यक्ष रामचरण सरोज ने शव को कंधा देकर अंतिम विदाई दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार को करीब शाम को लगभग 7-8 बजे घर पर अचानक मौत हो गई। गांव के लोग कहते है कि वह अच्छे कविता भी कहते और सबको हंसाने वाले व्यक्ति थे। इनके परिवार में बड़ा लड़का तुलसी, छोटे कबीर और ऋषिकेश और चार लड़कियां हैं। चौक थानाध्यक्ष रामचरण सरोज, थाने में तैनात दिवान अखिलेश यादव, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र गौतम और विश्वनाथ पासवान, कांस्टेबल आयुष चौबे ने कंधा देकर चौकीदार को भावभीनी अंतिम विदाई दी। यह भावुक कर देने वाले दृश्य पर ग्रामीणों की आँखें नम हो गई। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुन्नी पटेल, प्रदुम्न पांडेय,भुभुती दीक्षित, चंद्रभान चौधरी, अनिरूद्ध गुप्ता और ग्रामीण ने नम आंखों से विदाई दी।

मुख्य सेविका पद पर चयनित होकर मान बढ़ाया

पूरा बाजार-अयोध्या। सूर्यवंश क्षत्रिय उत्थान समिति के अध्यक्ष भगवान बक्श सिंह ने सूर्यवंश समाज की बेटियों एवं बहू के बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में मुख्य सेविका पद पर चयनित होने पर उन्हें उनके पैतृक आवास पर पहुंचकर शाल एवं अन्य उपहार देकर सम्मानित किया शांतिपुर में भगवान बक्श सिंह ने कहा कि समाज को शिक्षित करके ही आगे बढ़ाया जा सकता है एवं कहा की बेटियों एवं बहू ने मुख्य सेविका के पद पर चयनित होकर समाज के साथ-साथ क्षेत्र एवं माता-पिता का मान बढ़ाया है तथा समाज का गौरव बढ़ाया हैजिन लोगों को उनके पैतृक आवास पहुंचकर सम्मानित किया गया उनमें प्रतिभा सिंह पुत्री अरविंद कुमार सिंह निवासी शांतिपुर व प्रतीक्षा सिंह पुत्री रविंद्र किशोर सिंह निवासी शांतिपुर तथा विधि सिंह पत्नी अमन सिंह निवासी रामपुर सरधा व शैव्या सिंह पुत्री आशुतोष सिंह निवासी मूशीपुर है।

मोहर्रम पर ट्रैफिक प्लान लागू, आज नगर में भारी वाहनों का प्रवेश बंद

महराजगंज,संवाददाता। मोहर्रम के मद्देनज़र महराजगंज शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। 10वीं मोहर्रम के ताजिया जुलूस को लेकर प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस ने विशेष ट्रैफिक प्लान लागू करने का फैसला किया है। इस दिन सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक नगर क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। साथ ही ट्रैफिक पुलिस ने आम जनता और वाहन चालकों से अपील की है कि वे तय रूट देखकर ही घर से निकलें ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो। जुलूस के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं।

ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि गोरखपुर की ओर से आने वाले भारी वाहन अब शिकारपुर चौराहा से आगे नहीं जा सकेंगे। उन्हें सिंदुरिया होते हुए आगे भेजा जाएगा। निचलौल की ओर से आने वाले वाहन भी सिंदुरिया होकर शिकारपुर के रास्ते अपने गंतव्य को जाएंगे। झनझनपुर की दिशा से शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगा। शहर की सीमा के भीतर किसी भी प्रकार के दोपहिया, चारपहिया, ऑटो और ई-रिक्शा के संचालन पर भी रोक रहेगी। पकड़ी चौराहे से शहर की ओर आने वाले सभी भारी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। प्रशासन ने साफ किया है कि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पूरी तरह सतर्क रहेंगे। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे प्रशासन का सहयोग करें और त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाएं।

मुआवजा में आवश्यक विलंब गंभीरता से लिया जाएगा : डीएम

- संपूर्ण समाधान दिवस पर अधिकारियों ने सुनी फरियाद

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा द्वारा तहसील नौतनवा में संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जनशिकायतों की सुनवाई की गयी। कुल 183 मामले आये, जिनमें उनके द्वारा मौके पर ही 24 प्रकरणों को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया। 05 प्रकरणों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर स्थलीय निरीक्षण के उपरांत प्रकरणों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देशित किया। उन्होंने चकरोड पर कब्जा व मिट्टी पटान न होने की शिकायतों के संदर्भ में भी संयुक्त टीम गठित कर प्रकरणों के त्वरित निक्षेपण का निर्देश दिया। जिलाधिकारी द्वारा ग्राम फरेंदा, तहसील नौतनवां के गाटा सं. 403/2.991 हे0 के संदर्भ में रजिस्ट्री न होने की शिकायत पर अधिशासी अभियंता इंडो नेपाल को कड़ा निर्देश देते हुए रजिस्ट्री की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण के मामलों में मुआवजा वितरण में अनावश्यक विलंब को गंभीरता से लिया जाएगा।

संपूर्ण समाधान दिवस में अनुपस्थित अधिकारियों को स्पष्टीकरण जारी करने हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार कुछ अधिकारियों द्वारा समाधान दिवस के दौरान सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने की शिकायत मिलने पर सम्बन्धित अधिकारियों को चेतावनी जारी करने का निर्देश दिया। संपूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा, उपजिलाधिकारी नौतनवा नवीन प्रसाद, सीएमओ डॉ श्रीकांत शुक्ला, परियोजना निदेशक रामदरश चौधरी, तहसीलदार कर्ण सिंह, एआर कोऑपरेटिव श्री सुनील गुप्ता, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कन्हैया यादव सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम साहिबा और पुलिस कप्तान ने किया कावड़ रुट का निरीक्षण

- संबंधित अधिकारियों को दिया आवश्यक दिशा निर्देश

बिजनौर,संवाददाता। जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर द्वारा आज पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा के साथ कावड़ रूट का लिया जायजा। उन्होंने बिजनौर के मुरादाबाद मार्ग नूरपुर-हल्दौर-नहटौर का निरीक्षण करते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि कावड़ यात्रा को पूर्ण रूप से सुरक्षित एवं शांतिपूर्वक संपन्न करने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय करना सुनिश्चित करें तथा मुख्य मार्गों एवं स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे और एआई कैमरों को स्थापित कर सतत् निगरानी के लिए उसकी नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने की व्यवस्था भी करें। इस अवसर पर उन्होंने बिजली, नगर निकाय, स्वास्थ्य, सड़क, वन, खाद्य सुरक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि श्रवण कावड़ यात्रा को सकुशल, सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए उनके द्वारा दिए गए निर्देशों का पूर्ण गंभीरता के साथ पालन करना सुनिश्चित करें ताकि किसी भी स्तर पर कांवड़ यात्रा के दौरान कोई असुविधा एवं समस्या उत्पन्न न होने पाए। कावड़ मार्ग के निरीक्षण के दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे!

शिक्षिका पर लगाए आरोप झूठे साबित हुए हैं

- शिक्षिका का निलंबन निरस्त कर दिया गया

बिजनौर-बिजनौर ,संवाददाता। जिले के नजीबाबाद क्षेत्र में स्थित प्राथमिक विद्यालय साहनपुर द्वितीय में एक महिला शिक्षिका रफत खान को उस समय निलंबित कर दिया गया था। जब एक तस्वीर सामने आई जिसमें स्कूल स्टाफ सरकारी स्कूल की इमारत के सामने खड़ा था और स्कूल का नाम केवल उर्दू में लिखा दिखाई दे रहा था। हालांकि, असल वीडियो से साफ़ दिख रहा था कि स्कूल का नाम हिंदी और उर्दू दोनों भाषाओं में लिखा गया है। बावजूद इसके, इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर गलत संदर्भ में फैलाया गया, जिससे विवाद खड़ा हुआ और प्रशासन ने शिक्षिका को निलंबित कर दिया था। यह खबर अभी कुछ दिन पहले 4 जून को सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गई। फिर क्या था सभी न्यूज़ चैनल और मुख्य अखबारों में इस खबर को और नमक मिर्च लगाकर प्रस्तुत किया। शिक्षिका को पूरी तरह से अपराधी घोषित कर दिया था। हमारे चैनल फोकस न्यूज बिजनौर पर इस खबर को पूरी सत्यता के साथ दिखाया था। जिसमें निलंबन पर प्रशासन से सवाल किया गया था। बड़ी खबर अब यह है कि शिक्षिका का निलंबन निरस्त कर दिया गया है क्योंकि जांच में शिक्षिका पर लगाए आरोप झूठे साबित हुए हैं। आखिरकार सच्चाई की जीत हुई और झूठ की हर।

स्कूल वाहन खराब होने पर मासूम बच्चों से लगवाया धक्का

- स्कूल एमडी ने बताया कि हमने तत्काल ड्राइवर को हटा दिया है

नजीबाबाद,संवाददाता। नजीबाबाद के स्नेह पब्लिक स्कूल की ये वाहन 1769 जिसको धक्का लगते हुए स्कूल के नन्हे नन्हे बच्चे, जिस गाड़ी पर साफ शब्दों में लिखा हुआ है सीट शामता आठ लोगो के लिये लेकिन बच्चे बारह से पंद्रह भर कर जाते हैं, स्कूल द्वारा ट्रांसपोर्टेशन के नाम पर एक अच्छी खासी फीस छात्रों के परिजनों से ले ली जाती है, परिजन अपने बच्चों की सहुलियत को देखते हुए फीस भी दे देते हैं और छोटे छोटे बच्चों से इस तरह से सड़क पर गाड़ी में धक्का लगवाना गलत ही नहीं बल्कि हादसे को दावत देना भी है और दण्डनिया अपराध भी है। यदि कोई स्कूल का वाहन तकनिकी करण से खराब हो जाता है। तब वाहन का कंडक्टर वाहन में धक्का लगाने का जिम्मेदार होता है और इस वाहन मे कोई सहायक या कंडक्टर तक मौजुद नहीं है! उत्तर प्रदेश में स्कूल वाहनों की फिटनेस साथ ही वाहन में कोई तकनीकी ख़राबी ना आए इसके लिए नियमित सर्विस सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम लागू किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में स्कूल के बच्चों द्वारा गाड़ी में धक्का लगाना, एक गैरकानूनी और खतरनाक गतिविधि है। यह न केवल बच्चों के लिए, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी जोखिम पैदा करता है।

सुरक्षा का खतरा बच्चों का गाड़ी में धक्का लगाना, खासकर जब वे स्कूल जा रहे हों, एक गंभीर सुरक्षा खतरा है। इससे बच्चों को चोट लगने या दुर्घटना होने का खतरा रहता है। 2- नियमों का उल्लंघन स्कूल बसों और अन्य वाहनों के लिए सुरक्षा नियम निर्धारित हैं, और बच्चों से गाड़ी में धक्का लगवाने की अनुमति नहीं है। 3- सामाजिक जिम्मेदारी सभी नागरिकों को सड़क पर सुरक्षित रहने और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखने की जिम्मेदारी है। वहीं स्कूल के स्वामी ने बताया कि गाड़ी में कोई प्रॉब्लम नहीं थी केवल स्टार्ट की थी लेकिन हमने संज्ञान लेते हुए तुरंत ही ड्राइवर को नौकरी से हटा दिया है!

206.81 लाख की आठ सड़क परियोजना का किया शिलान्यासः राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार)

सड़क परियोजना निर्माण कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं - राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार)

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। शनिवार को खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव जी ने मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित / मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत रूपए 206.81 लाख की लागत की आठ सड़क परियोजना का शिलान्यास किया।

जिन सड़कों का शिलान्यास किया उसमें प्रमुख रूप से वाजिदपुर दक्षिणी में वाजिदपुर तिराहे के सामने सेंट थामस कोचिंग के सामने आशादीप इलेक्ट्रॉनिक होते हुए अवधेश श्रीवास्तव के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 34.93 लाख नईगंज में रामनारायण अग्रहरी के मकान से जयप्रकाश के मकान से होते हुए उमेश सोनकर के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली का निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 24.49 लाख परमानतपुर में मैहर देवी ओलंदगंज मार्ग पर कृष्णा बुक डिपो से अशोक नगर कालोनी होते हुए प्रताप कालोनी तक इंटरलॉकिंग व नाली का निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 29.75 लाख हुसैनाबाद रोडवेज के सामने से जगदीश सिंह के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 13.89 लाख उर्दूबाजार में गल्ला मंडी तिराहे से रमन श्रीवास्तव के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 28.25 लाख ईसापुर में रसूलाबाद मार्ग से रवि सोनकर व सतीश सोनकर के मकान से होते हुए शाहगंज मार्ग तक इंटरलॉकिंग व नाली का निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 9.81 लाख उर्दूबाजार चौराहे से डा हरिनंदन श्रीवास्तव के मकान से होते हुए बड़ी मस्जिद तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 30.81 लाख बलुआघाट में बुलबुल मौर्या के मकान से नरसिंह निषाद के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमति लागत रु 34.88 लाख शिलान्यास के दौरान राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) ने स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित /मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत लगभग 34 सड़क परियोजना स्वीकृत है जिसमें आज 8 सड़क परियोजना निर्माण कार्य शिलान्यास करके शुभारंभ किया जा रहा है। जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा, यदि आप लोगो कही लगता है कि निर्माण कार्य में लापरवाही हो रही है, मानक के अनुरूप निर्माण कार्य नहीं हैं तो उसकी जानकारी आप हमको दीजिए, उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। शिलान्यास के दौरान प्रमुख रूप से डा रामसूरत मौर्या, मण्डल अध्यक्ष कमलेश निषाद, आनंद निषाद, सभासद सीपीन सिंह, विकास शर्मा, प्रदीप जायसवाल, अजय सिंह, मनीष श्रीवास्तव व राजदेव यादव मौजूद रहे।

सेवायोजन कार्यालय में 07 जुलाई 2025 रोजगार मेला का आयोजन

जौनपुर। निदेशक, सेवायोजन उ0प्र0 लखनऊ के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय कैम्पस निकट नारायण नर्सिंग होम जौनपुर में 07 जुलाई 2025 को प्रातः 10:00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की महादेव हनुमान विजय प्लेसमेंट सर्विस के द्वारा विद्युत विभाग में (मीटर लगाने) हेतु योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाना है, जिसकी शैक्षिक योग्यताः- हाईस्कूल, इण्टर, आई0टी0आई0 एवं स्नातक उत्तीर्ण आयुसीमा 18 से 30 वर्ष के अभ्यर्थियों को कैम्पस सलेक्शन करेंगी। अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए, पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें। जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई0डी0प्रूफ बायोडाटा सहित प्रतिभाग करेंगे एवं सेवायोजन वेब पोर्टल- rojgaarsangam.up.gov.in के माध्यम से पंजीकरण कर अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

भारतीय परिधान हमारी सभ्यता एवं संस्कृति की पहचान है : जिलाधिकारी

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने कल शाम हरिऔध कला केंद्र आजमगढ़ में भारतीय वेशभूषा एवं परिधानों पर आयोजित ब्यूटी कॉन्टेस्ट के आयोजन का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया। जिलाधिकारी ने कहा कि आज लोगों ने अच्छे वस्त्रों/परिधानों को पहनना आधुनिकता का प्रतीक/पहचान मान है। उन्होंने कहा कि जब भी हम भारतीय संस्कृति के वेशभूषा के परिधान पर आधारित इस प्रकार का ब्यूटी कॉन्टेस्ट देखते हैं तो हमें अपनी संस्कृति याद आती है। उन्होंने कहा कि अभी जो राजस्थानी परिधानों का कैट वॉक जब राजस्थानी गानों के बीच किया गया, तो सभी को लगा होगा कि हम राजस्थान/कोटा में हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि भारत के विभिन्न प्रदेशों में विविध प्रकार के परिधान पहने जाते हैं। जैसे पंजाब में पुरुष कुर्ता पजामा, महिलाएं सलवार सूट पहनती हैं, असम जाए तो धोती/शर्ट और गमछा तथा महिलाएं साड़ियां पहनती है। उन्होंने कहा कि ये परिधान हमें बतौर संस्कृति की याद दिलाता है कि हमारी सभ्यता और संस्कृति वहां के मौसम के आधार पर, वहां की परिस्थितियों के आधार पर बिल्कुल स्वास्थ्य के अनुसार सूट करता है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में लोग टाई सूट, बंद गला का कपड़ा पहनते हैं, यह हमें सूट नहीं करता है, यह यूरोप में सूट करता है, जहां हमेशा तापमान कम रहता है। उन्होंने कहा कि हमारे जो वस्त्र और परिधान बने हैं, वह हजारों वर्षों में रिवॉल्व हुआ है, वह यहां के वातावरण, काम करने की पद्धति एवं स्वास्थ्य के बहुत अनुकूल है। उन्होंने कहा कि इसलिए लोगों को अपनी पुरानी संस्कृति को उजागर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसको उजागर करने से हमें गर्व महसूस होना चाहिए है। उन्होंने कहा कि इसके जो भी प्रतिभागी हैं, जो यहां जीतेंगे, उन्हें प्रदेश स्तर, राष्ट्रीय स्तर और उससे भी ऊपर जाने का मौका मिल सकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से गांव स्तर से निकलकर ऊपर जाने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि प्रियंका चोपड़ा, सुष्मिता सेन एवं अन्य लोगों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिस इंडिया मिस यूनिवर्स विजेता हुए हैं वह वह प्रदेश और राष्ट्र के अस्तर से ऊपर उठे हैं। उन्होंने कहा कि इसका दूसरा सबसे बड़ा फायदा यह है कि इस प्रकार के कॉन्टेस्ट में भाग लेने वाले प्रतिभागी हमेशा अपने आप को फिट और स्वस्थ रखते हैं। इसके साथ ही जिला अधिकारी ने सभी को हार्दिक बधाई हो शुभकामनाएं दी।

मांगों को लेकर सफाई कर्मियों का नगर निगम में प्रदर्शन

मुख्यमंत्री की घोषणा के हिसाब से मानदेय देने की उठाई मांग

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। सफाई कर्मियों ने प्रयागराज नगर निगम में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शनिवार को जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में सफाईकर्मी मौजूद रहे। निगम के सफाई कर्मियों के साथ ही महाकुंभ में कार्य करने वाले सफाई कर्मी भी शामिल रहे। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की। जहां पर उन्होंने कि उनकी मांगों पर सहमती नहीं तो उनका आन्दोलन जारी रहेगा। नगर निगम में प्रदर्शन करने पहुंचे सफाई कर्मियों ने कहा कि महाकुंभ के समाप्ति के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेले में काम करने वाले सफाई कर्मियों को 10-10 हजार रुपये देने की घोषणा की थी। इसका भुगतान अभी तक नहीं हो सका। इसके साथ ही सफाई कर्मियों की सफाई नायक के पद पर पदोन्नति करने, सीएम की घोषणा के अनुसार मानदेय 16 हजार प्रतिमाह करने, मृत जानवर उठाने के लिए प्रत्येक वार्ड में वाहन दिए जाने, मृत पशुओं को फेंकने के लिए स्थान निर्धारित किए जाने, वर्षा को देखते हुए रेनकोट देने, निगम के आउट सोर्सिंग कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने समेत अन्य मांगे रखी। सफाई कर्मचारियों की भारी संख्या देखते हुए नगर आयुक्त सीलम साई तेजा ने उनको वार्ता के लिए बुलाया। जहां उन्होंने सफाई कर्मियों को बताया कि महाकुंभ की मिलने वाली धनराशि मेला प्राधिकरण के खाते में आ गया है। जल्द ही उसका भुगतान होगा। अन्य मांगों के लिए उन्होंने समय मांगा। नगर आयुक्त के आश्वासन के बाद भी सफाई कर्मी शाम तक नगर निगम में डटे रहे। उनका कहना था कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होगी। वह डटे रहेंगे। इसके बाद शाम चार बजे महापौर गणेश केसरवानी ने सफाई कर्मियों से मिलकर उनसे बात की।

विद्यालय मर्जर पेयरिंग के विरोध में शिक्षकों ने किया धरना प्रदर्शन

आजमगढ़। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में तथाकथित परिषदीय विद्यालयों में कम छात्र संख्या को आधार बनाकर पेयरिंग/मर्जन किए जाने के विरोध में शिक्षकों द्वारा धरना प्रदर्शन कर बीसीए को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन अध्यक्ष ने बताया कि पूर्व में तैनाती के समय विद्यालयों में शिक्षकों का असमान वितरण कर दिया गया था। जिसके कारण विद्यालयों में आवश्यकता से अधिक शिक्षकों और कुछ विद्यालयों में शिक्षकों की काफी कमी हो गई। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का कथन है कि कम छात्र संख्या को आधार बनाकर पेयरिंग/मर्जन किये जाने की कार्यवाही शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 एवं बाल शिक्षा अधिकार के सर्वथा विपरीत एवं विधि विरुद्ध है। शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 में प्रावधान किया गया और इसी के अनुरूप पूरे प्रदेश में विद्यालयों की स्थापना की गई। कहा कि यदि सरकार इस अपने इस निर्णय को समाप्त नहीं करेगी तो हम शिक्षक सड़कों पर उतरने को बाध्य होंगे। इस दौरान मनोज त्रिपाठी, उपेंद्र दत्त शुक्ल, यशवंत सिंह, मनोज सिंह, ज्योति श्रीवास्तव, नीलम सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण मौजूद रहे।

राजस्व विभाग से सम्बन्धित मामलों में विवेकपूर्ण तथा न्यायोचित ढंग से लगाये आख्याः डीएम

सम्पूर्ण समाधान दिवस में पट्टा निर्धारण लाभार्थी को दिया गया अनुबन्ध पत्र

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ की उपस्थिति में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी के समक्ष कृष्ण मुरारी मिश्र, एडवोकेट कलेक्ट्रेट द्वारा ग्राम डमरुआ परगना करियादोस्त तहसील सदर द्वारा चकमार्ग पर पुनः मनरेगा द्वारा मिट्टी डालकर खडन्जा लगाये जाने हेतु शिकायत की गयी जिसपर जिलाधिकारी ने बीडीओ सिकरारा को आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया। महेन्दर निवासी मौजा हमजापुर परगना हेवली सदर द्वारा धारा 24 की पैमाइस किये जाने के सम्बन्ध में उपजिलाधिकारी सदर को शीघ्र पैमाइस कराने, रामजीत निवासी तरसण्ड परगना सरेमू गौराबादशाहपुर द्वारा भूमि पर लेखपाल हल्का व राजस्व निरीक्षक द्वारा गाडे गए पत्थर को उखाड़कर फेकने के सम्बन्ध में शिकायत की गयी जिस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी, एसएचओ गौराबादशाहपुर, राजस्व/ पुलिस की सयुक्त टीम बनाकर जॉचकर प्रकरण का निस्तारण करने के निर्देश दिये। ग्राम पंचायत गजना न्याय पंचायत कुछमुछ के ग्राम प्रधान द्वारा जल निकासी हेतु रास्ते पर ह्यूम पाइप डालने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र दिया जिसपर जिलाधिकारी ने बीडीओ धर्मापुर और एसएचओ गौराबादशाहपुर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। ब्लाक करंजाकला के सा0मौ0 विशम्भरा निवासी सन्दीप कुमार यादव द्वारा मत्स्य पालन के कार्य में 2024-25 में पट्टे के लिए चयन होने के बाद भी पट्टे का अनुबन्ध पत्र तहसील द्वारा न देने की शिकायत की गयी जिसपर जिलाधिकारी ने त्वरित संज्ञान लेते हुए उपजिलाधिकारी /तहसीलदार द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए सम्पूर्ण समाधान दिवस में ही जिलाधिकारी के हाथों से अनुबन्ध पत्र लाभार्थी को उपलब्ध करा दिया गया। विनय कुमार सिंह मोहल्लावासी (गिरि बस्ती) मो0 दरीबा जफराबाद द्वारा विद्युत पोल पर विद्युत तार को 500 मीटर दूर बिछाये जाने के सम्बन्ध में, उम्मे रहिला अध्यक्ष नगर पंचायत जफराबाद द्वारा नगर पंचायत जफराबाद क्षेत्रान्तर्गत मो0 दरीबा में लगे विद्युत तार को खुला और जर्जर होने की शिकायती पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसपर जिलाधिकारी ने एक्सईएन विद्युत को मौके पर जाकर देखते हुए निस्तारित कराने का निर्देश दिया गया। थाना गौराबादशाहपुर से सम्बन्धित अधिक शिकायते प्राप्त होने पर जिलाधिकारी द्वारा एसएचओ के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए गम्भीरता से प्रकरणों को ससमय निस्तारित करने के निर्देश दिये गये। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर अनुपस्थित होने के कारण जिलाधिकारी ने एक्सईएन विद्युत, एक्सईएन ट्यूबवेल, एआर कापरेटिव, समस्त खण्डों के एक्सईएन सिचाई के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व विभाग सम्बन्धित मामलों में आख्या को विवेकपूर्ण तथा न्यायोचित ढंग से लगाकर निस्तारित किया जाए। कोई भी राजस्व निरीक्षक 30 से कम पथरगड्डी करेगा, तो उसका वेतन आहरित नही किया जायेगा। पुलिस और राजस्व विभाग को निर्देशित किया कि जमीन विवाद और आपसी विवाद एक ही विषय से सम्बन्धित होते है इसलिए राजस्व विभाग के अधिकारियों और पुलिस विभाग के समन्वय से ही इसका निस्तारण हो सकता है। दोनों पक्षों की समस्याओं को गम्भीरतापूवर्क सुनते हुए शिकायत का निस्तारण करें। जिलाधिकारी ने जिला कृषि अधिकारी, ए आर कापरेटिव को निर्देश दिया कि सुनिश्चित करे कि जनपद में उर्वरक की कमी न होने पाये। सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने अपने विभाग से सम्बन्धित पौधो का उठान करवाना सुनिश्चित करें। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा तहसील के समस्त लेखपालों को निर्देशित किया गया कि शिकायतकर्ता की छोटी-छोटी समस्याएँ जिनका तत्काल निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का निस्तारण शासन की प्राथमिकता है अतः इसमें किसी भी तरह की लापरवाही या उदासीनता अक्षम्य होगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 110 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 07 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारित कर शेष प्रार्थना पत्रों को सम्बंधित अधिकारियों को हस्तान्तरित करते हुए जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये गए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, उप जिलाधिकारी सदर संतवीर सिंह, तहसीलदार सौरभ कुमार, नायब तहसीलदार, सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। इसी क्रम में अन्य तहसीलों में भी फरियादियों की समस्याओं को सुनते हुए उसके निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया गया।

नहर में डूबने से बच्चे की मौत

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के बरौत में नहर में नहाते समय 10 वर्षीय रियांश की डूबने से मौत हो गई। रियांश अपनी मां मनीषा चौहान का इकलौता बेटा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार मनीषा का विवाह जौनपुर जिले में हुआ था। पति की मारपीट से परेशान होकर वह कई वर्षों से अपने मायके में रह रही थी। वह सब्जी बेचकर बेटे का पालन-पोषण कर रही थी। शनिवार दोपहर को रियांश गांव के अन्य बच्चों के साथ नहर में नहाने गया था। नहाते समय वह गहरे पानी में चला गया। उसके साथी बचाने का प्रयास किए, लेकिन सफल नहीं हुए। आसपास के लोगों ने कूदकर उसे बाहर निकाला। अचेत अवस्था में रियांश को तुरंत निजी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रियांश गांव के प्राथमिक विद्यालय का छात्र था। बेटे की मौत से मां मनीषा का बुरा हाल है। वह लगातार रो रही हैं।

तेजी से बढ़ रहा गंगा-यमुना का जलस्तर

गंगा 77.38 व यमुना 75.50 मीटर पर बह रहीं, दुकानदार अपने स्थान से हटे

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलस्तर बढ़ने से संगम नोज अपने स्थान से करीब 500 मीटर पीछे आ गया। दुकानदार, तीर्थ पुरोहित आदि संगम के तट पर मौजूद रहते थे वह अब अपना सामान लेकर काफी पीछे तक आ गए हैं। गंगा और यमुना के आधा दर्जन से ज्यादा घाट बढ़ते जलस्तर से प्रभावित दिखने लगे हैं। किला घाट, वीआईपी घाट, राम घाट, दशाश्वमेध घाट, दारागंज तक जलस्तर में वृद्धि दिख रही है। दारागंज में कई जिलों के लोग अंत्येष्टि के लिए आते हैं। यहां अंत्येष्टि के लिए दिक्कतें हो रही हैं। 1500 से ज्यादा नावें घाटों के किनारे खड़ी हो गई हैं। जल पुलिस की ओर से भी नाविकों को निर्देशित किया गया है कि जलस्तर बढ़ने से नाव के संचालन में खतरा बढ़ने की संभावना होती है, ऐसे में नाव का संचालन कम से कम किया जाए। भले ही गंगा यमुना का जलस्तर बढ़ रहा हो लेकिन इस पर आस्था कहीं भारी है। लोग बड़ी संख्या में संगम क्षेत्र में पहुंच रहे हैं। गंगा यमुना में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। यहां डेंजर लेवल 84.734 मीटर है लेकिन शनिवार की सुबह गंगा अभी फाफामऊ में 77.38 मीटर पर पहुंची हैं। इसी तहर छतनाग में 75.50 मीटर पर हैं। यमुना नदी की बात की जाए तो 75.35 मीटर पर हैं।

पौधरोपण से पर्यावरण की सुरक्षा होती है : कृपाशंकर

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रोपे गए 200 पौधे

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। सरकार पर्यावरण के सुरक्षा के लिए जल जीवन हरियाली को कायम रखने के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान चला रही है। जिसके तहत शनिवार को सिकरारा ब्लॉक के ग्राम पालपुर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व लोकसभा प्रत्याशी जौनपुर व महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह रहे । मुख्य अतिथि ने आम का पौधा लगाकर अभियान का शुभारंभ किया इस दौरान लगभग 200 से अधिक फलदार और औषधीय पौधे लगाए गए। कृपाशंकर सिंह ने कहा कि आज आठ एकड़ के इस तालाब के चारो तरफ पौधे रोपे गए है पौधरोपण से न केवल वातावरण शुद्ध होता है, बल्कि पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी बढ़ती है, पौधे वायुमंडल से कार्बन डाईऑक्साइड अवशोषित कर हवा को स्वच्छ बनाते हैं, आने वाले दिनों में अगर हम अभी नहीं जगे तो धरती पर मानव जीवन खतरे में पड़ जाएगा। जिसके लिए हम सभी को अभी से ही जगने की जरूरत है पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी ग्राम प्रधान व सचिव को सौंपी गई। पूर्व विधायक सुषमा पटेल ने बताया कि पर्यावरण की सुरक्षा पौधरोपण से ही संभव है। एक पौधा मां के नाम के तहत आज कम से कम सैकड़ों पौधे का रोपण किया गया है।

महामंत्री सुशील मिश्र ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान को सफल करने का आह्वान किया और साथ ही जोर दिया की वृक्षों को लगाने के साथ-साथ उनकी रक्षा भी करनी होगी।

सूचना

मैं गुफरान पुत्र अय्यूब नि.62 फुटा रोड, अब्दुल मजीद कालोनी, थाना कुतुबशेर,सहारनपुर ने अपने पुत्र फरमान अहमद पुत्र वधु श्रीमति अज़रा नि.62 फुटा रोड,अख्तर मस्जिद,थाना कुतुबशेर सहारनपुर को बुरी संगत व आचरण के कारण अपनी चल अचल संपत्ति से बे दखल कर उनसे सभी संबंध विच्छेद कर लिये हैं भविष्य में अपने कामों के दोनों ज़िम्मेदार होंगें।

कार्यालय-नगर पालिका परिषद, टाण्डा - अम्बेडकरनगर

पत्रांक : 243/न0पा0परि0टा/विज्ञापन/2025-26 दिनांक : 05/07/2025

नगर पालिका परिषद टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर की नागरिकों से अपील।

1. नगर को स्वच्छ एवं साफ सुथरा रखने में अपना सहयोग करें, सड़को, नालो/नालियों में कूड़ा कदापि न डाले।
2. अपने घरों में गीला एवं सूखा कूड़ा अलग-अलग स्रोत में पृथक्क कर एकत्र करने हेतु हरे एवं नीले रंग के डस्टविन का प्रयोग करें।
3. सूखा कूड़ा हरे डस्टविन में एवं गीला कूडा नीले डस्टविन में एकत्र करें।
4. अपने घरों का कूड़ा डोर डोर कूड़ा कलेक्शन वाले सफाई कर्मचारियों को ही दे।
5. खुले में शौच न जाये। अपने घरों शौचालयों का प्रयोग करें तथा सार्वजनिक व सामुदायिक शौचालयों का प्रयोग करें।
6. खुले में, सार्वजनिक स्थानों व रास्ते पर कूड़ा कचरा न फेके, कूड़ा कचरा सिर्फ कूड़ादान में ही डाले।
7. प्रतिबंधित पालीथीन का प्रयोग न करें और न ही दूसरों को करने दें। पालीथीन पर्यावरण के लिए हानिकारक है। प्रतिबंधित पॉलीथीन/कैरीबैग के प्रयोग करने व विक्रय करते पाये जाने पर रू0 25000.00 तक का जुर्माना हो सकता है।
8. निर्माण एवं विध्वंस सामग्री/अपशिष्टो को रोड की पटरियों एवं सार्वजनिक स्थनो पर न रखे अन्यथा उल्लंघन की दशा में रू0-5000.00 तक जुर्माना/अर्थदण्ड की वसूली की कार्यवाही की जायेगी।
9. संचारीरोगो से बचाव हेतु मच्छरदानी/मच्छरनाशक वस्तुओं का प्रयोग करें।
10. अपने घरों में पानी की टंकी, बाल्टी आदि को पूरी तरह ढककर रखें।
11. अपने घरों तथा कार्य स्थल पर आस-पास पानी जमा/एकत्र न होने दे।
12. पानी पीने के लिए इंडिया मार्का-2 के पानी का ही प्रयोग करें।
13. जल अमूल्य है इसका संरक्षण एवं सदुपयोग करें।
14. सार्वजनिक मार्गो/सड़कों, गलियों एवं नालियों पर अतिक्रमण न करें।
15. खुले स्थानो/भूमि पर वृक्ष लगायें, पर्यावरण को सुरक्षित बनायें।
16. निकाय से शिकायत हेतु टोल फ्री नं0-1533 एवं 14420 पर कॉल करे।
17. नगर पालिका परिषद टाण्डा के समस्त देयों/करो का भुगतान समय से करें।

(अरविन्द त्रिपाठी) उपजिलाधिकारी/ अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद टाण्डा अम्बेडकरनगर

(समस्त सभासदगण) नगर पालिका परिषद टाण्डा अम्बेडकरनगर

(शबाना नाज) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद टाण्डा अम्बेडकरनगर

विद्यालयों की पेयरिंग रोकने के लिए सदर विधायक को दिया ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर पदाधिकारियों ने तहसील प्रभारी अरुण त्रिपाठी के नेतृत्व में शनिवार को सदर विधायक श्यामधनी राही को ज्ञापन सौंप कर स्कूलों की पेयरिंग व्यवस्था पर नाराजगी जताई है?। साथ ही इसे रोके जाने की मांग करते हुए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया।

सदर विधायक के पैतक गांव धौरीकुइयां स्थित आवास पर पहुंचे प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों समेत शिक्षकों ने विधायक को सौंप गए ज्ञापन में बताया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा हजारों विद्यालयों को पेयरिंग के नाम पर बंद किया जा रहा है। प्रदेश में 150 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालयों एवं 100 से कम छात्र संख्या उच्च प्राथमिक विद्यालयों को प्रधानाध्यापक विहीन करते हुए हजारों प्रधानाध्यापकों को सरप्लस घोषित कर दिया गया है।

इसके पूर्व भी एक ही परिसर में स्थित लगभग 20 हजार विद्यालयों का संविलियन करके प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के पद समाप्त कर दिये गये है। वर्तमान में परिषदीय स्कूलों के लिए चल रही मर्जर प्रक्रिया से जहां छात्रों से विद्यालयों की दूरी अधिक होगी, वही हजारों रसोईयों की सेवा समाप्त हो जायेगी। इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा संबंधित प्रधानाध्यापकों एवं ग्राम प्रधान, विद्यालय प्रबंध समिति पर दबाव बनाकर विद्यालय पेयर करने के समर्थन में प्रस्ताव मांगे जा रहे है। लोकतंत्र में इस प्रकार विद्यालय बंद करके नौनिहालों की शिक्षा से खिलवाड़, हजारों प्रधानाध्यापकों के पद एवं रसोईया की सेवा समाप्ति जैसे निर्दयी एवं कठोर निर्णय की कल्पना नहीं की जा सकती है। इस दौरान शैलेंद्र मिश्रा, इन्द्रसेन सिंह, सत्येंद्र मिश्रा, रामप्रताप शर्मा, आशुतोष उपाध्याय, रामशंकर पांडेय, मोहिउद्दीन, दिनेश शर्मा, वीरेंद्र गुप्ता, मनोज कुमार, राहुल, सूरज, दीपक व रमेश आदि मौजूद रहे।

ढेबरुआ पुलिस ने चोरी के माल समेत चार को किया गिरफतार

अवधनामा संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र में हो रही चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए उच्चाधिकारियों के दिशा निर्देश पर एसओजी टीम व ढेबरुआ पुलिस के संयुक्त प्रयास से बड़ी सफलता मिली है।

पुलिस के मुताबिक वादी मुकदमा राघवेन्द्र प्रताप पुत्र स्व0 परमात्मा प्रसाद मिश्रा साकिन अहिरौला थाना ढेबरुआ जनपद सिद्धार्थनगर के ससुराल वार्ड नं0 03 लोहियानगर बढ़नी के घर से चोरी गये माल से सम्बन्धित वांछित 04 नफर अभियुक्तगण मय माल के थाना ढेबरुआ पुलिस को गिरफ्तार करने में मिली बडी सफलता मिली

क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ के कुशल पर्वेक्षण में एवं गौरव सिंह थाना प्रभारी ढेबरुआ के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे वांछित/वारण्टी अभियान के तहत ढेबरुआ थाने पर पंजीकृत मु0अ0सं0 118/2025 नफर वांछित अभियुक्तगण को मय चोरी गया

बरामदशुदा माल के ग्राम दुधवनिया बुजुर्ग कब्रिस्तान के पास से शनिवार की सुबह गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया है। इन लोगों के खिलाफ अन्य कई थानों में मामला दर्ज था। पुलिस द्वारा गिरफ्तार लोगो मे अनिल चौधरी पुत्र दुर्गा प्रसाद चौधरी पुत्र अम्बेडकर नगर थाना कृष्णानगर जनपद कपिलवस्तु राष्ट्र नेपाल उम्र करीब 20 वर्ष, कलीम अहमद पुत्र वसीम अहमद सा0 वार्ड न0 1 अम्बेडकर नगर नगर पंचायत बढनी थाना ढेबरुआ सिद्धार्थनगर उम्र करीब 23 वर्ष, मोनू चौधरी पुत्र मंगरे चौधरी सा0 वार्ड न0 3 झण्डे नगर थाना कृष्णानगर जनपद कपिलवस्तु नेपाल उम्र 20 वर्ष, विवेक चतुर्वेदी पुत्र प्रदीप चतुर्वेती सा0 कल्लन डीहवा वार्ड न0 7 नगर पंचायत बढनी थाना ढेबरुआ सिद्धार्थनगर उम्र करीब 23 वर्ष।

मजलिसों व मातम का दौर चरम पर

अवधनामा संवाददाता

जलालपुर अम्बेडकरनगर। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में नौवीं मुहर्रम को मजलिसों व मातम का सिलसिला अपने चरम पर पहुंच गया।अजादार सियाह लिबास पहने गमगीन माहौल में मजलिसों में शरीक हो कर कर्बला के शहीदों के गम में डूबे रहे। वाजिदपुर स्थित हुसैनी इमामबाड़े से नौवीं मुहर्रम की शब को अलम के साथ दुलदुल का जुलूस निकाला गया। जुलूस से पूर्व मौलाना जैगम अब्बास बाकरी ने मजलिस को खिताब किया।

अंजुमन रज़ा ए हुसैन आसीपुर, अंजुमन जफरूल ईमान, फ़िदा ए हुसैन, अंजुमन सज्जादिया नगपुर ने नौहा मातम किया। जुलूस देर रात बाबा शाह फरीद के आस्ताने पर पहुंच कर समाप्त हुआ। सय्यद अली अहमद, सादिक अब्बास, ताहिर अब्बास, हसन अहमद आदि ने सहयोग किया। नौवीं मुहर्रम पर आयोजित हो रही मजलिसों में हज़रत इमाम हुसैन के छः महीने के मुजाहिद हज़रत अली असगर की शहादत का जिक्र उलमाओं ने किया।जिसे सुनकर अजादार फूट फूटकर रोये। जाफराबाद स्थित मासूमिया बारगाह, फिदा हुसैन, लुतुफ हुसैन,हाजी शमसुल हसन, मास्टर वसी हैदर,स्व0शब्बर हुसैन के अजाखाने पर मजलिसों में भीड़ उमड़ी। मुहज्जब हुसैन, मोहम्मद रजा चौक, शब्बीर हुसैन कर्बलाई, मौलाना अली रजा के इमाम बाड़े में पूरी रात मजलिसों में अजादार शरीक रहे।

तहसील क्षेत्र के हुसैनपुर बीबीपुर के समीप स्थित कर्बला बाजार में अंजुमन हुसैनिया की ओर से शीतल पेयजल सबील का शिविर लगाया गया। कर्बला के शहीदो की याद लगने वाली सबील पर मौलाना सैयद राशिद नकवी ने फातिहा पढ़ा। सैयद नाजिम अली आजम अली, फैजी, सैफी, मुजम्मिल अब्बास, फैज ,राजा ,रमेश मौर्य ,रईस अहमद, फैजल शाहिद, नदीम आदि की भागीदारी रही। इसी क्रम मे टांडा नगर के मोहल्ला मीरानपुरा स्थित सैयद रिज़वान हुसैन के आवास पर कदीमी मजलिस इमामबारगाह मरहूम सैयद आलिम हुसैन मे आयोजित की गयी जिस मजलिस को मौलाना इंतेज़ार अली ने सम्बोधित किया बाद मजलिस अंजुमन हुसैनिया के सदस्यों ने नौहाख़्वानी व सीनाज़नी की मजलिस मे मुख्य रूप से राजा काज़िम रज़ा सईद हसन एडवोकेट शाकिर हुसैन नम्मू शमीम अहमद कमर अहमद कामरान हुसैन आसिम शाज़ान आदि लोगों ने भाग लिया।

एसपी गोण्डा द्वारा मोहर्रम त्योहार पर सुरक्षा-व्यवस्था चाक चौबंद

शैलेन्द्र अवस्थी

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा श्री विनीत जायसवाल द्वारा मोहर्रम त्योहार के दृष्टिगत थाना कर्नलगंज क्षेत्रान्तर्गत मोहर्रम त्योहार को शान्तिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने हेतु मोहर्रम जुलूस मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान जुलूस मार्गों की सुरक्षा, साफ-सफाई, यातायात व भीड़ नियंत्रण के व्यापक प्रबंध सुनिश्चित करने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा ताज़ियादारों से संवाद स्थापित कर सभी आयोजकों से अपील की कि पर्व को पारंपरिक, शांतिपूर्ण एवं अनुशासित ढंग से मनाएं।

निरीक्षण के दौरान महोदय द्वारा बताय गया कि समस्त जुलूस मार्गों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों की निगरानी हेतु सीसीटीवी कैमरे एवं ड्रोन कैमरों की तैनाती करने तथा सम्पूर्ण ताजिया जुलूस की वीडियोग्राफी कराई जाएगी, जिससे किसी भी अप्रिय घटना की वस्तुस्थिति की निगरानी की जायेगी। जुलूस मार्गों पर आवश्यक स्थानों पर अस्थायी बैरिकेडिंग लगाई जाएगी। संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल, पीएसी, होमगार्ड्स की पर्याप्त तैनाती की गयी है। ताजिया दफन रूट में पड़ने वाले मंदिरों एवं अन्य धार्मिक स्थलों की विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

इन स्थानों पर पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती के साथ-साथ स्थानीय प्रबुद्धजनों से समन्वय भी किया गया है। जुलूस में प्रयुक्त साउंड सिस्टम के लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य होगी, ध्वनि की सीमा निर्धारित मानकों के अंतर्गत रखनी होगी। डीजे की ऊंचाई तय मानक से अधिक नहीं होगी तथा अनुमति के बिना उपयोग वर्जित रहेगा, संवेदनशील स्थानों पर लगातार क्यूआरटी भ्रमणशील रहेगी तथा स्थानीय अभिसूचना इकाई व अन्य सूचना तन्त्रो द्वारा लगातार नजर रखी जा रही है। सादे वस्त्रों में भी पुलिसकर्मी एवं महिला पुलिस की संयुक्त टीमों को लगाया गया है।

स्थानांतरण के बावजूद रामकोला सीएचसी पर कुण्डली जमाए बैठे है डॉ आनन्द

- तीन वर्ष पूर्व डिप्टी सीएमओ का ले चुके है पदोन्नति
- सीएमओ के आदेश पर भारी डॉ. आनन्द का रसूख

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। डिप्टी सीएमओ के पद पर पदोन्नति के बावजूद डॉ आनन्द प्रकाश गुप्ता का रामकोला सीएचसी से मोह भंग नही हो रहा है। इन्हे सीएचसी से इतना लगाव है कि एक-दो बार नही बल्कि चार बार स्थानांतरण के बाद भी वह रामकोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर अंगद की पांव की तरह जमे हुए है। इसके पीछे वजह यह है कि डॉ. आनन्द प्रकाश गुप्ता सीएचसी के ओपीडी में बैठकर बाहर की महंगी दवा लिखकर न सिर्फ मरीजों का शोषण कर रहे है बल्कि बाहर के मेडिकल स्टोर से मोटी कमीशन वसूलकर अपना तिजोरी भरने में जुटे है।

जिले का रामकोला सीएचसी केन्द्र दलालों के गिरफ्त में है यहां वर्षो से कुण्डली जमाए बैठे चिकित्सक अपने चहेते दलाल पाल रखे है। डिप्टी सीएमओ का वेतन ले रहे डॉ. आनन्द प्रकाश गुप्ता भी इस लिस्ट मे शामिल है। सूत्रो का दावा है कि पूरे सीएचसी पर सबसे ज्यादा संख्या मे इनके लोग ही है। इन दलालों की संख्या लगभग आधा दर्जन बताई जा रही है जो सीएचसी पर न सिर्फ बाहर की महंगी दवा और जांच लिखवाते है बल्कि डॉ. आनन्द के संरक्षण में मरीजों को सुई लगाने से लेकर बीपी नापने व बोतल चढ़ाने का कार्य बिना डिग्री का करते है। सूत्रो की माने तो डॉ. आनन्द के छत्र-छाया में पल रहे दलालों में दो ऐसे चहेते है जो अक्सर डाक्टर साहब के सरकारी आवास पर बेठे रहते है और जब किसी मरीज या उनके परिजनों से बाहर की दवा व जांच लिखने पर कोई विवाद होता है तो यह सभी सीएचसी पर पहुंचकर मारपीट करने पर उतारू हो जाते है। यह दलाल इस केन्द्र पर तब जमे है जब से वहा डॉ. आनन्द तैनात है। यही कारण है कि सीएचसी पर इन दलालों का भी बोलबाला है। सूत्रो का कहना है कि डॉ आनन्द की रसूख चर्चा जगजाहिर है यह इतने रसूख वाले है कि सीएमओ के आदेश को ठेंगा दिखाना इनके लिए चुटकी बजाने जैसा है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अनुपम भास्कर का कहना है कि इस प्रकरण की उन्हे कोई जानकारी नही है, मामला संज्ञान मे आया है जांच कर कार्रवाई की जायेगी।

पुलिस ने गुमशुदा बालक को एक दिन में बस्ती जिले से किया बरामद

अवधनामा संवाददाता

- परिवार के लोग पुलिस की कर रहे प्रसंशा

लोटन सिद्धार्थनगर। कोतवाली क्षेत्र के लोहरौली निवासी गुड्डु लोधी ने अपने पन्द्रह वर्षीय लड़के के गुमशुदा होने की तहरीर 4जुलाई को थाना लोटन मे दर्ज कराई थी उन्होंने अपने प्रार्थना पत्र मे कहा था कि मेरा 15वर्षीय लड़का घर से बिना बताए कही चला गया हम अपने अगल बगल व रिस्तेदारो के यहा खोजा लेकिन पता नही चल रहा।

पुलिस द्वारा मेहनत व आधुनिक तकनीकों जैसे मोबाइल ट्रैकिंग और खुफिया तंत्र का उपयोग, और स्थानीय स्तर पर गहन तलाशी अभियान चलाकर नाबालिग को रिकॉर्ड समय में बरामद कर लिया। स्वास्थ्य की जाँच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), लोटन मे मेडिकल परीक्षण कराया गया है। साथ ही, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करते हुए, नाबालिग को उनके पिता गुड्डु लोधी के साथ बाल कल्याण समिति सिद्धार्थनगर के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू की गई ताकि उनकी दीर्घकालिक देखरेख और पुनर्वास सुनिश्चित हो सके।

पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा की सिद्धार्थनगर पुलिस का एकमात्र लक्ष्य जनता की सुरक्षा और बच्चों का कल्याण है। इस मामले में हमारी टीम ने काफी मेहनत से काम किया है और जल्द सफलता मिली है।

अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद ने कहा यह सफलता हमारी तकनीकी प्रगति और सामुदायिक सहयोग कि देन है। सी ओ सदर मयंक द्विवेदी और थना प्रभारी दिनेश कुमार सरोज ने इस अभियान को मील का पत्थर बताते हुए विवेचक वीरेंद्र कुमार पासवान, कॉन्स्टेबल राजेश यादव,और कॉन्स्टेबल सौरभ सिंह की मेहनत और साहस की प्रशंसा की।

पुलिस ने ट्रक से 1.92 लाख के अवैध पटाखे किए बरामद, एक गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

- ाथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया

उरई (जालौन)। कोतवाली पुलिस ने देर रात एक बड़ी कार्रवाई करते हुए विस्फोटक अधिनियम के तहत भारी मात्रा में अवैध पटाखों से भरा ट्रक पकड़ा है। कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने मौके से कुल 1,92,000 माचिस पटाखों के छोटे पैकेट बरामद किए हैं, जिन्हें बिना किसी लाइसेंस व कागजात के ट्रक से परिवहन किया जा रहा था।

पुलिस के अनुसार रात करीब 10 बजे उपनिरीक्षक राजकुमार, उपनिरीक्षक बृजेश कुमार, मुख्य आरक्षी सर्वेश मौर्य व कांस्टेबल ब्रजभान क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग, अपराध नियंत्रण एवं मोहर्रम के मद्देनजर गश्त पर थे। इसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि एक लाल रंग का ट्रक चुर्खी बाईपास रोड पर खड़ा है, जिसमें अवैध पटाखे लदे हुए हैं। सूचना पर विश्वास कर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

पुलिस जैसे ही ग्रीन गार्डन गेस्ट हाउस के पास पहुंची, ट्रक में बैठे दो व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक आरोपी को मौके पर दबोच लिया, जबकि दूसरा व्यक्ति पास के जंगल में भाग निकला। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान संतोष पुत्र कन्हैयालाल निवासी शुक्लागंज, गंगाघाट, जिला उन्नाव के रूप में हुई। उसकी तलाशी में एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन व ?730 नकद बरामद हुए।

ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें काली पन्नी से ढके 400 प्लास्टिक के बंडल मिले, जिनमें 48-48 बड़े पैकेट रखे थे। प्रत्येक बड़े पैकेट में 10 छोटे पैकेट माचिस पटाखों के थे। इस प्रकार कुल 1,92,000 माचिस पटाखों के पैकेट बरामद हुए। पूछताछ में संतोष ने बताया कि यह माल हीरालाल निवासी औता थाना चुर्खी ने ट्रक में लदवाया था और वही फरार हो गया।

सीएम के दौरे को लेकर कमिश्नर व डीआईजी ने किया स्थलीय निरीक्षण

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय का ड्रीम प्रोजेक्ट सतोह में नून नदी के पुनर्जीवन की ख्याति शासन तक जा पहुंची है। इस नदी के पुनर्जीवन के लिए जिस तरह से भागीरथ प्रयास किए जा रहे हैं उसे देखते हुए सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ 9 जुलाई को तहसील क्षेत्र के सतोह गांव का दौरा कर सकते हैं।

इस तरह की अटकलों के बीच झांसी मंडल के कमिश्नर विमल कुमार दुबे एवं डीआईजी झांसी केशव कुमार चौधरी ने अधीनस्थों के साथ सतोह पहुंच कर स्थिति का स्थलीय अवलोकन किया। इस दौरान डीएम राजेश कुमार पाण्डेय एसडीएम ज्योति सिंह सहित जिले केअधिकारी भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि तहसील क्षेत्र का ग्राम सतोह आजकल नून नदी को लेकर सुर्खियों में है। विलुप्त नून नदी को पुनर्जीवित करने के लिए जिलाधिकारी जालौन राजेश पाण्डेय ने शानदार पहल करते हुए श्रमदान के माध्यम से जो मुहिम शुरू की है वह फलीभूत होती दिखाई दे रही है।

ऐ मरकजे तमन्ना लैला की जान अकबर

अवधनामा संवाददाता

- अलम, ताबूत के जुलूस मे सारी रात अकीदतमंदो ने किया नौहां-मातम

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के कस्बा हल्लौर स्थित इमामबाड़ा हुसैनिया बाबुल से मोहर्रम की आठवीं पर शुक्रवार की रात हजरत अली अकबर और अली असगर के ताबूत की शबीह का मातमी जुलूस इमामबाड़ा के मुतवल्ली अकबर मेहदी रिज़्वी और जुलूस इंचार्ज काजिम मेहदी करबलाई की देख रेख में निकाला गया। जुलूस पूरे कस्बे में नौहा मातम के बीच गश्त करता हुआ शनिवार की सुबह वापस इमामबाड़ा हुसैनिया बाबुल में पहुंचकर समाप्त हो गया।

इस दौरान जगह जगह मर्सिया मजलिस आयोजित की गई। लोगो ने अकीदतमंदों में ठंडे पानी की बोतल, कोल्ड ड्रिंक्स, खाद सामग्री के पैकेट वितरित किए। कार्यक्रम के अंत में मर्सिया मजलिस आयोजित हुई। जिसको हैदरे कर्रार और उनके सहयोगी ने पढ़ा। मजलिस को काजिम मेंहदी करबलाई ने संबोधित करते हुए हजरत इमाम हुसैन के कड़ियल जवान बेटे अली अकबर और मासूम अली असगर की शहादत को बयां किया। जिसको सुनकर मजलिस में मौजूद अकीदतमंद रो पड़े। जुलूस के दौरान अम्मार हल्लौरी, लाडले, शबबन, तनवीर संजू, आदि ने नौहख्वानी की। इस दौरान हाशिम रिजवी, इरफान कदर, शानू, फरहान, मेराज, कामरान आदि लोग भारी संख्या मे उपस्थित रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बढ़नी ब्लॉक में व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर आयोजित

- एक स्वास्थ्य क्रांति की शुरुआत और सकारात्मक बदलाव की उम्मीद

अवधनामा संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थनगर। बढ़नी ब्लॉक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस के तहत एक अभूतपूर्व और व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जो तिरक्षहवा, प्रतापपुर, धनौरा काशी प्रसाद और रोमनदेई जैसे दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष सत्रों के रूप में आयोजित हुआ।

इस पहल का नेतृत्व प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अविनाश चौधरी ने किया, जिन्होंने प्रत्येक सत्र का गहन भ्रमण कर न केवल गर्भवती महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की, बल्कि बच्चों के टीकाकरण कार्यक्रम को मज़बूती प्रदान की और कुपोषित बच्चों (सैम-मैम) के प्रबंधन की विस्तृत समीक्षा भी की। उनकी निगरानी में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और प्रभावशीलता पर विशेष ध्यान दिया गया।

शिविर में डॉ. ओ.पी. यादव, बीएमसी-यूनिसेफ के नीलमणि श्रीवास्तव और आईओ राजकुमार सहित एक समर्पित टीम ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। शिविर स्थल पर दवाइयों, टीकों, पोषण किट, विटामिन सप्लीमेंट्स और अन्य चिकित्सा आपूर्ति का प्रबंध किया गया था, जबकि दीवारों पर स्वच्छता, पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता के रंगीन चार्ट लगाए गए, जो ग्रामीणों को शिक्षा प्रदान करने में सहायक सिद्ध हुए। इन चार्ट्स में पशु-पक्षियों की तस्वीरों के साथ-साथ ग्रामीण जीवन से जुड़े स्वास्थ्य संदेश शामिल थे, जो स्थानीय लोगों के लिए प्रासंगिक और आकर्षक थे।

इस शिविर ने ग्रामीण समुदाय, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता और पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच के दौरान उनकी सेहत पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें रक्तचाप, वजन और पोषण स्तर की जांच शामिल थी।

टांडा में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

- डीएम ने जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के दिए निर्देश

दानिश मेहदी

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में तहसील टांडा सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक केशव कुमार द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई की गयी।

जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रकरणों/शिकायतों को अधिकारीगण सम्बंधित कर्मचारियों के साथ मौके पर जा कर शिकायतकर्ता का पक्ष सुनते हुए उसका निस्तारण करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि फरियादियों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण और शिकायतकर्ता की संतुष्टि के प्रति अधिकारीगण पूरी संवेदनशीलता के साथ आवश्यकतानुसार मौके का स्थलीय निरीक्षण करते हुए निर्धारित समय सीमा में निस्तारित करना सुनिश्चित करें, इसमें किसी भी प्रकार से लापरवाही न किया जाये। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजन में भूमि विवाद/अतिक्रमण की शिकायतों पर राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया कि राजस्व निरीक्षक, लेखपाल तथा पुलिस कर्मियों को मौके पर भेजकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए नियमानुसार निस्तारण किया जाए।संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कि प्राप्त प्रकरणों की गंभीरता से जांच की जाय, साथ ही जबाबदेह लोगों के विरूद्ध भी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे जनता की शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ त्वरित निस्तारण करें।

उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का निस्तारण प्रत्येक दशा में निष्पक्षता, समयबद्धता, पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित करें, प्रत्येक प्रकरण की जांच के समय शिकायतकर्ता का पक्ष अवश्य सुना जाए तथा सभी तथ्यों की भलीभांति जांच कर प्रकरण का निस्तारण नियमानुसार सुनिश्चित किया जाए। कानून व्यवस्था से संबंधित मामलों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक केशव कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों/ थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि जमीन सम्बंधित प्रकरण को गम्भीरता से पुलिस एवं राजस्व विभाग की टीम बनाकर दोनो पक्षों का बयान लेते हुए नियमानुसार निस्तारित किया जाए।प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर कार्यवाही की जाय। यह सुनिश्चित किया जाय कि प्रत्येक दशा में पीड़ित को न्याय मिले।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों/ थानाध्यक्षों को प्रत्येक प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरणों को समय सीमा के अन्दर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये।जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील टांडा में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न संदर्भो से संबंधित कुल 66 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से 05 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करते हुए शेष प्रकरणों को जिलाधिकारी द्वारा सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को सौंपते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये गये।

अलंकृत उद्यान पार्क में आम महोत्सव का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। प्रथम आम महोत्सव का शनिवार को विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, सदस्य विधान परिषद, ध्रुव कुमार त्रिपाठी, जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा अलंकृत उद्यान पार्क में फीता काटकर उद्घाटन किया गया।

प्रथम महोत्सव के अवसर पर जनप्रतिनिधिगण द्वारा विभिन्न स्टाल/प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। विभिन्न प्रजाति के आम के फल, पौधे, आम से बने सामग्री, आदि का स्टाल एवं इसके साथ ही विभिन्न बैंकों द्वारा लगाये गये स्टाल को देखकर जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रशंसा की गयी। प्रथम आम महोत्सव का अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा जनप्रतिनिधिगण को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

विधायक बांसी जय प्रताप सिंह ने कहा कि जनपद में प्रथम बार आम महोत्सव का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा किया गया है। इस आम महोत्सव से जनमानस में जागरूकता बढ़ेगी। इसके साथ ही आम की विक्री होने से किसानों की आमदनी बढ़ेगी। कहा कि वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। हम लोग माँ के नाम एक पेड़ अवश्य लगाये। जिन किसान भाईयों के पास भूमि अधिक है आम का पेड़ लगाये। इसके साथ ही विभिन्न प्रकार के वृक्ष पीपल, सहजन, पाकड़, बरगद, नीम आदि के पेड़ लगाये। इससे हमारा वातावरण शुद्ध रहेगा।

विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने प्रथम आम महोत्सव के अवसर पर जिला प्रशासन को बधाई दिया। जिलाधिकारी की आम मोत्सव के आयोजन एक सराहनीय पहल है। कल मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रदेश स्तर पर आम महोत्सव का उद्घाटन किया गया। आज सिद्धार्थनगर में आम महोत्सव का शुभारम्भ हो रहा है। जो 2 दिन तक चलेगा। जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने कहा कि इस आम महोत्सव से जनपद में आम की बागवानी बढ़ेगी। मेरा प्रयास होगा कि आम महोत्सव प्रतिवर्ष मनाया जाए। जिससे यहां के किसानो की आय दोगुनी हो। आज 2 प्रतियोगिता का भी आयोजन होना है। जिसमें सबसे अधिक आम खाने की प्रतियोगिता तथा दूसरा महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ आम उत्पादन, आम से बनी सामग्री होगा उसे पुरस्कार दिया जायेगा।

इस अवसर पर उपरोक्त सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव, पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीसी मनरेगा सन्दीप सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला उद्यालन अधिकारी नन्हे लाल वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक अरूण कुमार, उपकृषि निदेशक राजेश कुमार, व अन्य सम्बनित अधिकारी, कर्मचारी, स्कूली बच्चे, किसान/ व्यापारी आदि उपस्थित रहे।

क़ुरआन और इमामे मज़लूम (अ.) का मरसिया

मुहर्रम का चाँद निकलते ही फसले अज़ाए हुसैन की शुरुआत हो जाती है, यह सिलसिला सन् 61 हिजरी में ही इमामे हुसैन (अ०) की शहादत के बाद से ही शुरु हो गया था जब यज़ीद के दरबार में जनाबे इमामे हुसैन (अ०) की बहन जनाबे ज़ैनब ने पहली सफ़े अज़ा बिछाकर अपने भाई की शहादत पर गिरया व नौहा ख़ुवानी की थी। तब से यह सिलसिला यूँ ही चला आ रहा है वैसे तो शहादते इमामे हुसैन (अ०) के बहुत पहले ही शहादते इमामे हुसैन (अ०) का ज़िक्र न सिर्फ़ रुक़ुआन में आया है बल्कि स्वयं रसूल (स०) ने इमामे हुसैन (अ०) की सफ़े अज़ा बरपा की थी जो उस दिन से एक तारीख़ी सुन्नत है। हम यहाँ पर रुक़ुआन की कुछ आयतें पेश करते हैं जिसमें इमामे मज़लूम का मरसिया मिलता है।

पहली आयत में इमाम हुसैन (अ०) की पैदाइश के बारे में है, इरशाद होता है:-''वव्वस्सैनल इन्साना बिवालिदैहही इहसाना, हमलतहु उम्मुहू कुरहन ववज़अतहु कुरहा''(सूर-ए-अहक़ाफ़, आयत 5) और हम ने इन्सान को अपने माँ-बाप के साथ भलाई करने का हुक्म दिया क्योंकि उसकी माँ ने रंज की हालत में उसको पेट में रखा और रंज से ही उसे जना। बिहारुल अनवार में पक्की सनद के साथ रिवायत हुई है कि जब हुसैन (अ०) सा पाक नूर फ़ातिमा (अ०) के पेट में आया, जिबरील नाज़िल हुए और यह कहा कि ऐ मुहम्मद (स०)! अल्लाह आपको ख़ुशख़बरी देता है उस पैदा होने वाले की जो फ़ातिमा (अ०) के पेट में है और आपकी उम्मत उसे क़त्ल करेगी। पैग़म्बर (स०) ने जवाब दिया मुझे उस बेटे की ज़रूरत नहीं जिसको मेरी उम्मत क़त्ल करेगी। जिबरील आसमान पर गए और फिर पलट कर आए और वही बात दुहराई और वही जवाब सुना, तीसरी बार जिबरील ने कहा अल्लाह आपको ख़ुशख़बरी देता है इस बात की कि वसियत और इमामत उस पैदा होने वाले की औलाद में होगी, अब पैग़म्बर राज़ी हो गए। दूसरी आयत हज़रत (स०) के मदीने से रुख़सत होने के बारे में है इरशाद होता है:-''उज़िना लिल्लज़ीना युक़ातिलूना बिअन्नहुम ज़ुलिमू व इन्नल्लाहा अला नसरिहिम लक़दीर'' (सूर-ए-हज आयत 39) ''जिन मुसलमानों से काफ़िर लड़ते थे क्योंकि वह बहुत सताए गए इस वजह से उन्हें भी जिहाद की इजाज़त दी गई और ख़ुदा उन लोगों की मदद पर यक़ीनन ताक़त रखने वाला है।'' इमाम सादिक़ (अ०) से एक रिवायत लिखी गई है कि यह आयत अली, जाफ़र व हमज़ा (अ०) के लिए नाज़िल हुई और सच हो गई हुसैन इब्ने अली के लिए। क्योंकि इमाम मज़लूम को मदीने में रहने नहीं दिया गया बल्कि कहीं रहने नहीं दिया गया। उनके लिए कहीं भी अमन नहीं था यहाँ तक कि इमाम ने फरमाया अगर मैं जानवर के सूराख़ में छुप जाऊँ तो भी वह मुझे निकाल कर क़त्ल कर देंगे।

तीसरी आयत, हुसैन (अ०) ही नफ़्से मुतमइन्ह हैं। इरशाद होता है:- ''या अय्यतुहन नफ़्सुल मुतमइन्नह...........'' (सूर-ए-फ़ज़्र आयत 28)

''ऐ नफ़्से मुतमइन्ह पलट आ अपने रब की तरफ़!'' और यक़ीनन इमामे मज़लूम साहब नफ़्से मुतमइन्ह थे, जो अल्लाह को पहचान लेता है और उसकी ताक़त और बड़ाई को समझ लेता है वह अल्लाह को दोस्त रखता है, और जो अल्लाह को दोस्त रखता है उस से राज़ी रहता है और उसकी तरफ़ से जो मुसीबतें उस पर पड़ती हैं उस से राज़ी रहता है, बल्कि सख़्त से सख़्त मुसीबतों और परेशानियों के वक़्त उसका सुकून और बढ़ जाता है और इस बात का मिस्दाक़ हुसैन (अ०) की पाक ज़ात है। चौथी आयत में ज़ुल्म से मुराद हुसैन (अ०) की शहादत है। इरशाद होता है:- ''वमन क़ुतिला मज़लूमन फ़क़द जअल्ना लिवलिय्यिही सुल्ताना फला युसरिफ फ़िल क़त्लि'' जो मज़लूम क़त्ल होता है हम उसके वली को बदले का इख़्तियार दे देते हैं लेकिन उसे भी चाहिए कि क़त्ल में हद से आगे न बढ़ जाए। हम कहते हैं कि मज़लूम क़त्ल होने के कई मानी हैं जो सब इमाम मज़लूम पर सही आते हैं। एक मानी मज़लूम के यह हैं कि उन पर हमला किया गया, उनके साथियों और मददगारों को शहीद किया गया, उनका पाक जिस्म ज़ख़्मों से भर गया, कोई हिस्सा न बचा जो ज़ख़्मी न हुआ हो, यहाँ तक कि गुलु-ए-मुबारक पर भी ज़ख़्म लगा। इसीलिए दुआ में आया है:- ''उनसिदुका दमल मज़लूम'' तुमको क़सम है ख़ूने मज़लूम की। दूसरे मानी मज़लूम होने के क़त्ल की हालत में है। मुस्तहब है कि क़ुर्बानी के वक़्त चाक़ू तेज़ हो, जानवर को दूसरे जानवर के सामने ज़िब्ह न करें और उसके हाथ पैर न बाँधें, ज़िब्ह से पहले पानी पिलाएँ। लेकिन हुसैन (अ०) के क़त्ल के वक़्त इन कामों में से कोई काम नहीं किया गया बल्कि इमाम मज़लूम को प्यासा ज़िब्ह किया गया। तीसरे मानी मज़लूम के क़त्ल के बाद की मज़लूमियत है, लिबास उतारना, बदन के हिस्सों को काटना, और लाश को बिना कफ़न-दफ़न के छोड़ना यह भी हुसैन (अ०) से जुड़ा हुआ है।

पाँचवीं आयत हुसैन के क़ातिलों से बदला। इरशाद होता है:- ''वइज़ल मौऊदतु सुइलत। बिअय्यि ज़म्बिन क़ुतिलत।''(सूर-ए-तकवीर, आयत 8, 9) इमामे सादिक़ (अ०) से रिवायत है कि यह आयत इमाम हुसैन (अ०) की शान में नाज़िल हुई। आयत के ज़ाहिरी मानी है जब ज़िन्दा दफ़न की जाने वाली लड़कियाँ क़यामत के दिन सवाल करेंगी कि किस जुर्म में उन्हें क़त्ल किया गया है। लेकिन मौऊदा के हक़ीक़ी मानी हुसैन (अ०) अपने घर वालों के साथ हैं। क्योंकि मौऊदा का मतलब है ज़मीन के अन्दर बन्द करना, और साँस रुकना, भूख व प्यास के साथ और इमाम हुसैन (अ०) और उनके घर वाले आशूर की सुब्ह से अस्र तक इसी हालत से जुड़े थे और उन्हीं से अल्लाह तआला सवाल करेगा किस गुनाह के बदले उन्हें क़त्ल किया गया। छठी आयत ज़ब्हे अज़ीम से मुराद हुसैन (अ०) है:- ''वफ़दैनाहु बिज़िब्हिन अज़ीम'' (सूर-ए-साफ़्फ़ात, आयत 107) ''और हम ने इस्माईल का फ़िदया एक बड़ी क़ुर्बानी को बना दिया।'' इस आयत में करबला के क़िस्से और इमामे मज़लूम की बड़ी अज़ीम शहादत का ज़िक्र है।

-जनाब मोहम्मद सादिक़ साहिब
अनुवादक - जर्रार रिज़ा नक़वी

जिनका झूला फ़रिश्ते झुलाते रहे।
लोरियाँ दे के नूरी सुलाते रहे।
जिन पे सफ़्फ़ाक ख़न्जर चलाते रहे।
जिनको कांधों पे आक़ा बिठाते रहे।
उस हुसैन इब्ने-हैदर पे लाखों सलाम।।
जिनको धोखे से कूफ़े बुलाया गया।
जिनको बैठे बिठाये सताया गया।
जिनके बच्चों को प्यासा रुलाया गया।
जिनके गर्दन पे ख़न्जर चलाया गया।
उस हुसैन इब्ने-हैदर पे लाखों सलाम।।
जिसके दोश-ए-नबी पर बिठाया गया।
जिसका जन्नत से जोड़ा मंगाया गया।
जिसके बेटे को क़ैदी बनाया गया।
जिसके तीरों से छलनी कराया गया।
उस हुसैन इब्ने-हैदर पे लाखों सलाम।।
जिसने हक़ कर्बला में अदा कर दिया।
अपने नाना का वा'दा वफ़ा कर दिया।
घर का घर सिपुर्द-ए-ख़ुदा कर दिया।
जिसने उम्मत के ख़ातिर फ़िदा कर दिया।
उस हुसैन इब्ने-हैदर पे लाखों सलाम।।
कर चुका वो अदीब' अपने हुज्जत तमाम।
ले के अल्लाह और अपने नाना का नाम।
कूफ़ियों को सुनाया ख़ुदा का कलाम।
और फ़िदा हो गया जान-ए-ख़ैरुल अनाम।
उस हुसैन इब्ने-हैदर पे लाखों सलाम।।
मेरे हुसैन तुझे सलाम, मेरे हुसैन तुझे सलाम।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तक़दीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, न्यू, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की होगी। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन
स्थानीय संपादक
मोहम्मद आलम रिज़वी
RNI No UPHIN/2010/31173
टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716
avadhnamahindi@gmail.com,

इमाम हुसैन की शहादत : कर्बला में सत्य की विजय

सीए. एस. आई. मेहदी 'नेहाल'

इस्लाम धर्म की स्थापना सातवीं शताब्दी में हज़रत पैगंबर मुहम्मद साहब (?) ने की थी। 'इस्लाम' शब्द का शाब्दिक अर्थ है – ईश्वर की इच्छा के प्रति पूर्ण समर्पण। यही कारण है कि इस धर्म के अनुयायी एकेश्वरवाद में विश्वास रखते हैं, और उन्हें मुस्लिम कहा जाता है। इस्लाम धर्म मानवता, भाईचारे और समानता का संदेश देता है।

मुहर्रम इस्लामी वर्ष का पहला महीना है, जिसे शोक के महीने के रूप में भी जाना जाता है। इसी महीने की दसवीं तारीख (10 मुहर्रम) को हज़रत इमाम हुसैन(अ.स.) – जो पैगंबर मुहम्मद साहब(?) के नवासे थे – ने कर्बला के मैदान में अपने साथियों सहित अद्वितीय बलिदान दिया था। इतिहास इस बात का साक्षी है कि अब तक जितने भी युद्ध हुए हैं, उनमें इंसानियत की रक्षा की जो मिसाल कर्बला ने पेश की, वैसी मिसाल दुनिया में दूसरी कहीं नहीं मिलती।

आज से लगभग 1400 वर्ष पूर्व, कर्बला के मैदान में एक ऐतिहासिक युद्ध इमाम हुसैन और यज़ीद के बीच लड़ा गया था। यह युद्ध सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सत्य, न्याय और मानवता की रक्षा के लिए लड़ा गया था। यज़ीद एक ऐसा शासक था जो शासन के कर्तव्यों को छोड़कर विलासिता, अत्याचार और अनैतिकता में लिप्त था। उसने इस्लाम की सादगी और मूल सिद्धांतों को भुला दिया था, और उन बुराइयों को फैलाना चाहता था जिनका इस्लाम में कोई स्थान नहीं है।

यज़ीद चाहता था कि इमाम हुसैन उसकी बैअत (आज्ञाकारिता) स्वीकार कर लें, जिसका अर्थ यह होता कि इमाम उसके हर कार्य को अपनी स्वीकृति दे रहे हैं – चाहे वह धर्मविरुद्ध, अन्यायी या अनैतिक ही क्यों न हो। लेकिन इमाम हुसैन ने अत्याचार के सामने झुकने से साफ़ इनकार कर दिया। उनका दृढ़ मत था कि यदि एक ज़ालिम शासक के अन्याय, पाप और अत्याचार को चुपचाप सह लिया जाए, तो इससे न केवल इस्लाम की मूल भावना को आघात पहुँचेगा, बल्कि संपूर्ण मानवता की नींव भी डगमगा जाएगी।

अगर इमाम हुसैन (अ.स.) बैअत नहीं करते, तो यज़ीद की हुकूमत की वैधता पर प्रश्नचिह्न लग जाता। इसी डर के चलते, तख़्त-ए-खिलाफ़त पर बैठते ही यज़ीद ने सबसे पहला आदेश यही दिया कि वलीद, इमाम हुसैन (अ.स.) से बैअत लें। इतिहास इस बात का गवाह है कि यज़ीद के बैअत लेने का मुख्य उद्देश्य यह था कि इमाम हुसैन (अ.स.) उसके हर कार्य को अपनी स्वीकृति दें क्योंकि इमाम स्वयं इस्लामी और इंसानी मूल्यों का सख़्ती से पालन करते थे और दूसरों को भी सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते थे और यज़ीद को खलीफ़ा मानने से स्पष्ट रूप से इनकार करते थे, क्योंकि यज़ीद खुलेआम इस्लामी सिद्धांतों और इंसानियत के उसूलों के विरुद्ध आचरण कर रहा था। शाम राज्य का शासक अमीर मुआविया जब इस दुनिया से रुख़सत हुआ, तो उसके पुत्र यज़ीद ने सत्ता की गद्दी संभाली। लेकिन यज़ीद के दुराचरण और अनैतिक आचरण के कारण पूरे मुस्लिम समाज में असंतोष और हलचल फैल गई। यज़ीद ऐसा शासक था जो नाच-गाने में लिप्त रहता, मदिरा का सेवन करता, भोग-विलास में डूबा रहता और अपनी प्रजा पर अत्याचार व जुल्म ढाता था। उसकी जीवनशैली इस्लाम के सिद्धांतों और नैतिक मूल्यों के सर्वथा विपरीत थी।

> महात्मा गांधी पर इमाम हुसैन (अ.स.) के जीवन का गहरा प्रभाव पड़ा था, विशेष रूप से उनके सत्याग्रह और अहिंसा के सिद्धांतों पर। गांधी जी कहा करते थे मैं इमाम हुसैन से प्रेरणा लेता हूँ। उनके जीवन ने मुझे सिखाया कि अत्याचार के विरुद्ध कैसे डटकर खड़ा होना चाहिए। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस्लाम ने दुनिया को जो सबसे बड़ी शक्ति दी है, वह है इमाम हुसैन की कुर्बानी। गांधी जी, इमाम हुसैन को एक ऐसे आदर्श पुरुष के रूप में देखते थे, जिन्होंने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने और सत्य पर अडिग रहने की अद्वितीय मिसाल पेश की। एक बार उन्होंने यहां तक कहा यदि मेरे पास हुसैन जैसे 72 साथी होते, तो मैं 24 घंटे में भारत को स्वतंत्र करा लेता। इस प्रकार, कर्बला के मैदान में सत्य और न्याय की विजय का उदाहरण स्थापित करते हुए, इमाम हुसैन (अ.स.) ने हमें यह अमूल्य शिक्षा दी कि किसी भी परिस्थिति में अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध डटकर खड़ा होना चाहिए।उनकी अमर शहादत की स्मृति में, हर वर्ष मुसलमान नौहा, ज़ंजीर मातम, आग पर मातम और मजलिसों का आयोजन करते हैं, ताकि इंसान अपने चरित्र (अख़लाक़) को निखारे और ज़ुल्म व ज़ालिम का साहसपूर्वक सामना करने की प्रेरणा प्राप्त करे।

यज़ीद के अत्याचारों से त्रस्त होकर कूफ़ा नगर के नागरिकों ने इमाम हुसैन (अ.स.) को एक विनती-पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने आग्रह किया– पूरा कूफ़ा आपके साथ है, कृपया पधारें और हमें यज़ीद की नापाक हुकूमत से मुक्ति दिलाएं। जब ऐसे पत्र निरंतर आने लगे, तो इमाम हुसैन (अ.स.) ने स्थिति की सच्चाई जानने के लिए जनाबे मुस्लिम बिन अकील को कूफ़ा भेजा। कूफ़ा पहुँचने पर लगभग 18,000 लोगों ने जनाब मुस्लिम को इमाम हुसैन (अ.स.) के पक्ष में अपना समर्थन दिया। जनाब मुस्लिम ने इमाम हुसैन (अ.स.) को पत्र लिखकर बताया कि कूफ़ा की जनता यज़ीद के अत्याचारों से व्यथित और परेशान है, अतः आप वहां आकर उनकी मार्गदर्शना करें। जब यज़ीद को इस बात की जानकारी हुई, तो उसने ज़ियाद को कूफ़ा भेजा और आदेश दिया कि जनाब मुस्लिम की हत्या तुरंत कर दी जाए। यज़ीद के इस आदेश के अनुसार जनाब मुस्लिम को गिरफ्तार कर क्रूरता से शहीद कर दिया गया।

कूफ़ा में ऐसा कयामत का नज़ारा था, और उसी समय इमाम हुसैन (अ.स.) अपने काफिले के साथ कूफ़ा की ओर प्रस्थान कर चुके थे। जब यज़ीद को जासूसों के माध्यम से इस बात की जानकारी मिली, तो उसने हुर के नेतृत्व में एक सैनिक दस्ते को इमाम हुसैन के मार्ग को अवरुद्ध करने के लिए भेजा। यज़ीदी फौज , जिसका नेतृत्व हुर कर रहा था ,ने मुहर्रम की दूसरी तारीख को इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों वाले काफिले को कर्बला के मैदान में रोक दिया।

मुहर्रम की सातवीं तारीख से इमाम हुसैन (अ.स.) और उनके काफिले पर नहर-ए-फ़ुरात से पानी लाने पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई। पानी समाप्त हो जाने के बाद छोटे-छोटे बच्चे, जिनमें छह माह के अली असगर (अ.स.) भी शामिल थे, प्यास से तड़पने लगे। हुर, जिसने इमाम का रास्ता रोका था, यज़ीदी अत्याचारों और अपनी भूल का एहसास होते ही अपने बच्चों के साथ इमाम के खैसे की ओर आया, इमाम के पैरों में गिरकर क्षमा याचना की। इमाम ने न केवल उसे माफ़ किया, बल्कि हुर को यज़ीदी फौज के खिलाफ लड़ने की अनुमति भी दी।

मुहर्रम की दसवीं तारीख को सूर्योदय के तुरंत बाद यज़ीदी सेना ने भूखे-प्यासे इमाम हुसैन (अ.स.) के काफिले पर भीषण हमला कर दिया। इमाम के दल में मात्र 72 लोग थे – जिनमें छह माह के शिशु से लेकर अस्सी वर्ष के वृद्ध तक सम्मिलित थे – जबकि यज़ीद की सेना में 8,000 से लेकर 40,000 तक के प्रशिक्षित और क्रूर सैनिक शामिल थे। यज़ीदी सेना ने अपनी पूरी शक्ति के साथ आक्रमण किया, लेकिन इमाम हुसैन (अ.स.) के वफ़ादार साथियों ने अद्वितीय वीरता और साहस का परिचय देते हुए एक-एक कर दुश्मन के अनेक सैनिकों को परास्त किया। भूखे-प्यासे होने के बावजूद वे सत्य, न्याय और इंसानियत की रक्षा के लिए डटकर लड़ते रहे और अंततः शहीद हो गए।

जब इमाम हुसैन (अ.स.) के सभी प्रियजन – उनके मित्र, बेटे, भतीजे और वफ़ादार साथी – एक-एक कर शहीद हो गए, तब अंततः इमाम स्वयं रणभूमि में उतरे। उन्होंने अपार साहस के साथ युद्ध करते हुए अनेक यज़ीदी सैनिकों को जहन्नुम पहुंचा दिया। लेकिन जब यज़ीदी सेना ने देखा कि अकेले इमाम को परास्त करना सरल नहीं है, तो उन्होंने चारों ओर से घेरकर तीरों की वर्षा कर दी। इस निर्दयी हमले में इमाम का पवित्र शरीर तीरों से छलनी हो गया और वे भूमि पर गिर पड़े और शहादत प्राप्त की।

मोहर्रम : सांप्रदायिक सद्भाव की अनमोल धरोहर

शाहिद नकवी

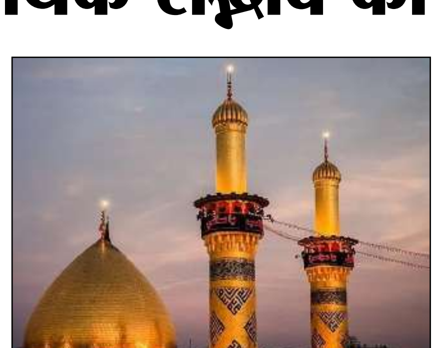

मोहर्रम, इस्लामिक कैलेंडर का पहला महीना,मुस्लिम समुदाय के लिए एक पवित्र शोक पर्व है,जो हजरत इमाम हुसैन और उनके 71 साथियों की 680 ईस्वी में करबला के मैदान में शहादत की स्मृति में मनाया जाता है।भारत में यह पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की साझी संस्कृति, सामाजिक एकता और गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड, तेलंगाना, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे क्षेत्रों में मोहर्रम की परंपराएं स्थानीय संस्कृति के साथ मिलकर एक अनूठा रूप लेती हैं। इस पर्व में हिंदुओं की सक्रिय भागीदारी, विशेष रूप से ताजिया निर्माण और जुलूसों में शामिल होना,भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक एकता को और गहरा करता है। भारत की सांस्कृतिक विविधता में मोहर्रम एक ऐसा अवसर है,जहां धार्मिक और सांस्कृतिक सीमाएं एकजुटता में बदल जाती हैं।ताजिया जुलूस,मातम, मजलिस, और करबला की रस्में न केवल मुसलमानों के लिए महत्वपूर्ण हैं,बल्कि ये भारत के सामाजिक ताने-बाने को भी मजबूत करती हैं।ताजिया कला और श्रद्धा का संगम है।मोहर्रम में हिंदुओं की भागीदारी का उल्लेख विशेष रूप से अवध के नवाबी काल (18वीं-19वीं सदी) से मिलता है,जब लखनऊ में नवाबों के शासन के दौरान हिंदू और मुस्लिम समुदाय संयुक्त रूप से सांस्कृतिक उत्सवों में शामिल होते थे। लखनऊ में ताजिया जुलूस और मरसिया पाठ में हिंदुओं की भागीदारी दर्ज की गई है।12वीं सदी से दिल्ली में ताजिया जुलूस निकाले जाने के उल्लेख हैं,जहां हिंदू समुदाय भी शामिल होता था। दरअसल ताजिया, इमाम हुसैन के मकबरे का प्रतीक, बांस, कागज,और रंग-बिरंगे सजावटी सामानों से बनाया जाता है।यह एक कला रूप है,जिसमें हिंदू और मुस्लिम कारीगर मिलकर अपनी शिल्पकला का प्रदर्शन करते हैं। लखनऊ,बनारस, झांसी, हैदराबाद, और औरंगाबाद जैसे शहरों में ताजिया निर्माण एक साझा सांस्कृतिक गतिविधि है, जो पीढ़ियों से चली आ रही है।स्थानीय परंपराओं का समावेश भी है।बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, जहां वीरता और शौर्य की संस्कृति गहरी जड़ें रखती है, मोहर्रम के जुलूसों में तलवारबाजी, अखाड़ों के प्रदर्शन, और ढोल-नगाड़ों का उपयोग आम है। ये तत्व स्थानीय संस्कृति को मोहर्रम के धार्मिक महत्व के साथ जोड़ते हैं। मोहर्रम के दौरान हिंदू और मुस्लिम समुदाय एक साथ जुलूसों में शामिल होते हैं, मातम में हिस्सा लेते हैं,और पानी-शरबत की व्यवस्था करते हैं। यह साझा श्रद्धा भारत की एकता और भाईचारे की भावना को दर्शाती है,जो धर्म और समुदाय की सीमाओं से परे है। मोहर्रम के आयोजनों में स्थानीय लोक गीत, नौहा, और मरसिया जैसे शोक गीतों का समावेश होता है।कई स्थानों पर, जैसे बिहार और उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में, हिंदू और मुस्लिम समुदाय मिलकर इन सांस्कृतिक गतिविधियों को आयोजित करते हैं,जो सामाजिक एकता को और मजबूत करता है। ताजिया निर्माण और जुलूसों में बड़े पैमाने पर हिंदू भाइयों का भी योगदान है।मोहर्रम में हिंदुओं की भागीदारी भारत की सामाजिक एकता का एक जीवंत उदाहरण है।देश के कई हिस्सों में,जैसे लखनऊ के हुसैनाबाद,बनारस के चौक क्षेत्र, झांसी के सिपरी बाजार,बिहार के भागलपुर, और महाराष्ट्र के औरंगाबाद में, हिंदू कारीगर ताजिया बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ये कारीगर ताजिया निर्माण को अपनी पारंपरिक शिल्पकला का हिस्सा मानते हैं और पीढ़ियों से इस कला को संजोए हुए हैं।वे बारीक नक्काशी,रंगों का चयन,और सजावटी सामग्री के साथ ताजिया को आकर्षक बनाते हैं। हुसैनाबाद के कुछ हिंदू कारीगर ताजिया की जटिल डिजाइनों के लिए प्रसिद्ध हैं,जो स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर सराहे जाते हैं।बुंदेलखंड के महोबा, बांदा, और चित्रकूट जैसे क्षेत्रों में,हिंदू कारीगर छोटे-छोटे ताजियों को बनाने में मदद करते हैं।ये ताजिए स्थानीय स्तर पर जुलूसों में शामिल किए जाते हैं और ग्रामीण समुदायों में एकता का प्रतीक बनते हैं।बनारस में,ताजिया निर्माण में हिंदू कारीगरों की भागीदारी गंगा-जमुनी तहजीब का एक स्पष्ट उदाहरण है। यहां के ताजिए न केवल धार्मिक प्रतीक हैं, बल्कि कला और शिल्प के उत्कृष्ट नमूने भी हैं,जो बनारस की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। गुजरात के वडोदरा और अहमदाबाद में भी हिंदू कारीगर ताजिया निर्माण में अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं, जो इस क्षेत्र की सांस्कृतिक विविधता को उजागर करता है।कई स्थानों पर हिंदू समुदाय के लोग न केवल ताजिया बनाते हैं,बल्कि जुलूसों में ताजिया उठाने और मातम में हिस्सा लेते हैं।बनारस में, जहां गंगा-जमुनी तहजीब की जड़ें गहरी हैं।झांसी के लक्ष्मी गेट और प्रेमनगर जैसे क्षेत्रों में हिंदू युवा ताजिया जुलूसों में शामिल होकर मातम में हिस्सा लेते हैं।बिहार के भागलपुर और उत्तर प्रदेश के जौनपुर में हिंदू समुदाय के लोग ताजिया को करबला मैदान तक ले जाने में मदद करते हैं, जो उनकी श्रद्धा और सम्मान को दर्शाता है।हैदराबाद में बीबी का आलम जुलूस में हिंदू समुदाय के लोग ताजिया उठाने और जुलूस की व्यवस्था में शामिल होते हैं,जो दक्षिण भारत में साम्प्रदायिक एकता का प्रतीक है। महाराष्ट्र के औरंगाबाद और मालदह में हिंदू समुदाय ताजिया जुलूसों में भाग लेता है और ताजिया निर्माण में सहायता करता है, जो साम्प्रदायिक सद्भाव को दर्शाता है।कई स्थानों पर हिंदू संगठन स्वेच्छा से जुलूसों की सुरक्षा और व्यवस्था में मदद करते हैं।

आख़िरी सजदा!

झुका के सजदे में सर को अपने हक़ीक़तों की चलाई आँधी।
चराग़-ए-बातिल जो जल रहे थे हुसैन उनको बुझा के माने।।
मोमिनीन-ए-किराम!!
सजदे हमेशा दो होते हैं..... पहले अव्वल सजदा उसके बाद आख़िरी सजदा, क्योंकि अव्वल के बाद आख़िर होता है अगर अव्वल न हो तो आख़िर हो ही नहीं सकता, लेहाज़ा आख़िरी सजदा से पहले अव्वल सजदा का जानना बहुत ज़रूरी है। कभी किसी मौजूदा मख़लूक़ को हुक्म हुआ कि आदम को सजदा करो कुछ ने सजदा कर लिया और कुछ ने इनकार कर दिया, सजदा करने वालों को फ़रिश्ता और इनकार करने वालों को इबलीस कहा गया। ये एक फलसफा-ए-इबादत है, इसी फलसफे पर जिन्दगी और इबादत का अल'जब्रा समझाया जाता है। खुदा का मकसद था कि इबादत में एक मा'बूद पर तसव्वुर कायम किया जाए, बिना तसव्वुर के इबादत नाक़िस है। मगर इबलीस ने फलसफा-ए-इबादत को नहीं समझा लेहाज़ा आदम को सजदा करने से इनकार कर दिया जिससे रान्दा-ए-दरगाह हुआ।
ग़ौर कीजिए-
'एहसन-ए-तक़्वीम' अशरफल-मखलूकात एवं असफलुस-साफिलीन के दरमियान का पैमाना है, इन्सान के अशरफ कैफ़ियत का नाम फ़रिश्ता एवं बद'किरदार कैफियत का नाम शैतानी ख़सलत मशहूर है। पस सजदा-ए-आदम में फरिश्ता और इबलीस का जो फलसफा सुनाया गया वही फलसफा आज बदस्तूर जारी है।
कलमा ला इलाहा इल्लल्लाह के नख़्बुन-ऐन हुज़ूर रसूले-अकरम को अफ़ज़लुल-बशर, रहमतुल-लिल-आलमीन एवं हयातुन्नबी का शर्फ हासिल हुआ यानी अल्लाह का मज़हर ये कायनात है और कायनात में अशरफ इन्सान है और इन्सानों में अफ़ज़ल मोहम्मद सलअम है।
हुजूर रसूले-अकरम का जुहूर ज़माना-ए-जाहिलयत में जो सजदा हुआ वह सजदा-ए-अव्वल था जो सर-ज़मीने-मक्का मुअज़्ज़मा पर अदा हुआ यानी दौर-ए-जाहिलयत अव्वल इन्सानियत की रहनुमाई फरमा कर इन्सानियत को बुलन्द मक़ाम पर पहुँचाया, इसी तरह हजरत इमाम हुसैन स. का आख़िरी सजदा है जो सर-ज़मीने-कर्बला पर अदा हुआ... यानी दौर-ए-जाहिलयत सानी (दूसरा) में इन्सानियत की रहनुमाई फरमा कर इन्सानियत को बुलन्द मक़ाम पर पहुँचाया।
(अज़ किताब-आख़िरी सजदा, लेखक-शमा नियाज़ी)
''जैसी बुलन्द कुर्बानी इमाम हुसैन स. ने पेश की कि दुनिया में इन्सानियत को उसके दर्जे से बुलन्द कर दिया।''
(श्री पुरुषोत्तमदास टण्डन)
कर्बला एक दर्सगाह, प्लेटफार्म ऑफ दीन अस्त, तालीमी मरकज़, मा'बद एवं मशहद है जिसके परवाने आबिद, हामिद, शाहिद, आशिक एवं एहबाब हैं। इबादत करने के लिए एक मा'बूद की जरूरत होती है अगर मा'बूद तसव्वुर में न हो तो वह आबिद किस काम का???
मेरी काफ़ी तहकीकात के बाद पता चला कि कर्बला का वाकेया फाल्गुन 737 विक्रमी सम्वत में पेश आया इस वाकेया के 1344 साल हो रहे हैं।
अगर सजदा के बारे में कुछ अंदेशा हो तो इस शैर पर ग़ौर फरमायें-

किसी बेकस को ऐ बेदाद गर मारा तो क्या मारा
जो आप ही मर रहा हो उसको गर मारा तो क्या मारा
हँसी के साथ याँ रोना है मिसल-ए-क़ुलक़ुल-ए-मीना
किसी ने क़हक़हा ऐ बे-ख़बर मारा तो क्या मारा
बड़े मूज़ी को मारा नफ़्स-ए-अम्मारा को गर मारा
नहंग-ओ-अज़'दहा ओ शेर-ए-नर मारा तो क्या मारा
गया शैतान मारा एक सजदा के न करने से
अगर लाखों बरस सजदे में सर मारा तो क्या मारा
(अज़ किताब- कुल्लियात-ए-ज़ौक़)

अली संजर नियाज़ी गोंडवी

कर्बला की दास्तान : हज़रत हुसैन की शहादत और इंसानियत का पैगाम

हिफ़जुर्रहमान

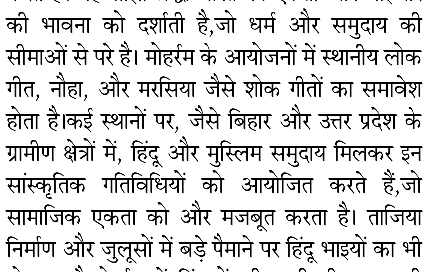

मोहर्रम, इस्लामिक कैलेंडर का पहला महीना, न केवल एक नया साल शुरू करता है, बल्कि इतिहास की एक ऐसी घटना को भी अपने आगोश में समेटे हुए है, जो मानवता को सत्य, न्याय और अहिंसा का सबक देती है। यह महीना हज़रत इमाम हुसैन (रज़ि.) की शहादत की याद दिलाता है, जिनकी कुर्बानी कर्बला के मैदान में सत्य और इंसानियत की मिसाल बन गई। उनकी शहादत की कहानी, जो लगभग 1400 साल पहले 10 मुहर्रम, 61 हिजरी को वर्तमान इराक के कर्बला में घटी, आज भी करोड़ों लोगों के दिलों में जीवित है और उन्हें सत्य के लिए लड़ने की प्रेरणा देती है।

कर्बला की घटना : हक और बातिल की जंग – कर्बला की जंग हक और बातिल, सत्य और झूठ, न्याय और ज़ुल्म के बीच का वह ऐतिहासिक संघर्ष था, जिसमें पैगंबर हज़रत मोहम्मद (सल.) के नवासे, हज़रत इमाम हुसैन (रज़ि.) ने अपने 72 साथियों और मासूम बच्चों के साथ इस्लाम में प्रजातंत्र और नैतिकता की रक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। यह कुर्बानी इतिहास में एक ऐसी मिसाल है, जिसे न कभी भुलाया जा सकता है और न ही इसकी दूसरी मिसाल मिलना संभव है।हज़रत हुसैन ने यज़ीद की बैअत (आज्ञाकारिता) से इंकार कर दिया, क्योंकि वह इस्लाम के मूल सिद्धांतों और इंसानियत के खिलाफ था। कूफ़ा के लोगों ने उन्हें पत्र लिखकर बुलाया और वादा किया कि वे उनके साथ हैं। हज़रत हुसैन ने अपने चचेरे भाई मुस्लिम बिन अकील को कूफ़ा भेजा, जिन्हें कूफ़ियों ने विश्वासघात कर शहीद कर दिया। फिर भी, हुसैन ने कूफ़ा की ओर कूच किया, लेकिन वहां पहुंचने पर उन्हें कूफ़ियों का विश्वासघात और यज़ीद की सेना का क्रूर चेहरा देखना पड़ा। उन्होंने जंग से बचने की हर संभव कोशिश की, यहाँ तक कि मदीना लौटने, यज़ीद से मिलने या इस्लामी सरहद पर काफिरों से लड़ने की पेशकश की, लेकिन यज़ीद की सेना ने उनकी एक न सुनी। अंततः, कर्बला के मैदान में हज़रत हुसैन और उनके साथियों को बेरहमी से शहीद कर दिया गया।

आज का सबक : हज़रत हुसैन की शहादत हमें यह सिखाती है कि हमें ज़ुल्म, नफरत और अज्ञानता के सामने कभी सिर नहीं झुकाना चाहिए। उनकी कुर्बानी का असल मकसद केवल नारे लगाने या साल के कुछ खास दिनों में शोक मनाने तक सीमित नहीं है। आज हमारी ज़िंदगी और समाज में उनकी शिक्षाओं को अमल में लाने की ज़रूरत है। हमें सत्य के लिए आवाज़ उठानी चाहिए, चाहे वह कितना भी मुश्किल क्यों न हो।हालांकि, यह दुखद है कि आज हमारी यादें अक्सर रस्मी होकर रह जाती हैं। मोहर्रम के अवसर पर ढोल-ताशे और तमाशे के नाम पर हम उस गहरे संदेश को भूल जाते हैं, जो हुसैन ने हमें दिया। हुसैनी बनने का मतलब केवल नारे लगाना नहीं, बल्कि इंसानियत के लिए दिल से काम करना और ज़ुल्म के खिलाफ अडिग रहना है।

- **अहिंसा और सत्य का प्रतीक :** हज़रत हुसैन की शहादत केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक दर्शन है, जो हमें सिखाता है कि ज़ुल्म और झूठ के खिलाफ डटकर मुकाबला करना चाहिए। उनकी कुर्बानी अहिंसा का वह प्रतीक है, जिसने महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्तित्व को भी प्रेरित किया। गांधीजी ने कहा था, मुझे अहिंसा का उसूल इमाम हुसैन से मिला है। हुसैन ने अपने परिवार और साथियों के साथ मिलकर यह दिखाया कि सत्य और न्याय के लिए जान की बाजी लगाना भी स्वीकार्य है, बशर्ते वह इंसानियत की राह पर हो।

निष्कर्ष : कर्बला की दास्तान हमें सिखाती है कि सत्य और इंसानियत की राह पर चलते हुए हर कठिनाई को स्वीकार करना चाहिए। हज़रत हुसैन की शहादत एक अनमोल नमूना है, जो हमें यह सिखाती है कि ज़ुल्म के खिलाफ आवाज़ बुलंद करना और सत्य की स्थापना के लिए तन, मन, धन की बाजी लगाना हर इंसान का फर्ज़ है।

जैसा कि मशहूर शायर अहद फराज़ ने कहा-
जब भी ज़मीर-व-ज़र्फ का सौदा हो दोस्तो,
कायम रहो हुसैन के इन्कार की तरह।

आइए, इस मोहर्रम हम संकल्प लें कि हुसैन की तरह हम भी सत्य और इंसानियत की राह पर चलेंगे और ज़ुल्म के खिलाफ आवाज़ उठाएंगे। उनकी शहादत का पैगाम हमेशा हमें प्रेरित करता रहेगा।

प्रदेश के आर्थिक हित के लिए जरूरी है वृक्षारोपणः सुरेश खन्ना

■ न्यू ककरा सिटी में राज्य मंत्री सुरेश खन्ना ने किया वृक्षारोपण, लोगों को दिलाया संकल्प

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने शनिवार को न्यू ककरा सिटी में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने मौजूद लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाते हुए कहा॰ कि हमे वृक्ष केवल लगाने नहीं है, उन्हें जीवित और सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। हमें पेड़ ऐसी जगह लगाना चाहिए जहां उनकी देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। पेड़ लगाने का सबसे बड़ा लाभ तो पर्यावरण है, लेकिन इससे भी आगे बढ़कर यह प्रदेश के आर्थिक हित से भी जुड़ा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार करों के वितरण में राज्यों की भागीदारी तय करने के लिए एक वर्गीकरण प्रणाली का प्रयोग करती है जिसमें हरियाली, वन क्षेत्र और पर्यावरणीय पहलुओं की भी भूमिका होती है। उत्तर प्रदेश इस वर्गीकरण में अपेक्षाकृत कमजोर रहा है। यदि हम व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण करें, और उसे टिकाऊ बनाए रखें, तो हम इस वर्गीकरण में अपनी स्थिति मजबूत कर सकते हैं, जिससे प्रदेश को केंद्र से अधिक वित्तीय लाभ मिल सकता है। इसका सीधा फायदा आम जनता को मिलेगा। खन्ना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पर्यावरणीय प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि दोनों ही नेता पर्यावरण संरक्षण को लेकर बेहद गंभीर हैं और देशभर में वृक्षारोपण अभियान को जन-आंदोलन बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हमें उनके इन प्रयासों को और गति देनी है। यह केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। एक पेड़, एक जीवन की रक्षा जैसा है – और अगर हम हर साल एक पेड़ भी जिम्मेदारी से लगाएं और पालें, तो आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण दे सकेंगे।

जिला सहकारी बैंक की हुई वित्तीय प्रगति ऋण, निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि

शाहजहांपुर। जिला सहकारी बैंक के सभागार में शनिवार को एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें बैंक की 2019-20 से 2024-25 तक की वित्तीय प्रगति का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया।मुख्य अतिथि संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक सहकारिता, बरेली मंडल राजेश कुमार ने बताया कि बैंक की कुल पूंजी 21.19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 1875.65 लाख से बढ़कर 2273.18 लाख हो गई। वहीं, निवेश में 41.89 प्रतिशत और कार्यशील पूंजी में 120.13 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष (सभापति) डीपीएस राठौर ने बताया कि बैंक द्वारा दिए गए ऋृण में 44.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें कृषि ऋृण में 58.55 प्रतिशत बढ़त हुई। बैंक का विनियोग 290.29 प्रतिशत बढ़ा है। सीआरएआर 2.72 प्रतिशत घटकर अब 13.09 प्रतिशत रह गया है। प्रशासनिक खर्च में नियंत्रण करते हुए एनपीए और बकाया में भी कमी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि जिले की 94 समितियों को कंप्यूटरीकृत किया गया है। किसानों को 1800 मीट्रिक टन डीएपी और विभिन्न माध्यमों से बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

चावल फेरीवालों को बेचते है उपभोक्ता

टूंडला। सरकारी राशन से मिलने वाले चावल की उपभोक्ता फेरीवालों को बिक्री कर रहे हैं। जबकि सरकार चावल को खाने के लिये दे रही है। नगर व देहात के क्षेत्र में बड़ी संख्या में राशन की दुकानें हैं। जिनसे हजारों लोग निःशुल्क राशन लेते हैं। जिसमें गेहूं व चावल होता है। अधिकतर लोग गेहूं को तो अपने खाने के काम में ले लेते हैं जबकि चावल को बेच देते हैं। यही कारण है कि हर गली मोहल्ले में चावल खरीदने वाले लोग घूमते हुए मिल जाते हैं। राशन के चावल को राशन उपभोक्ता केवल 20 रूपये किलो खरीदते हैं जबकि बाजार में इसी चावल की कीमत लगभग 40 से 50 रूपया है। इस प्रकार से सरकार द्वारा दिये जाने वाला चावल व्यापारियों की भेंट चढ रहा है। फेरीवाले चावल को लोगों से कम रेट में खरीदकर व्यापारी को बेच देते हैं उसी चावल को व्यापारी अच्छे पैसों में बाजार में बेच देता है।

जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक 08 जुलाई को

बहराइच। सदस्य सचिव एवं अधि.अभि. स.न.ख.-पंचम बहराइच ने बताया कि शासन द्वारा नामित उपाध्यक्ष जनपद सिंचाई बन्धु राघवेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक 08 जुलाई 2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से कल्पीपारा कालोनी स्थित सिंचाई विभाग के आफीसर्स फील्ड हास्टल में आहूत की गयी है। सदस्य सचिव ने बताया कि जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक में नहरों की समुचित सफाई, नहरों की कटिंग तथा टेल तक पानी की उपलब्धता, रोस्टर के अनुसार नहरों का संचालन, नहरों के कुलाबों की व्यवस्था, राजकीय नलकूपों का संचालन व बन्दी की समीक्षा, सिंचाई शुल्क निर्धारण, कृषकों से प्राप्त अन्य प्रकार की शिकायतों के निराकरण के साथ-साथ सिंचाई मंत्री द्वारा निर्देशित अन्य कार्यो पर चर्चा की जायेगी। सदस्य सचिव ने सभी सम्बन्धित से ससमय बैठक में प्रतिभाग करने की अपेक्षा की है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ

No. 4277/ E-Tender/2025-26 Dated : 03 -07-2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रतिशत दर पर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में मार्ग कार्य हेतु श्रेणी ''ए'' ''बी'' ''सी'' एवं ''डी'' में रजिस्टर्ड ठेकेदारों से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वह न्यूनतम अर्ह ता के सम्बन्ध में निविदादाता निर्देश पुस्तिका में वर्णित ठेका प्राप्त करने नियमों से अवगत हो लें।

क्र. सं.	जनपद	कार्य का नाम	आंकलित धनराशि (रू. लाख में)	धरोहर धनराशि (रू. लाख में)	निविदा शुल्क प्रपत्र का मूल्य + स्टेशनरी	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	कार्य सम्पादन करने हेतु अधिशासी अभि. का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभि. का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	लखनऊ	लखनऊ शहर में ए0ई0 प्रथम के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत राजाजीपुरम क्षेत्र में पैच मरम्मत कार्य	23.90	2.39	Rs. 300.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
2	लखनऊ	लखनऊ शहर में एई। के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ-फैजाबाद रोड और आसपास के क्षेत्र में पैच मरम्मत कार्य	21.90	2.19	Rs. 300.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
3	लखनऊ	लखनऊ शहर में एई। के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत महानगर क्षेत्र की विभिन्न सड़कों पर पैच मरम्मत कार्य	2.19	2.32	Rs. 300.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
4	लखनऊ	लखनऊ शहर में ए0ई0 प्रथम के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आशियाना क्षेत्र में विभिन्न सड़कों पर पैच मरम्मत कार्य	23.20	2.32	Rs. 300.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
5	लखनऊ	लखनऊ शहर में एई। के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बीकेटी क्षेत्र की विभिन्न सड़कों पर पैच मरम्मत कार्य	24.60	2.46	Rs. 300.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
6	लखनऊ	लखनऊ शहर में लक्ष्मणपुर जुगौली संपर्क मार्ग एवं विभिन्न सड़कों पर पैच मरम्मत कार्य	7.80	0.78	Rs. 300.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
7	लखनऊ	लखनऊ-कानपुर मार्ग पर किमी 1 में सड़क मरम्मत कार्य	3.40	0.34	Rs. 225.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 856.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
8	लखनऊ	बीरबल साहनी रोड पर सडक मरम्मत कार्य	10.20	1.02	Rs. 225.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 856.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
9	लखनऊ	लखनऊ-कुर्सी रोड मामा चौराहा से केन्द्रीय विद्यालय किमी 2 होते हुए रिंग रोड तक सड़क मरम्मत कार्य	13.90	1.39	Rs. 225.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 856.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
10	लखनऊ	लखनऊ शहर में दिल्ली-बरेली-लखनऊ मार्ग पर किमी 492 से 493 तक सड़क मरम्मत कार्य	32.10	3.21	Rs. 300.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
11	लखनऊ	कृष्णा नगर तालकटोरा रोड पर किमी 8 और 9 में सड़क मरम्मत कार्य (महावीर विद्यालय से देवपुर पारा होते हुए सूर्य नगर चौराहा तक)	33.30	3.33	Rs. 300.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
12	लखनऊ	लखनऊ शहर में लखनऊ-फैजाबाद मार्ग किमी 6 और 7 तथा रविन्द्रपल्ली मार्ग पर सड़क मरम्मत कार्य	30.20	3.02	Rs. 300.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
13	लखनऊ	लखनऊ शहर में लखनऊ-फैजाबाद मार्ग पर किमी 7-700 एचएएल से लेखराज पुलिस फायर स्टेशन तक सड़क मरम्मत कार्य	31.90	1.72	Rs. 300.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
14	लखनऊ	लखनऊ शहर के पुराने लखनऊ क्षेत्र में पैच और फुटपाथ मरम्मत कार्य	32.70	3.27	Rs. 300.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
15	लखनऊ	लखनऊ शहर के एई । के अधिकार क्षेत्र में इंदिरा नगर क्षेत्र में पैच और फुटपाथ मरम्मत कार्य	13.40	1.34	Rs. 225.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 856.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ
16	लखनऊ	लखनऊ शहर के तकरोही क्षेत्र में पैच और फुटपाथ मरम्मत कार्य	19.10	1.91	Rs. 300.00 + 500.00 + (Tender cost + Stationary Charges) + GST @ 18%) = Rs. 944.00	03 माह	प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., लखनऊ	लखनऊ वृत्त, लो.नि.वि., लखनऊ	मुख्य अभि. (म.क्षे.) लो.नि.वि., लखनऊ

➢बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगाई गयी दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुये लगाई गयी है।

निविदा आनलाइन दिनांक 08.07.2025 से दिनांक 15.07.2025 की अपरान्ह् 12:00 बजे तक डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 15.07.2025 की अपरान्ह् 12:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 15.07.2025 को अपरान्ह् 12:30 बजे खोली जायेगीं। शासनादेश संख्या- 1/2018/3070/78-2-2018/42 आई0टी0/2017 (22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

निविदा का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर द्वारा किया जाना है, जिसका विवरण एन0आई0सी0 की बिड डाक्यूमेन्ट में उपलब्ध है।

निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्तें http//etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

(इं. सत्येन्द्र नाथ)
अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि.,
लो.नि.वि., लखनऊ

UPID-235674 Dated-04-07-2025
विज्ञापन आदेश के अनुसार www.upgov.in पर उपलब्ध

गंभीर बीमारियों से जूझ रहे गरीबों के लिए उम्मीद की किरण बने सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी

बाँदा, अवधनामा संवाददाता। सदर विधायक श्री प्रकाश द्विवेदी आर्थिक रूप से कमजोर और गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों के लिए एक मजबूत सहारा बनकर उभरे हैं। पिछले आठ वर्षो के कार्यकाल में उन्होंने 424 रोगियों के इलाज के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से 748.42 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत कराई है। इसके अतिरिक्त विधायक निधि से 103 लाख रुपये खर्च कर 36 और मरीजों को इलाज की सुविधा दिलाई। मुख्यमंत्री राहत कोष से प्राप्त सहायता की सालवार विवरणी में स्पष्ट है कि विधायक द्विवेदी ने हर वर्ष गरीबों की मदद के प्रयासों में बढ़ोतरी की। वर्ष 2017 में जहां 22.99 लाख की सहायता स्वीकृत हुई, वहीं 2024 में यह बढ़कर 184.82 लाख रुपये तक पहुंच गई। 2025 में अब तक 54 मरीजों के इलाज के लिए 116.60 लाख रुपये की मंजूरी मिल चुकी है। विधायक द्विवेदी ने बताया कि वे मुख्यमंत्री राहत कोष के अन्तर्गत आने वाले सभी मामलों में व्यक्तिगत रूप से पैरवी करते हैं, ताकि जरूरतमंद मरीजों को त्वरित आर्थिक मदद मिल सके। उनका मानना है कि बीमारी किसी को भी हो सकती है, लेकिन इलाज की सुविधा हर किसी को मिलनी चाहिए, चाहे उसकी आर्थिक स्थिति जैसी भी हो। स्थानीय जनमानस में विधायक द्विवेदी की यह पहल एक सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल बनती जा रही है। जनपद के कई परिवारों ने उनके इस मानवीय दृष्टिकोण की सराहना करते हुए उन्हें जनसेवक की संज्ञा दी है।

अक्षरधाम कॉलोनी से अंटा तक नाले पर बनेगी रोड वित्त मंत्री ने किया निरीक्षण

शाहजहांपुर, अवधनामा संवाददाता। नगर निगम के विकास को लेकर एक बड़ी योजना पर काम शुरू होने जा रहा है। मोहल्ला अक्षरधाम कॉलोनी से होकर बृज विहार, अंटा चौराहा व फायर स्टेशन को जोड़ने वाले नाले के ऊपर अब सड़क का निर्माण किया जाएगा। यह सड़क लोधीपुर से शुरू होकर अंटा तक पहुंचेगी, जिससे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। वही रोड बनने से बाढ़ से भी मोहल्ले को राहत मिलेगी। शनिवार को प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह एवं नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्रा के साथ इस नाले और प्रस्तावित सड़क मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए ।फिलहाल यह नाला केवल जल निकासी का काम करता है, लेकिन इसके ऊपर सड़क बनने से न केवल ट्रैफिक का दबाव कम होगा, बल्कि आस-पास की कॉलोनियों को भी बेहतर कनेक्टिविटी मिल सकेगी। साथ ही, सड़क के निर्माण से बारिश के दौरान जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान भी हो सकेगा।

समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक में संगठन को मजबूत करने पर दिया गया जोर

सुल्तानपुर, अवधनामा संवाददाता। विकास खंड धनपतगंज के ग्राम पंचायत पडरे में समाजवादी पार्टी इसौली विधानसभा की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता इसौली विधानसभा अध्यक्ष स्वामीनाथ यादव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक मोहम्मद ताहिर खान मौजूद रहे।बैठक के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय समस्याओं पर चर्चा की और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया। विधायक मोहम्मद ताहिर खान ने कहा कि समाजवादी पार्टी जनहित और विकास के मुद्दों पर लगातार काम कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे पूरी निष्ठा से संगठन को मजबूत करें और जनता की समस्याओं का समाधान कराने में मदद करें।इस अवसर पर नरेंद्र यादव ने विधायक ताहिर खान और विधानसभा अध्यक्ष स्वामीनाथ यादव को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष रामनाथ यादव, बृजेश यादव, सफीर पठान, जितेंद्र यादव, बद्रीनाथ यादव, तनवीर आलम, शिव प्रसाद यादव, रवि शंकर, हृदयराम सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सदस्य निकलेश सरोज ने पसमंदा समाज के जिलाध्यक्ष व मंडल अध्यक्ष को कॉग्रेस में कराया शामिल

सुल्तानपुर, अवधनामा संवाददाता। जिला कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य एवं पूर्व प्रत्याशी कादीपुर कु0 निकलेश सरोज द्वारा पांचोपीरन के पूर्व प्रधान वर्तमान समय में पसमंदा समाज के मंडल अध्यक्ष तौफीक अहमद व पसमंदा समाज के जिलाध्यक्ष दिलाअनवर हुसैन फौजी को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय के प्रांगण में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम में पहुंचे बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक शाहजहांपुर धीरेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा शहर अध्यक्ष शकील अंसारी व अन्य नेताओं ने पार्टी का फटका व फूल माला पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई।

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को दिये निर्देश ससमय करें

■ सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर 91 शिकायती आयीं, 10 का हुआ मौके पर निस्तारण।

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी रमेश रंजन के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य की अध्यक्षता में साथ समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील सदर में आयोजित किया गया, इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सदर तहसील के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतों को सुना उनमें से कुछ का मौके पर टीम भेजकर निस्तारण कराया, जबकि कुछ का निस्तारण शीघ्र करने का आश्वासन दिया, इस दौरान सामान्य जन-जीवन से जुड़ी वह शिकायतें सामने आई जिसे सामान्य जनता का सामना दिन-प्रतिदिन होता है, उन्होने उपस्थित समस्त अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता और तत्परता दोनों दिखाएं, मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि हर अधिकारी जनता की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक निस्तारण करें, तो बहुत सारी समस्याओं का समाधान अपने आप हो जाएगा। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान शिकायतकर्ता धर्मवीर सिंह पुत्र हुब्बलाल निवासी ग्राम विलहना तहसील फिरोजाबाद ने घरेलू बिजली का गलत बिल आने के संबंध में अवगत कराया, उसने बताया कि उसके नाम एक घरेलू लाइट कनेक्शन है, उस लाइट कनेक्शन से घर में पंखा, एलईडी बल्ब का प्रयोग करता है, लेकिन मीटर रीडिंग जब ली जाती है तब जो बिल आता है वह अत्यधिक आता है, वह गरीब व्यक्ति है जो दिहाढ़ी मजदूरी करता है, इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने एक्स0ई0एन0 विद्युत ग्रामीण को निर्देशित किया कि यह जो गलत बिल आने की अधिकतम शिकायतें आ रही हैं इसको गंभीरता से निस्तारण कराया जाए। इसी प्रकार संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान खुशबू पत्नी रमन कुमार ने अपनी शिकायत में बताया कि उसने मेहनत मजदूरी करके एक प्लॉट तुरकिया मक्खनपुर में खरीदा है, जिस पर उसने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवेदन किया है परंतु डूडा विभाग में तैनात सीएलटीसी द्वारा उसकी शिकायत का निस्तारण गलत तरीके से किया है जिसको मुख्य विकास अधिकारी ने गंभीरतापूर्वक लेते हुए परियोजना निदेशक को निर्देशित किया कि मामले को गुणवत्तापूर्ण जांच कर कार्रवाई कर निस्तारित करें, इसी प्रकार शिकायतकर्ता राजबहादुर शुक्ल निवासी ग्राम रहना ने बताया कि उसका नाम खतौनी में गलत हो गया है उसको सही करने के लिए उसने प्रार्थना पत्र दिया है जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने तहसीलदार सदर को निर्देशित किया की जांच कर कार्रवाई कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। इसी तरह कुछ मामले जल भराव को लेकर आए, विद्युत की समस्या एवं साफ सफाई को लेकर आए।

नालियां व सीसी मार्ग रेलवे ठेकेदार ने किए छतिग्रस्त

अवधनामा संवाददाता

टूंडला। रेलवे ठेकेदार के निकलने वाले टैक्टरों ने गांव चुल्हाबली में मार्ग पर नालियां को तोड़ दिया है जिसको बनवाने की मांग ग्राम प्रधान ने करते हुए एसडीएम टूंडला से शिकायत की है। ग्राम पंचायत चुल्हाबली की प्रधान देवकी कुमारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम टूंडला को दिये गये शिकायती पत्र में बताया है कि गांव चुल्हाबली में लाइनपार में पंचायत द्वारा इन्टरलॉकिंग व सीसी मार्ग बनाया गया था। रेलवे ठेकेदार द्वारा मालगाड़ी रेल लाइन के लिये स्लीपर भेजे जा रहे हैं। एक स्लीपर का बजन लगभग सात से आठ कुंटल होता है और एक टैक्टर 35 से 40 स्लीपर भरके ले जा रहा है। जबकि ठेकेदार ने कहा था कि एक टैक्टर में केवल पांच या छै स्लीपर ले जायेंगे। अब स्थिति यह है कि टैक्टरों के बजन से सीसी मार्ग व इन्टरलॉकिंग बर्बाद हो रही है। वहीं नालियां पूरी तरह से टूट गई है। ग्राम प्रधान ने मांग की है कि उक्त ठेकेदार से नालियां व मार्ग बनवाया जाये।

डीएम की अध्यक्षता में तहसील पयागपुर में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। तहसील पयागपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी मोनिका रानी ने मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानन्द कुशवाहा, एसडीएम पयागपुर अश्वनी पाण्डेय, सीएमओ डॉ संजय कुमार, डीडीओ राजकपूर, पीडीडीआरडीए अरूण कुमार व अन्य अधिकारियों के साथ जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई के दौरान अंश निर्धारण, पैमाईश, धारा 34, चकबन्दी, खतौनी इत्यादि मामलों की गहन समीक्षा करते हुए डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि जितने प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए है उसका मौके पर जाकर निस्तारण किया जाय तथा 75 प्रतिशत समस्याओं का निराकरण न कराने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। थाना विशेश्वरगंज के ग्राम झुर्रीकुईयां लखनपुर के विनय शंकर पाण्डेय का बैंक से 1.70 लाख रूपये निकल जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने एलडीएम को इस प्रकरण की जांच कराये जाने के निर्देश दिये। इसी प्रकार से सम्पूर्ण समाधान में आने वाले अन्य फरियादियों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए डीएम द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये जाने के निर्देश दिये गये।

डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों को सचेत किया कि जनसमस्याओं के निस्तारण में अनावश्यक हीला-हवाली को अत्यन्त गम्भीरता के साथ लिया जाएगा। डीएम ने निर्देश दिया कि न्यायालय द्वारा निर्णित प्रकरणो में समय से पैमाइश सुनिश्चित की जाय। डीएम ने निर्देश दिया कि अतिक्रमण से मुक्त कराये गये मार्गो, सार्वजनिक स्थानों इत्यादि पर दोबारा कब्जे की शिकायत मिलने पर सम्बन्धित के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराते हुए नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जाय। डीएम ने कहा कि रास्ते के विवाद से सम्बन्धित मामलों का थाना दिवस के माध्यम से पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम द्वारा प्रभावी निस्तारण किया जाय।

आवश्यकता है
स्ववित्तपोषित योजना के अन्तर्गत संचालित

आशा भगवान बक्श सिंह महाविद्यालय पूरा बाजार, अयोध्या

(सम्बद्ध : डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या) में निम्न विषयों में प्रवक्ता पद हेतु-

आवश्यकता है

प्रवक्ता- प्रवक्ता- बी.एस.सी. विषय- भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गणित। प्रत्येक में 02-02 पद। एम.एस.सी. विषय - जन्तु विज्ञान में 02 पद। एम.एस.सी. कृषि विषय- एग्रोनॉमी, हॉर्टिकल्चर। प्रत्येक में 02-02 पद। प्रवक्ता-बी.ए. कला संकाय- हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, प्राचीन इतिहास, राजनीतिशास्त्र, गृह विज्ञान, भूगोल, सैन्य विज्ञान, संस्कृत, शिक्षा शास्त्र, अर्थशास्त्र, उर्दू, मनोविज्ञान, शारीरिक शिक्षा, समाजकार्य एवं चित्रकला। प्रत्येक मे 02-02 पद। प्रवक्ता-एम.ए. कला संकाय- अग्रेजी, संस्कृत, चित्रकला, शिक्षाशास्त्र, प्राचीन इतिहास, गृह विज्ञान, भूगोल, समाजशास्त्र। प्रत्येक में 02-02 पद। **शैक्षिक अर्हता/वेतन-** विश्वविद्यालय/राज्य सरकार/यू.जी.सी. द्वारा निर्धारित मानकानुसार इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि से 15 दिन के अंदर आवेदन पद पर नवीनतम फोटोग्राफ चस्पाकर शैक्षिक अंकपत्रों, प्रमाण-पत्रों एवं अनुभव की स्व-प्रमाणित संलग्न कर आवेदन करें।

भगवान बक्श सिंह, प्रबंधक
9628001515, 8858685549

सरीला में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

147 शिकायतें दर्ज, 9 का मौके पर निस्तारण

अवधनामा संवाददाता

सरीला। तहसील सरीला के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी घनश्याम मीणा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम से पूर्व तहसील परिसर में दक्षिण दिशा में नवनिर्मित गेट का उद्घाटन जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा ने किया। साथ ही, ÷मां के नाम÷ अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।इस अवसर पर दैवीय आपदा, मत्स्य आवंटन और आवास आवंटन योजनाओं के तहत लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। दैवीय आपदा के तहत हरगोविन्द, गोविन्दास, शिवकली और कैलाश रानी को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मत्स्य आवंटन में उमा, निशा और नीरज कुमार, जबकि आवास आवंटन में सुनीता, श्रीपत, कीमत, रामरती और दयाराम को लाभ दिया गया।समाधान दिवस में कुल 147 शिकायती प्रार्थना पत्र दर्ज किए गए, जिनमें से 9 का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया। सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित थीं, जिनमें नाप, अवैध कब्जा, चकरोड और जल निकासी के मामले शामिल थे। इसके अलावा विद्युत विभाग, विकास विभाग और आपसी विवाद से जुड़े मामले भी दर्ज हुए।जिलाधिकारी ने अवैध कब्जे के मामलों के निस्तारण के लिए राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित करने के निर्देश दिए, ताकि नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित हो।

एनसीएल ने डीएवी एक्सटेंशन बिल्डिंग का किया शुभारंभ

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/सिंगरौली। शनिवार को सिंगरौली स्थित भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने निगाही परियोजना स्थित डीएवी एक्सटेंशन बिल्डिंग का शुभारंभ किया। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान एनसीएल के निदेशक (मानव संसाधन), मनीष कुमार, निदेशक (वित्त), रजनीश नारायण, निदेशक (तकनीकी), सुनील प्रसाद सिंह, श्रमिक संघ से जेसीसी सदस्य- सीएमएस से अजय कुमार, आरसीएसएस से लाल पुष्पराज सिंह, बीएमएस से श्यामधर दुबे, एचएमएस से बी. एन. सिंह, सीएमओएआई से सर्वेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय महाप्रबन्धक (निगाही), सुमन सौरभ, ए. आर. ओ. (डी.ए.वी.) एमपी जोन, अमिताभ श्रीवास्तव एवं परियोजना से अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी व विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे। वर्तमान में निगाही परियोजना स्थित डी. ए. वी. विद्यालय में 1500 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विद्यालय के इस भवन विस्तार से अब 680 और विद्यार्थियों को नामांकन का अवसर मिलेगा। एनसीएल द्वारा नवनिर्मित एक्सटेंशन बिल्डिंग में 24 आधुनिक कक्षाएँ एवं प्रयोगशालाएँ शामिल हैं। इस दौरान अपने उद्बोधन में मनीष कुमार ने शिक्षा को समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने का माध्यम बताते हुए कहा कि एनसीएल द्वारा डीएवी विद्यालय के भवन विस्तार से और अधिक ज़रूरतमन्द बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होगी एवं उनका सर्वांगीण विकास होगा। एनसीएल द्वारा उक्त विद्यालय के भवन विस्तार से सिंगरौली परिक्षेत्र के शैक्षिक परिदृश्य में सुधार होगा। इसके अतिरिक्त इस से बच्चों की नामांकन संख्या में वृद्धि के साथ स्थानीय समुदाय को सामाजिक और शैक्षिक रूप से भी लाभ पहुंचेगा। गौरतलब है कि एनसीएल अपने 11 वित्त पोषित विद्यालयों के माध्यम से कर्मियों के बच्चों सहित स्थानीय क्षेत्र के 14,000 से अधिक बच्चों को शिक्षा प्रदान कर उनका भविष्य संवार रही है।

मौदहा में सम्पूर्ण समाधान दिवस

74 शिकायतें दर्ज, 3 का मौके पर निस्तारण, वृक्षारोपण का संदेश

अवधनामा संवाददाता

मौदहा हमीरपुर। तहसील मौदहा, जनपद हमीरपुर में आयुक्त, चित्रकूटधाम मण्डल, बांदा की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीआईजी मण्डल बांदा, अपर जिलाधिकारी (वित्त/ राजस्व), अपर पुलिस अधीक्षक, उपजिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुल 74 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 3 का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए। आयुक्त और डीआईजी ने तहसील परिसर में वृक्षारोपण कर जनमानस को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संदेश दिया। इसके साथ ही, आयुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मौदहा का निरीक्षण किया और साफ-सफाई सहित अन्य सुविधाओं को बेहतर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। यह आयोजन जन समस्याओं के त्वरित समाधान और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण रहा।

सरीला तहसील में कानूनगो का रिश्वत लेने का वीडियो वायरल

निलंबन की कार्रवाई

अवधनामा संवाददाता

सरीला हमीरपुर। सरीला तहसील, जनपद हमीरपुर में राजस्व निरीक्षक (कानूनगो) मिथलेश कुमार का जमीन की पैमाइश के नाम पर रिश्वत लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। वीडियो में मिथलेश कुमार को पीड़ित किसान से 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगते और 5 हजार रुपये लेते हुए कैमरे में कैद किया गया है। यह मामला सरीला तहसील क्षेत्र से संबंधित है।वीडियो वायरल होने के बाद जिलाधिकारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कानूनगो मिथलेश कुमार को निलंबित करने की घोषणा की। उपजिलाधिकारी सरीला ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए मिथलेश कुमार के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, मिथलेश कुमार पर पहले भी रिश्वतखोरी के आरोप लग चुके हैं, जिससे यह मामला और भी चर्चा में है। पीड़ित किसान ने आरोप लगाया कि जमीन की पैमाइश के लिए कानूनगो ने उनसे 20 हजार रुपये की मांग की थी। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि कानूनगो रिश्वत की रकम लेते हुए कैमरे में रिकॉर्ड हो गया। इस घटना ने राजस्व विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।हमीरपुर प्रशासन और पुलिस से इस मामले में कठोर कार्रवाई की मांग की जा रही है। स्थानीय लोगों और सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट्स में मिथलेश कुमार की रिश्वतखोरी को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि जांच के बाद दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह घटना जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम को और तेज करने की जरूरत को दर्शाती है।

एक पेड़ मां के नाम विधायक ने दिया संदेश

सदर ब्लाक स्थित प्रभागीय वन अधिकारी परिसर

1 जुलाई से 7 जुलाई तक चलेगा पौधरोपण का विशेष पखवाड़ा

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। सदर ब्लाक स्थित प्रभागीय वन अधिकारी परिसर में शनिवार को वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत एक पेड़ मां के नाम विहत पौधारोपण कार्यक्रम मुख्य अतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे के नेतृत्व में पौधारोपण कर पर्यावरण बचाओ मां के नाम पेड़ लगाओ दिया गया एक संदेश। वहीं सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि वन महोत्सव कार्यक्रम के साथ पर्यावरण संरक्षण व पर्यावरण बनाए रखने के लिए हर व्यक्ति को बढ़-चढ़कर अपने घरों के आसपास अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करना परिवार रूप से सुनिश्चित करें जिससे कि आने वाली पीढ़ियों को हरे भरे पर्यावरण के साथ एक संदेश दिया जा सके। वहीं सदर विधायक ने बताया कि वन विभाग द्वारा वन महोत्सव के तहत 1 जुलाई से 7 जुलाई तक विशेष पखवाड़ा के तहत रोपण कार्यक्रम किया जा रहा है जो बेहद ही महत्वपूर्ण है आज के प्रवेश में आम जनमानस के साथ मिलकर इस महोत्सव को बेहतर तरीके से सफल बनाने के लिए हम सभी को एक पेड़ मां के नाम पौधा लगाकर उसके संरक्षण के साथ वातावरण के लिए संदेश देने का काम करें जिससे समाज में एक मैसेज जाए और हर धर्म के व्यक्ति पौधारोपण के साथ एक संदेश देने का काम करें। वही उप प्रभागीय वनाधिकारी चूर्क विनीत कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि का पौधा देखकर या स्वागत बताया कि हमारे समाज में हर व्यक्ति अगर एक-एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण कर ले तो निश्चित रूप से एक बहुत बड़ा जिले से संदेश मां के नाम देने का काम किया जा सकता है इसके लिए विभाग के साथ अन्य विभागों से मिलकर या अभियान चलाया जा रहा है इस मौके पर पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश यादव,उप प्रभागीय वनाधिकारी रामगढ़ शत्रुघन त्रिपाठी, अनामिका गौतम क्षेत्रि वन अधिकारी रावटसगंज ,नवीन राय,मनीषा मौर्या, दीपशिखा जयसवाल वन दरोगा, रामकृष्ण मिश्रा वन दरोगा, अनूप तिवारी, विकास सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सीएचसी मौदहा में अल्ट्रासाउंड मशीन की मांग

अवधनामा संवाददाता

मौदहा। तहसील मौदहा के सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में आम आदमी पार्टी (आप) और ग्रामसभा सदस्यों ने गंभीर मुद्दे उठाए। मौदहा सीएचसी में अल्ट्रासाउंड मशीन की मांगआम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष मनीष गुप्ता के नेतृत्व में आधा दर्जन से अधिक पदाधिकारियों ने मौदहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में अल्ट्रासाउंड मशीन लगाने की मांग की। अपर जिलाधिकारी को सौंपे गए मांग पत्र में बताया गया कि सीएचसी में प्रतिदिन हजारों मरीज इलाज के लिए आते हैं, जिनमें से अधिकांश पेट संबंधी बीमारियों से पीड़ित होते हैं। इसके अलावा, सैकड़ों गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड की आवश्यकता पड़ती है। मशीन न होने के कारण मरीजों को निजी पैथोलॉजी में मोटी रकम चुकानी पड़ती है। इस अवसर पर आप के नगर अध्यक्ष गुलाम मोहम्मद, विनोद सिंह, अनीता शिवहरे, बाबूराम मिश्रा, कलीम उद्दीन सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

एस.एम.जी.आई.के इंद्रजीत ने बी.फार्मा में किया टॉप

इटावा, अवधनामा ब्यूरो। सर मदनलाल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स (एस.एम.जी.आई.)के बी.फार्मा तृतीय सेमेस्टर के छात्रों ने ए.के.टी.यू., लखनऊ द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया है। इस बार भी परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। बी.फार्मा तृतीय सेमेस्टर में इंद्रजीत बाथम ने 84.4 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम, पीयूष शाक्य ने 80.26 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय, पारुल ने 79.6 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय, ऋषभ गुप्ता ने 78.67 प्रतिशत अंकों के साथ चतुर्थ, देव बाथम ने 77.33 प्रतिशत अंकों के साथ पंचम और देवांगी यादव ने 77.2 प्रतिशत अंकों के साथ छठा स्थान प्राप्त किया। संस्थान के निदेशक डॉ. उमा शंकर शर्मा ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनकी मेहनत, समर्पण और अनुशासन की सराहना की। संस्थान के चेयरमैन डॉ. विवेक यादव ने इस उत्कृष्ट परिणाम पर निदेशक, फैकल्टी और छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एडीएम व अन्य अधिकारियों ने पौधे वितरित किए

इटावा, जसवंतनगर। पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय में वृद्धि के दोहरे उद्देश्य से तहसील परिसर में एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वन क्षेत्राधिकारी अमित कुमार सिसोदिया के संयोजन में हुए इस कार्यक्रम का शुभारंभ अपर जिलाधिकारी एडीएम अभिनव रंजन श्रीवास्तव और एसपी सिटी अभयनाथ त्रिपाठी ने किसानों को पौधे वितरित कर किया। इस अवसर पर एक सौ से अधिक आम, अमरूद, नींबू और जामुन जैसे फलदार व छायादार पौधे किसानों को वितरित किए गए। साथ ही, उन्हें इन पौधों के संरक्षण की शपथ दिलाई गई और मानव जीवन में इनके महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। एडीएम अभिनव रंजन श्रीवास्तव ने पौधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण के दृष्टिकोण से पौधे हम लोगों से कुछ लेते नहीं, बल्कि हमारे स्वास्थ्य के साथ-साथ अन्य तरीकों से भी हमें लाभ देते हैं। पौधारोपण के बाद उनकी सुरक्षा और देखभाल हमारी जिम्मेदारी है। ÷एसपी सिटी अभयनाथ त्रिपाठी ने वृक्षारोपण को जलवायु परिवर्तन से निपटने का एक कारगर माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि आज ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, ऐसे में अधिक से अधिक वृक्ष लगाना समय की मांग है। हर व्यक्ति को साल में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान एसडीएम कुमार सत्यम जीत, तहसीलदार नेहा सचान, सीओ आयुषी सिंह और वन क्षेत्राधिकारी अमित कुमार सिंह सिसोदिया ने भी किसानों को पौधे वितरित किए। इस मौके पर उप क्षेत्रीय वनाधिकारी अजीत पाल सिंह, वन दरोगा ज्ञानेश कुमार सहित कई अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। यह पहल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

56 प्रार्थना पत्र आये, मौके पर 4 शिकायतों का किया गया निस्तारण

सम्पूर्ण समाधान दिवस

अवधनामा ब्यूरो

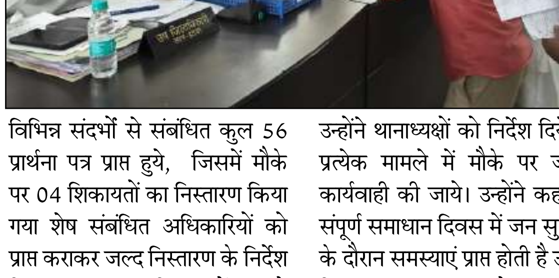

इटावा। जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उन्होंने प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण सम्बंधित कर्मचारियों के साथ मौके पर जाकर शिकायतकर्ता का पक्ष सुनते हुए उसका निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रकरणों की गंभीरता से जांच की जाये साथ ही जबाबदेह लोगों के विरूद्ध कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि जब भी अधिकारीगण गावों के भ्रमण पर जाये अपने विभाग से संबंधित योजनाओं का मौके पर सत्यापन करें तथा लाभार्थियों का फीडबैक भी लें। तहसील सदर में विभिन्न संदर्भो से संबंधित कुल 56 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये, जिसमें मौके पर 04 शिकायतों का निस्तारण किया गया शेष संबंधित अधिकारियों को प्राप्त कराकर जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में सबसे अधिक जमीन से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि एक सप्ताह से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निस्तारण में विलम्ब के कारण का भी उल्लेख किया जाये, साथ ही सभी प्रकरणों को अनिवार्य रूप से एक सप्ताह के भीतर निस्तारित करा दिया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव ने पुलिस विभाग से संबंधित मामलों की सुनवाई की। उन्होंने थानाध्यक्षों को निर्देश दिये कि प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में जन सुनवाई के दौरान समस्याएं प्राप्त होती है उनका निस्तारण शासन स्तर से समस्याओं के निस्तारण के संबंध में समस्या ग्रस्त व्यक्ति से फीडबैक भी लिया जा रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए निस्तारण गुणवत्तापूर्ण कराया जाए। उक्त के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा वृक्षारोपण अभियान के तहत किसानों को पौधे वितरित किए गए। उक्त अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर विक्रम सिंह राघव, मुख्य चिकित्साधिकारी बृजेन्द्र कुमार, क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार सहित अन्य समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पाटनपुर में तालाब की जमीन पर फर्जी बैनामे का आरोप

मौदहा हमीरपुर। पाटनपुर गांव के ग्रामसभा सदस्य रमेश कुमार शुक्ला ने समाधान दिवस में तालाब की जमीन के फर्जी बैनामे की शिकायत दर्ज की। अपर जिलाधिकारी को सौंपे गए शिकायती पत्र में रमेश ने बताया कि वह गांव के राधाकृष्ण रामजानकी मंदिर (गाटा संख्या 391) के पुजारी और व्यवस्थापक हैं। मंदिर के बगल में गाटा संख्या 390 में प्राचीन तालाब और गाटा संख्या 388, 389 में तालाब का पार (भीटा) दर्ज है। आरोप है कि चम्पा देवी पत्नी रामकिशोर तिवारी ने गाटा संख्या 389 (तालाब का भीटा) का फर्जी बैनामा चम्पा देवी पत्नी रामभरोसे धुरिया के नाम करवाया। यह फर्जीवाड़ा तत्कालीन सब रजिस्ट्रार दिव्यांशु श्रीवास्तव और नायब तहसीलदार सत्यप्रकाश वर्मा की सांठगांठ से हुआ।रमेश ने आगे बताया कि रामभरोसे धुरिया के पुत्र फूलचंद ने तालाब के पार पर अवैध कब्जा कर निर्माण शुरू कर दिया है। फूलचंद ने गांव के कन्या माध्यमिक विद्यालय के पास दुकान भी खोल रखी है, जहां अराजक तत्वों का जमावड़ा रहता है, जिससे छात्राओं की सुरक्षा को खतरा है। विरोध करने पर फूलचंद और उनकी मां छेड़खानी में फंसाने और जान-माल की धमकी देते हैं।

जनता दर्शन में सदर विधायक ने सुनी फरियाद

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। रावटसगंज सदर विधायक कैंप कार्यालय पर शनिवार को जनता दर्शन के दौरान क्षेत्र से आए आम जनमानस की समस्याओं को गंभीरता से लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को सदर विधायक भूपेश चौबे ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश। वहीं सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि जनता दर्शन में आए दूर धार क्षेत्र से पीड़ित आम जनमानस की शिकायतों को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देशित कर दिया गया है तत्काल उनकी समस्याओं का निस्तारण करते हुए अवगत कराया जाए वहीं सदर विधायक ने बताया कि ज्यादातर मामले पुलिस थाना वह बरसात से संबंधित हम जनमानस के माध्यम से प्राप्त हुई जिसको लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को कड़े दिशा निर्देशित कर दिए गए हैं किसी प्रकार से लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी जिससे आम जनमानस परेशान हो आम जनमानस की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए कार्य कराया जाएगा।इस मौके पर चूर्क मंडल अध्यक्ष दिलीप चौबे, संजय श्रीवास्तव मनोज सोनकर विमलेश पटेल विकास मिश्रा अमन वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

हज़रत कासिम की याद में निकला मेंहदी का जुलूस

मेंहदी के जुलूस में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

वहाज अली निहाल

1-मेंहदी जुलूस को हरि झंडी दिखाकर रवाना करते साजिद हुसैन साथ में फुरकान अहमद। 2-जुलूस को आगे की ओर रवाना करते एस डी एम विक्रम सिंह राघव व हनी वारसी। 3-एस डी एम विक्रम सिंह राघव का स्वागत करते साजिद हुसैन। 4-दरगाह शरीफ इमामबारगाह में मेंहदी की ज्यारत करते अकीदतमंद। 5-कटरा शहाब खां से मेंहदी जुलूस रवाना होता हुआ। 6-मेंहदी जुलूस में मेहबूब शाह वारसी आदि।

इटावा। बेवा शब्बर की रोकर पुकारी मेरे बच्चें की आती है मेंहदी, लोग करते है क्यों आहों-जारी मेरे बच्चें की आती है मेंहदी। हर साल की तरह इस साल भी मोहर्रम की आठ तारीख को शहीदाने करबला हज़रत कासिम की याद में कटरा शहाब खां स्थित कदीमी मेंहदी वाले स्थान से मेंहदी का जुलूस अदबो एहतराम के साथ हज़रत महबूब शाह वारसी की सरपरस्ती में निकाला गया। मेंहदी की चौकियों को दरगाह हज़रत अबुल हसन शाह वारसी में अरशद वारसी आदि ने सजाकर सरकार वारिसे पाक की गद्दी के बाहर अदब के साथ रखा ढ़ोल-ताशों की सलामी के बाद इमामबारगाह में लाया गया यहां पर दरगाह शरीफ के सेक्रेटरी व आयोजक हनी वारसी, मेहबूब शाह वारसी, तहसीन इलाही आदि ने मेंहदी चौकी की ज़्यारत कर आँखों से लगाया। दरगाह शरीफ के सेक्रेट्री ने मेहबूब शाह, दानिश वारसी, शहज़ाद वारसी एडवोकेट, मुनीर वारसी, रईस उद्दीन वारसी, इलियास वारसी, फरीद वारसी, यूसुफ वारसी, मज़हर वारसी आदि को साफा पहनाकर स्वागत किया उसके बाद मेंहदी चौकियों को कटरा शहाब खां(पंजाबी मोहल्ले) स्थित अपनी कदीमी जगह ले जाया गया यहां पर बैंड बाजो की मातमी धुनों के बीच मेंहदी को सलामी दी गई उसके बाद रात्रि को ही दरगाह वारसी के वरिष्ठ सदस्य साजिद हुसैन वारसी ने हरि झंडी दिखाकर मेंहदी जुलूस को शहर भ्रमण के लिए ?रवाना किया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद फुरकान अहमद, मंसूरी समाज के अध्यक्ष हाजी मुईन उद्दीन मंसूरी, अरशद वारसी, इशरत वारसी, माजिद हुसैन वारसी, अफ़ज़ल वारसी, हैदर हुसैन वारसी, सरवर हुसैन वारसी, मशहूद हुसैन वारसी, अरहम हुसैन, मसूद तैमूरी, इरशाद अहमद, अज़हरुद्दीन आदि काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। जुलूस दरगाह वारसी की ओर आगे रवाना हुआ यहां इमामबारगाह के बाहर आयोजक हनी वारसी आदि ने जुलूस का गर्मजोशी से स्वागत किया। एस डी एम सदर विक्रम सिंह राघव व हनी वारसी ने पुनःसंयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर जुलूस को शहर भ्रमण के लिए आगे की ओर रवाना किया। आगे चलकर हज़रत मज़हर अली शाह शाद वारसी की दरगाह शरीफ पर भी जुलूस का ट्रस्ट द्वारा स्वागत किया गया। दरगाह वारसी के सेकेट्री हसनैन वारसी हनी व साजिद हुसैन वारसी ने मेंहदी के जुलूस सहित अधिकारियों का साफा पहनाकर स्वागत किया। इससे पूर्व बारह अखाडो के खलीफा उस्ताद अपने शिष्यों के साथ चल रहे थे। मेंहदी के जुलूस में सबसे आगे बड़ी तादाद में अलम व जुल्फकार लेकर श्रद्धालु चल रहे थे इसके अलावा शहर के अनेक बैंडों ने शहीदाने कर्बला हज़रत इमाम हुसैन की याद में मरसियों की धुन बजाई जिसको सुनकर जुलुस में मौजूद सभी लोगों की आंखें नम हो गईं। मेंहदी जुलूस में सभी वर्गों के लोगों ने शहर में स्टाल लगाकर लंगर वितरण किया। मेंहदी जुलूस की छटा देखने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब सड़कों पर उमड़ पड़ा। मेंहदी के तुगरे को फूलों से सजाया गया इसके अलावा मदीना शरीफ़ काबा शरीफ़ एवं कर्बला की सैकड़ों झांकियां साथ चल रही थी मेहंदी जुलूस को अपने मुकाम से उठकर शाहकमर मेवाती मोहल्ला कटरा पूरदल खा उर्दू मोहल्ला इस्लामिया इंटर कॉलेज नौरंगाबाद से होता हुआ तिकोनिया मिश्री टोला छैराहा पचराहा राजागंज बलदेव चौराहा होम गंज साबित गंज नया शहर चौराहा रामगंज चौराहा होता हुआ दरगाह हजरत अबुल हसन शाह वारसी पर आकर समय पर समाप्त हुआ यहां पर लोगों को लंगर वितरण के बाद रवाना किया गया। जुलूस में जिला एवं पुलिस की व्यवस्था सराहनीय रही। इस मौके पर खादिम अब्बास, हाजी अज़ीम वारसी, शकील वारसी, फरमान वारसी, अली वारसी, ज़ीशान वारसी, नदीम वारसी, आज़ाद मंसूरी, आरिफ वारसी, इन् ज़ार अहमद आदि काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। जुलूस की सुरक्षा में एडीएम अभिनव रंजन श्रीवास्तव, एसपी सिटी अभयनाथ त्रिपाठी, एसडीएम विक्रम राघव, शहर कोतवाल यशवंत सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

डीएम ने की जा रही तैयारियों का लिया जायजा

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने आज शिवद्वार धाम घोरावल में पहुंचकर सावन मास में आने वाले श्रद्धालुओं हेतु की जा रही तैयारियों का जायजा लिये, इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मंदिर परिसर से दूर किला के पास वाहन पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये, सावन मास के दौरान भारी संख्या में जलाभिषेक करने हेतु शिवद्वार धाम घोरावल में आने वाले श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं हेतु की जा रही तैयारियों का जायजा लिये, इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि शिवद्वार धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन की व्यवस्था किला के पास की जाये, मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के दर्शन व जलाभिषेक हेतु महिला व पुरूष हेतु अलग-अलग लाईन लगाकर दर्शन कराने की व्यवस्था की जाये, जहां पर भी बैरिकेटिंग व्यवस्था की आवश्यकता हो, वहां पर बैरिकेटिंग की जाये, उन्होंने कहा कि सी0सी0टी0वी0 कैमरे संचालित रहें और उसकी निगरानी हर समय की जाये, हाईमास्ट लाईट व स्ट्रीट लाईट के मरम्मत का कार्य अधिशासी अभियन्ता विद्युत द्वारा सुनिश्चित की जाये, नगर पालिका व नगर पंचायत के माध्यम से मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये, जिससे कि आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या न हो, उन्होंने कहा कि जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा मंदिर परिसर के पास-पास साफ-सफाई की व्यवस्था सफाई कर्मियों के माध्यम से सुनिश्चित करायी जाये, उन्होंने कहा कि शिवद्वार मंदिर के पास स्थित प्राथमिक विद्यालय घोरावल में श्रद्धालुओं को ठहरने हेतु वाटर प्रूफ टेन्ट जिला पंचायत के माध्यम से लगाया जाये, सड़कों की मरम्मत, गढ्ढा मुक्ति का कार्य अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग प्रान्तीय खण्ड द्वारा कराया जाये। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रमेश कुमार, उप जिलाधिकारी घोरावल प्रदीप कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 अश्वनी कुमार, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

इमाम हुसैन का पैगाम और इमाम हुसैन के लिये सभी धर्मों की अकीदत

आलम रिज़्वी

इमाम हुसैन (अ.स.) का दुनिया के नाम पैगाम उनकी कर्बला की कुर्बानी और उनकी जिंदगी के उसूलों से जुड़े हैं। उनका पैगाम 2-4 पॉइंट के साथ समझ सकते हैं।

1. इंसाफ और सच के लिए खड़े होना : इमाम हुसैन ने यज़ीद की अन्यायपूर्ण और अत्याचारी शासन के खिलाफ खड़े होकर यह पैगाम दिया कि सच और इंसाफ के लिए लड़ना हर इंसान का कर्तव्य है, चाहे हालात कितने भी खराब हों। उन्होंने कर्बला में अपनी और अपने परिवार की कुर्बानी देकर यह दिखाया कि सत्य को कभी झुकने नहीं देना चाहिए।

2. ज़ुल्म के खिलाफ खड़े होना : उनका बलिदान इस बात का प्रतीक है कि अत्याचार और भ्रष्टाचार के सामने चुप रहना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने दिखाया कि सही रास्ते पर चलने के लिए हिम्मत और त्याग की आवश्यकता होती है।

3. इंसानियत और कुर्बानी : इमाम हुसैन की जिंदगी और कर्बला की घटना मानवता, करुणा, और बलिदान की भावना को दर्शाती है। उन्होंने अपने परिवार और साथियों के साथ मिलकर मानवता की रक्षा के लिए सब कुछ कुर्बान कर दिया।

4. मज़हब और इख़्लाख (नैतिकता) की हिफाज़त : इमाम हुसैन ने इस्लाम की बुनियादी बातों (मूल सिद्धांतों) -न्याय, समानता, और नैतिकता-को बचाने के लिए अपनी जान दी। उनका संदेश था कि धर्म को उसके मूल रूप में बनाए रखना और उसे सत्ता के दुरुपयोग से बचाना ज़रूरी है।

5. सब्र और मजबूती : कर्बला में उन्होंने जिस धैर्य और दृढ़ता का परिचय दिया, वह दुनिया के लिए एक प्रेरणा है कि कठिनाइयों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहना चाहिए। उनका सबसे प्रसिद्ध कथन, मृत्यु सम्मान के साथ जीने से बेहतर है, अपमान के साथ जीने से। यह दर्शाता है कि सम्मान और सत्य के लिए जीना ही असली जीवन है।

इमाम हुसैन का संदेश न केवल मुसलमानों के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए है, जो हर युग में अन्याय के खिलाफ संघर्ष और सत्य के लिए खड़े होने की प्रेरणा देता है।

इमाम हुसैन से सभी मजहब के लोगों की अक़ीदत

इमाम हुसैन इब्ने अली, पैगंबर मुहम्मद (स.अ.व.) के नवासे, इस्लाम के इतिहास में एक ऐसी शख्सियत हैं जिनकी अकीदत और एहतेराम न सिर्फ मुस्लिम बिरादरी तक महदूद है, बल्कि मुख्तालिफ (विभिन्न) मज़ाहिब (धर्मों) और कंयुनिटीज़ के लोग भी उनके कुर्बानियों, हिम्मत और इंसानियत के लिए लगन के लिये बहुत एहतेराम के साथ याद करते हैं। उनकी शहादत, जो कर्बला के मैदान में 680 ईस्वी (61 हिजरी) में हुई, न केवल मज़हबी अहमियत (महत्व) रखती है, बल्कि यह इंसानियत, इंसाफ और सच के लिए जद्दोजेहेद (संघर्ष) की पहचान बन चुकी है। यह आर्टिकल इमाम हुसैन के लिये सभी मज़हबों के लोगों की अकीदत और उनकी कुर्बानियों के युनिवर्सल पैगाम पर रौशनी डालता है।

इमाम हुसैन की जिंदगी और उनकी शहादत कर्बला में एक ऐतिहासिक घटना है, जहां उन्होंने यज़ीद की अन्यायपूर्ण हुकूमत के खिलाफ आवाज़ उठाई। उन्होंने सच, इंसाफ और इंसानियत की हिफाज़त के लिए अपने परिवार और कुछ वफादार साथियों के साथ कर्बला के मैदान में डटकर मुकाबला किया। यह कुर्बानी न सिर्फ एक मज़हबी कहानी है बल्कि नाइंसाफी के खिलाफ खड़े होने और सच के लिए जान देने का जज़्बा है। यही वजह है कि उनकी कहानी मुख्तलिफ मज़ाहिब और कल्चर के लोगों के दिलों को छूती है।

मुख्तलिफ मज़ाहिब में इमाम हुसैन के लिये एहतेराम

इस्लाम : मुस्लिम समुदाय, ख़ास तौर पर शिया मुसलमान, इमाम हुसैन को तीसरा इमाम मानते हैं। हर साल मुहर्रम के महीने में, खासकर अशूरा के दिन, उनकी शहादत को याद किया जाता है। सुन्नी मुसलमान भी उनकी इस कुर्बानी को इस्लाम के लिए बहुत अज़ीम मानते हैं और उनकी याद में ग़म मनाते हैं।

हिंदू धर्म : भारत जैसे बहुत से कल्चर वाले देश में, हिंदू समाज के लोग भी इमाम हुसैन की कुर्बानी से प्रेरित हैं। कई हिंदू परिवार मुहर्रम के दौरान ताज़िया निकालने में हिस्सा लेते हैं और इमाम हुसैन की शहादत को सच और इंसानियत के लिए कुर्बानी को देखते हैं। कुछ हिंदू विद्वानों ने इमाम हुसैन की जिंदगी को भगवद्गीता के उस संदेश से जोड़ा है, जिसमें श्रीकृष्ण धर्म की रक्षा के लिए युद्ध करने का उपदेश देते हैं।

सिख धर्म : सिख समुदाय में भी इमाम हुसैन का विशेष सम्मान है। सिख गुरुओं ने अन्याय और अत्याचार के खिलाफ लड़ने की शिक्षा दी, और इमाम हुसैन का बलिदान इस सिद्धांत का प्रतीक माना जाता है। कुछ ऐतिहासिक स्रोतों के अनुसार, सिख गुरुओं ने कर्बला की घटना का उल्लेख किया और इसे धर्म और सत्य के लिए बलिदान का उदाहरण माना।

ईसाई धर्म : ईसाई समुदाय में भी इमाम हुसैन के बलिदान को मानवता और नैतिकता के लिए प्रेरणा के रूप में देखा जाता है। उनकी कहानी को ईसा मसीह के बलिदान से तुलना की जाती है, जहां दोनों ने सत्य और मानवता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। कई ईसाई विद्वान और विचारक इमाम हुसैन के बलिदान को एक ऐसी कहानी मानते हैं जो धार्मिक सीमाओं से परे है।

अन्य समुदाय : भारत और अन्य देशों में बौद्ध, जैन और पारसी जैसे समुदायों के लोग भी इमाम हुसैन के बलिदान को मानवता और नैतिकता के प्रतीक के रूप में देखते हैं। उनकी कहानी अहिंसा, करुणा और सत्य जैसे मूल्यों को दर्शाती है, जो इन धर्मों के मूल सिद्धांतों से मेल खाते हैं।

भारत में इमाम हुसैन की याद

भारत में मुहर्रम का आयोजन एक अनूठा उदाहरण है, जहां विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ आकर इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हैं। हिंदू, सिख, और अन्य समुदायों के लोग ताज़िया जुलूसों में शामिल होते हैं, मातम करते हैं और इमाम हुसैन के बलिदान को श्रद्धांजलि देते हैं। लखनऊ, हैदराबाद, और जम्मू-कश्मीर जैसे क्षेत्रों में, मुहर्रम के दौरान धार्मिक सद्भाव की मिसाल देखने को मिलती है। कई गैर-मुस्लिम कवियों और लेखकों ने अपनी रचनाओं में इमाम हुसैन के बलिदान की प्रशंसा की है।

इमाम हुसैन का संदेश

इमाम हुसैन का बलिदान हमें यह सिखाता है कि सत्य और न्याय के लिए खड़ा होना हर इंसान का कर्तव्य है, चाहे उसका धर्म या विश्वास कुछ भी हो। उनका जीवन हमें यह दिखाता है कि जब अन्याय और अत्याचार अपने चरम पर हों, तो चुप रहना या समझौता करना सही नहीं है। उनकी कहानी आज भी उन लोगों के लिए प्रेरणा है जो अपने समाज में बदलाव लाना चाहते हैं।

- इमाम हुसैन का बलिदान धार्मिक सीमाओं को पार कर एक वैश्विक प्रतीक बन चुका है। उनकी अकीदत न केवल मुसलमानों में, बल्कि हिंदू, सिख, ईसाई, और अन्य समुदायों में भी देखी जाती है। यह उनके बलिदान की महानता और उनके संदेश की सार्वभौमिकता को दर्शाता है। इमाम हुसैन की याद में हर साल मनाया जाने वाला मुहर्रम हमें एकजुटता, मानवता और सत्य के लिए संघर्ष की प्रेरणा देता है। उनकी शहादत का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना सैकड़ों साल पहले था, और यह सभी धर्मों के लोगों को एकजुट करता है।

हुसैन की क़ुर्बानी का उद्देश्य और उसका प्रभाव

- यज़ीद की हुकूमत ने लोगों के दिलों में डर बैठाने के लिए ज़ुल्म और बर्बरता की ऐसी तलवार चलाई कि न सिर्फ़ इंसानी जिस्मों को क़त्ल किया गया बल्कि उनके जज़्बात और आत्म-सम्मान को भी रौंद दिया गया। नतीजा यह हुआ कि जनता ने इन ज़्यादतियों पर कानाफूसी तक बंद कर दी। न्यायप्रिय लोगों के लिए जीवन मृत्यु से बदतर हो गया। मुसलमानों की अंतरात्मा मर चुकी थी, बलिदान की भावना समाप्त हो चुकी थी, साहस और हिम्मत ग़ायब हो चुकी थी, शर्म-हया बची नहीं थी, और ईमान का अता-पता नहीं था। हुकूमत ने जिस योजना से इंसाफ को मिटाने और ज़ुल्म को आम करने की कोशिश की थी, वह सफल होती दिख रही थी।
- अब इंसानियत की रक्षा के लिए मृत ज़मीरों को जीवित करना अत्यंत आवश्यक हो गया था। और यह स्पष्ट है कि जब मानव विचार पक्षाघात का शिकार हो जाए, तो उसमें सच्चाई और न्याय की चेतना जगाने के लिए एक असाधारण घटना की आवश्यकता होती है जो विचारों को झकझोर दे। लिहाज़ा इमाम हुसैन को कर्बला के मैदान में एक ऐसी क़ुर्बानी पेश करनी थी जो पहले कभी देखी न गई हो, ऐसा सब्र दिखाना था जिसकी मिसाल इतिहास में नहीं थी। और इस क़ुर्बानी का उद्देश्य था–जनमानस को इस सच्चाई से परिचित कराना कि केवल ताक़त और सत्ता को हक़ न समझा जाए, बल्कि हक़ को हक़ माना जाए और उस पर अमल किया जाए।

डॉ. मूसी रज़ा
सहायक प्रोफ़ेसर, ख़्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि

कर्बला की त्रासदी इतिहास की वह दुखद घटना है, जिसे न तो वक़्त की गर्द छिपा सकी और न ही समय की करवटें उसे मिटा सकीं। दुनिया ने कई बड़े-बड़े घटनाक्रम भुला दिए, लेकिन हुसैन की क़ुर्बानी को कभी भुला नहीं सकी। यज़ीद के ज़ुल्म ने हर संभव प्रयास किया कि कर्बला से उठने वाली सच्चाई की आवाज़ को दबा दिया जाए, लेकिन यह वह आवाज़ थी जिसने ज़ालिमों के तख़्तों को हिला दिया। आज कर्बला सिर्फ़ एक इस्लामी घटना नहीं है, बल्कि इंसानियत के लिए एक वैश्विक संदेश बन चुका है। पहली मुहर्रम से बिना किसी धार्मिक भेदभाव के, दुनिया के कोने-कोने में इमाम हुसैन की याद मनाई जाती है।

इमाम हुसैन ने ऐसी महान क़ुर्बानियाँ दीं जिनकी मिसाल इतिहास में नहीं मिलती। ज़ालिम ने अपनी सारी ताक़त झोंक दी, लेकिन हुसैन के हौसले को नहीं तोड़ सका। जब छह महीने के मासूम अली असग़र पर ज़ुल्म हुआ, तो अर्श कांप गया, ज़मीन हिल गई, मगर हुसैन ने सब्र का दामन नहीं छोड़ा। जब सब कुछ क़ुर्बान हो गया, तो इमाम हुसैन ने कर्बला की रेत पर अपनी पेशानी रख कर आख़िरी सजदा किया और शिम्र का खंजर उस गले पर चला जिसे पैग़ंबर-ए-इस्लाम चूमा करते थे। और इस तरह हुसैन ने हक़ की राह में अपनी जान न्यौछावर कर दी।

इतनी बड़ी क़ुर्बानी केवल उसी समय दी जाती है जब उद्देश्य भी उतना ही महान हो। इससे यह साबित होता है कि इमाम हुसैन का मक़सद सिर्फ़ एक जंग जीतना नहीं था, बल्कि इंसानियत की अंतरात्मा और नैतिक सच्चाई को ज़िंदा रखना था। उनकी लड़ाई तलवारों की नहीं थी, बल्कि ज़मीर की जागरूकता, सत्य की बुलंदी और ज़ुल्म के इंकार की जंग थी। आइए, समझने की कोशिश करें कि यह कैसे संभव हुआ।

याद रखें, किसी भी न्यायप्रिय और निष्पक्ष व्यवस्था को समाप्त करने के लिए सबसे पहले उसके मूलभूत और सच्चाई से जुड़े सिद्धांतों को मिटा देना आवश्यक होता है। उसके नियम और क़ायदे इस हद तक विकृत कर दिए जाते हैं कि उसकी असल पहचान खो जाती है। जब अत्याचार की काली आंधियाँ ऐसी किसी व्यवस्था को अपने शिकंजे में ले लेती हैं, तो वे न्याय के उस दीपक को बुझा देती हैं, जो कभी गुमराही में रास्ता दिखाता था। जैसे ही यह दीपक बुझता है, लोग सीधे रास्ते से भटक कर कई दिशाओं में बंट जाते हैं और इस तरह उस व्यवस्था का मूल उद्देश्य–न्याय कायम रखना और अत्याचार के विरुद्ध आवाज़ उठाना–समाप्त हो जाता है और वह व्यवस्था केवल एक नाम बन कर रह जाती है।

लेकिन ऐसा विनाश तभी संभव होता है जब उस व्यवस्था के अनुयायी और संरक्षक प्रतिक्रिया देना बंद कर दें, जब वे भ्रष्टाचार के सामने चुप्पी साध लें। जो लोग किसी न्याय प्रणाली को नष्ट करना चाहते हैं, वे सबसे पहले ऐसा वातावरण बनाते हैं जहाँ लोग आवाज़ नहीं उठा सकें, आंदोलन तो दूर की बात है। चाहे इसके लिए ज़ालिम को ज़ुल्म का सहारा लेना पड़े या डर का।

हुसैन के मिशन की सफलता का आरंभ कर्बला के मैदान से ही हो गया था। सबसे पहले यज़ीद की फ़ौज के एक अधिकारी हुर बिन यज़ीद ने, जो 2 मुहर्रम को इमाम हुसैन को कर्बला में रुकने पर मजबूर कर चुका था, 10 मुहर्रम आते-आते इमाम के सत्यप्रिय सिद्धांतों और अत्याचार के खिलाफ विरोध से इतना प्रभावित हुआ कि उसने ज़िल्लत की ज़िंदगी छोड़ कर इज्ज़त की मौत को चुना और हुसैन की फ़ौज में शामिल हो गया।

हुसैन के मिशन की यह पहली सफलता थी, जो उनके बलिदान के पूर्ण होने से पहले ही प्रकट हो गई। शायद ही मानव इतिहास में ऐसी कोई क़ुर्बानी होगी जिसने इतने कम समय में इतना गहरा प्रभाव डाला हो।

अब शहादत के बाद हुसैन के मिशन–अत्याचार के विरुद्ध जन-जागरण–का विस्तार होने लगा। धीरे-धीरे लोगों में अत्याचार के खिलाफ आवाज़ उठाने की हिम्मत और साहस पैदा होने लगा। एक वह समय था जब हुसैन का नाम दरबार में लेना मना था। लेकिन अब, जब इब्न ज़ियाद ने यह सोचते हुए कि उसने हुसैन का मिशन खत्म कर दिया है, हुसैन के कटे सर के साथ बेअदबी की , तो बूढ़े सहाबी ज़ैद बिन अर्क़म ने निडर होकर विरोध किया और हुसैन के मक़सद की सफलता की घोषणा की।

इस बलिदान का इतना प्रभाव हुआ कि यज़ीद का बेटा भी, अपने पिता की मृत्यु के बाद, उसकी अन्यायपूर्ण और अत्याचारी नीतियों की निंदा करते हुए गद्दी पर बैठने से इनकार कर दिया। 65 हिजरी में हुसैन के मिशन ने एक आंदोलन का रूप ले लिया और अत्याचारियों के खिलाफ कमर कस ली। इस तरह हुसैन ने मानव हृदय और आत्मा में अत्याचार के विरुद्ध विरोध की भावना को फिर से जीवित कर दिया। यह चेतना केवल इस्लामी शासन या मुसलमानों तक सीमित नहीं रही, बल्कि दुनिया भर के शासकों, राजनीतिज्ञों, विद्वानों, धार्मिक नेताओं और बुद्धिजीवियों ने हुसैन की क़ुर्बानी की सराहना की और उसे अपने लिए प्रेरणा का स्रोत माना।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के नेता महात्मा गांधी ने कहा, मैंने इमाम हुसैन से सीखा कि कैसे सताए जाने पर भी जीत हासिल की जा सकती है। इस्लाम तलवार से नहीं, बल्कि हुसैन की महान क़ुर्बानी से ज़िंदा रहा। (स्रोत : Young India, 1924)

ब्रिटिश विचारक थॉमस कार्लाइल ने कहा, कर्बला का सबसे बड़ा सबक यह है कि हुसैन और उनके अनुयायी ईश्वर पर अपार विश्वास रखने वाले थे। उन्होंने यह साबित किया कि जब सत्य झूठ से टकराता है, तो संख्या का कोई महत्व नहीं होता।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के इस्लामी इतिहास के प्रसिद्ध विद्वान एडवर्ड ब्राउन ने कहा क्या इतिहास में कभी ऐसी अद्वितीय वीरता देखी गई है? एक प्यासा व्यक्ति, जो अपने परिवार की लाशों से घिरा है, फिर भी अत्याचार के सामने झुकता नहीं।

ब्रिटिश इतिहासकार सर पर्सी साइक्स ने इमाम हुसैन की क़ुर्बानी को सिर्फ़ इस्लाम की नहीं, बल्कि दुनिया के इतिहास की सबसे बड़ी क़ुर्बानी बताया। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इसे हर धर्म और जाति के लिए एक प्रेरणास्रोत बताया।

दुनिया नेल्सन मंडेला के उस बयान को भी नहीं भूल सकती जिसमें उन्होंने कहा था मैंने 20 साल से अधिक समय जेल में बिताए और एक रात मैंने शासन की सभी माँगें मान लेने का निर्णय ले लिया। लेकिन अचानक मुझे इमाम हुसैन और कर्बला का संघर्ष याद आया, और उसने मुझे स्वतंत्रता और न्याय की रक्षा के लिए फिर से खड़ा होने की ताक़त दी।

ईसाई लेखक अंतोन बार्रा ने तो यहां तक कहा अगर हुसैन हमारे होते, तो हम हर शहर में उनका झंडा लहराते, उनकी याद में मीनार बनाते और उनके नाम पर ईसाई धर्म का प्रचार करते।

भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन, सरोजिनी नायडू, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, रवींद्रनाथ टैगोर, मुंशी प्रेमचंद आदि ने भी इमाम हुसैन और कर्बला की क़ुर्बानी को याद किया और स्पष्ट किया कि यह क़ुर्बानी केवल यह नहीं सिखाती कि अत्याचार से लड़ना है, बल्कि यह भी सिखाती है कि अगर सत्य के लिए जान भी देनी पड़े, तो उसे गर्व से देना चाहिए। यही वह संदेश है जो कर्बला से उठा और संवेदनशील दिलों में बस गया।

यही कारण है कि इमाम हुसैन किसी एक क़ौम, धर्म या वर्ग के नहीं हैं–वह पूरी मानवता के इमाम बन चुके हैं।

जैसा कि प्रसिद्ध शायर जोश मलीहाबादी ने ख़ूबसूरती से कहा -

क्या सिर्फ़ मुसलमान के प्यारे हैं हुसैन?
चर्ख़-ए-नौ-ए-बशर के तारे हैं हुसैन।
इंसान को बेदार तो हो लेने दो,
हर क़ौम पुकारेगी 'हमारे हैं हुसैन!'

अज़ादारी-ए- इमाम हुसैन आतंकवाद और ज़ुल्म के ख़िलाफ़ जागरूकता का केंद्र

सय्यद क़मर अब्बास क़मबर नक़वी सिरसवी

इस्लाम के इतिहास का सबसे अफ़सोसनाक और दर्दनाक वाक़िआ ज़ुल्म-ए-कर्बला है। पैग़म्बर- ए- इस्लाम हज़रत मुहम्मद साहब की वफ़ात को अभी पचास (50) साल ही गुज़रे थे कि खुदसाख़्ता ख़लीफ़ा यज़ीद इब्न-ए-मुआविया इस्लामी क़वानीन (नियमों) का मज़ाक़ उड़ाने लगा, उसने इस्लामी अहकाम की खुल्लमखुल्ला ख़िलाफ़वरज़ी शुरू कर दी और फिर इमाम हुसैन से बैअत (समर्थन) का मुतालबा भी कर दिया। वारिस-ए-पैग़म्बर इमाम हुसैन की बैअत का मतलब था यज़ीद के गलीज़ और नापाक करतूतों की ताईद और अस्ल दीन-ए-इस्लाम का ख़ात्मा। इमाम हुसैन ये कैसे बर्दाश्त कर लेते! चुनांचे इस्लाम की बक़ा के लिए इमाम हुसैन ने अपनी, अपने भाइयों, भतीजों, भांजों, बेटों, अज़ीज़ों और अस्हाब (साथियों) की क़ुर्बानी पेश की, लेकिन यज़ीद जैसे ज़ालिम और जाबिर के सामने सर झुकाना क़ुबूल नहीं किया। आज इमाम हुसैन की सीरत पर अमल करते हुए रहबर-ए-मुअज़्ज़म आयतुल्लाह सय्यद अली ख़ामेनेई ने दुनिया के सबसे बड़े आतंकियों के आगे ना झुक कर पूरी इस्लामी दुनिया का सर और वक़ार बुलंद किया है।

61 हिजरी, मुहर्रम कि 10 तारीख़ (यौम-ए-आशूरा) वो अलमनाक (अफ़सोसनाक) दिन था जब यज़ीद इब्ने मुआविया के हुक्म पर पैग़म्बर साहब? के नवासे, हज़रत अली? और बीबी हज़रत फ़ातिमा ज़हरा? के बेटे इमाम हुसैन और आपके अज़ीज़ व अक़ारिब पर ऐसी दहशतगर्दी और ज़ुल्म-ओ-बर्बरियत का मुज़ाहरा किया गया कि आसमान,ज़मीन, जिन, इंस और कायनात का ज़र्रा-ज़र्रा ग़म वा सौग़ में डूब गया। लेकिन तारीख़ भी गवाह बनी कि इमाम हुसैन और हुसैनियों ने इस्लाम की बक़ा के लिए ज़ुल्म-ओ-जबर के सामने जिस यक़ीन और मज़बूती का मुज़ाहरा किया है, उसकी मिसाल तारीख़ पेश नहीं कर सकती।

कर्बला कोई हादसा नहीं बल्कि यह इस्लाम और इंसानियत की तारीख़ में अद्ल वा हक़ के क़ियाम की सबसे बुलंद आवाज़ है। जब फासिक़-ओ-फाजिर यज़ीद मलऊन ने ग़ासिबाना तख़्त वा ताज के नशे में इस्लाम को ज़ुल्म, जब्र, फहाशी और दहशतगर्दी के निज़ाम में बदलने की नाकाम कोशिश की, और फ़रज़ंद-ए-पैग़म्बर इमाम हुसैन से बैअत तलब की, तब इमाम हुसैन? ने उस नापाक निज़ाम के ख़िलाफ़ क़ियाम किया। आपने फ़रमाया मुझ जैसा, उस जैसे की बैअत नहीं कर सकता। इमाम हुसैन का यह एलान सिर्फ़ उस वक़्त की ज़ालिम हुकूमत के लिए नहीं था बल्कि हर दौर के ज़ालिम और दहशतगर्द निज़ाम के लिए चैलेंज था। जिसकी ज़िंदा मिसाल आज ईरान है। इरान के हुसैनीयूं ने साबित कर दिया कि इस्लाम के अस्ल पैरोकार और प्यारे नबी? के उम्मती वही हैं जो अल्लाह पर भरोसा, शहादत व आख़िरत पर मुकम्मल यक़ीन और जान की परवाह किए बग़ैर ज़ालिमों और दहशतगर्दों के मुक़ाबले में पूरी ताक़त के साथ डट जाएँ, फ़त्ह व नुसरत, कामयाबी व कामरानी और हयात-ए-जॉवेदानी उन्हीं को नसीब होती है।

इमाम हुसैन की शहादत की याद में आप के मोहिब हर साल मुहर्रम व सफ़र में ख़ुसूसियत के साथ सौग़ वा अज़ादारी और आप के क़ातिलों से बेज़ारी का इज़्हार करते हैं। इमाम हुसैन की क़ुर्बानी की याद में बर्पा होने वाली अज़ादारी यानी मजालिस, जुलूस और तब्बरुकात महज़ गिरया व मातम का नाम नहीं, बल्कि ये अल्लाह कि निशानियां हैं और इन्हें को ज़िंदा रखना हमारी शरीई और देनी ज़िम्मेदारी है। अज़ादारी-ए-इमाम हुसैन हर आशिक़-ए-अहल-ए-बैत को ज़ालिम और दहशतगर्द के ख़िलाफ़ एक सफ़ में लाकर खड़ा कर देती है। मुहिब्बने इमाम हुसैन हर साल अज़ादारी के ज़रिए पूरी दुनिया में हक़ की हिमायत और ज़ुल्म व दहशतगर्दी से बेज़ारी और इंसानी ग़ैरत को बेदार करने का पैग़ाम देते हैं। अज़ादारी-ए-इमाम हुसैन और कर्बला मज़लूमीन को ये सबक़ देती है कि ज़ालिम और दहशतगर्दों के मुक़ाबले में अल्लाह की ज़ात पर तवक्कुल (भरोसा) करके मैदान में उतर जाओ। याद रखो ज़ालिम और दहशतगर्दों के मुक़ाबले में अपनी तादाद को कम जानकार मायूस हरगिज़ मत होना। अल्लाह तुम्हारे मामूली असलहों को वक़्त के सबसे बड़े हथियारों से भी ज़्यादा ताक़तवर बना देगा, बस ज़रूरत है कोशिश, हौसले और ज़िम्मेदारी को जाने की जो हमें कर्बलाइयों और हुसैनियों से मिलता है।

अज़ादारी-ए-इमाम हुसैन दहशतगर्दी के हर रूप का ख़ातमा करती है, चाहे वो मज़हब कि बुनियाद पर हो, मूलक के नाम पर हो, या हुकूमत की सूरत में हो। अज़ादारी में शरीक हर फ़र्द ये पैग़ाम देता है कि हम मज़लूम के साथ हैं, हम ज़ुल्म से नफ़रत करते हैं। यही वजह है कि ज़ुल्म फ़िलिस्तीन में होता है, जहाँ की कुल आबादी सुन्नी मुसलमानो कि है, मगर मैदान में ईरान के हुसैनी आते है। ज़ुल्म का शिकार पाराचनार के लोग होते हैं, मगर एहतिजाज की सदा दुनिया भर के अज़ादार-ए-हुसैन उठाते हैं। क्यूँकि अज़ादारी दहशतगर्दी और ज़ुल्म के ख़िलाफ़ एक मुस्तक़िल तहरीक है। इमाम हुसैन की शहादत का मक़सद और पैग़ाम अज़ादारी की सूरत में आज भी ज़िंदा है।

अज़ादारी-ए-इमाम हुसैन बेदारी और शऊर की अलामत है। यह जज़्बा-ए-हुर्रियत है जो मजालिस, जुलूस, नौहा, मर्सिया, मातम और तब्बरुकात की शक्ल में हर दौर की यज़ीदियत के ख़िलाफ़ जारी है। यही वजह है कि आज भी दहशतगर्द अज़ादारी को निशाना बनाते हैं, क्योंकि उन्हें मालूम है कि अज़ादारी वो मोर्चा है जहाँ से दहशतगर्दी और ज़ुल्म के ख़िलाफ़ सबसे मज़बूत आवाज़ उठती है।

अज़ादारी-ए-इमाम हुसैन अक़ीदत का अज़ीम और ताक़तवर मरकज़ है जहाँ एक तरफ़ ज़ुल्म व दहशतगर्दी के ख़िलाफ़ आवाज़ बुलंद होती है, वहीं दूसरी तरफ़ इंसानियत, भाईचारे, इत्तेहाद और मोहब्बत का पैग़ाम भी दिया जाता है। क्यूँकि इमाम हुसैन की तहरीक किसी ख़ास क़ौम, मज़हब या मुल्क के लिए नहीं बल्कि पूरी इंसानियत के लिए है। यहाँ तक कि हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने हज़रत इमाम हुसैन को अद्ल व इंसाफ़ का अलमबरदार क़रार देते हुए कहा इमाम हुसैन हमेशा ना-इंसाफ़ी के ख़िलाफ़ सीना-सिपर रहे और अम्न व इंसाफ़ की सरबुलंदी के लिए जाम-ए-शहादत नोश किया। इमाम हुसैन की तालीमात आज भी उतनी ही असरदार हैं जितनी कल थीं।

(14 सितंबर 2018, दाउदी बोहरा जमाअत, इंदौर)

आइए, हम सब मिलकर अज़ादारी-ए-इमाम हुसैन को और पैग़ाम -ए-इमाम हुसैन को दुनिया के सामने पेश करने कि कोशिश करें ताकि हर समाज, तबके, और मुल्क में ज़ुलम और देशतगर्दी का खात्मा हो। इमाम हुसैन का ये पैग़ाम याद रहे अगर दीन-ए-मुहम्मद मेरे ख़ून के बिना बाक़ी नहीं रह सकता, तो ऐ तलवारो! आओ और मुझे टुकड़े-टुकड़े कर दो! अज़ादारी-ए-इमाम हुसैन में हर क़ौम, हर मज़हब और हर तब्क़े के लोग शरीक होकर दहशतगर्दों और ज़ालिमों को ये पैग़ाम देते हैं कि हुसैन और हुसैनी सब के हैं, जबकि यज़ीद और यज़ीदी फ़िक्र इस्लाम और इंसानियत की दुश्मन है। हर वो फ़र्द जो ज़ुल्म के ख़िलाफ़ खड़ा है, इमाम हुसैन का पैरोकार है।

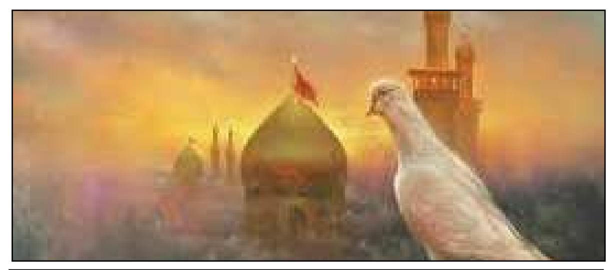

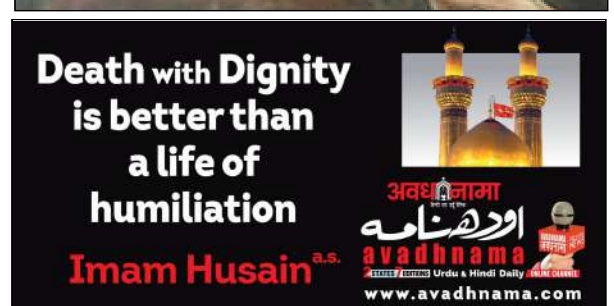

एशियन पेंट्स के एप्कोलाइट ऑल प्रोटेक ने 'लोटस इफेक्ट टेक्नोलॉजी' के साथ इंटीरियर पेंट्स में गोल्ड स्टैंडर्ड को फिर से परिभाषित किया

नई दिल्ली। भारतीय घरों की चहल-पहल और जीवंतता उनकी पहचान है, जिससे ऐसी आंतरिक सज्जा की मांग बढ़ती जा रही है जो न केवल सुंदर हो, बल्कि समय के साथ दाग-धब्बों का भी सामना कर सके। एशियन पेंट्स से बेहतर इस जरूरत को कोई नहीं समझ सकता। भारतीय घरों को बदलने के दशकों के अनुभव के साथ, पेंट्स और डेकोर में देश का अग्रणी नाम अब अपने नवीनतम इनोवेशन – लोटस इफेक्ट टेक्नोलॉजी से युक्त एप्कोलाइट ऑल प्रोटेक को पेश कर रहा है। यह अत्याधुनिक प्रीमियम इंटीरियर पेंट बेहतरीन दाग प्रतिरोधक क्षमता, अग्नि प्रतिरोधी विशेषता और सुंदर फिनिश के साथ आधुनिक जीवनशैली के अनुरूप बनाया गया है। एशियन पेंट्स ने पिछले आठ दशकों में न केवल रंगों में, बल्कि तकनीक, सौंदर्य और प्रदर्शन के क्षेत्र में लगातार नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं। अल्टिमा प्रोटेक में ग्रैफीन-आधारित लेमिनेशन प्रोटेक्शन की शुरुआत से लेकर रोयल में टेफ्लॉन-आधारित दाग प्रतिरोध तकनीक तक, ब्रांड ने श्रेणी में पहली बार कई नवाचारों की एक श्रृंखला पेश की है, जिसने पेंट की क्षमताओं की

परिभाषा ही बदल दी है। अब, उन्नत लोटस इफेक्ट टक्नोलॉजी से युक्त एप्कोलाइट ऑल प्रोटेक, नवाचार की इस यात्रा में एक नया अध्याय है – जो एक बार फिर एशियन पेंट्स को पेंट्स और कोटिंग्स के क्षेत्र में गोल्ड स्टैंडर्ड साबित करता है।

कमल के पत्ते की प्राकृतिक सेल्फ-क्लीनिंग क्षमता से प्रेरित, लोटस इफेक्ट टेक्नोलॉजी एक सुरक्षा कवच बनाती है, जो रोज़मर्रा के घरेलू दागों को जमने से पहले ही हटा देती है। चाहे वह कॉफी हो, सॉस या क्रेयॉन के निशान – यह अगली पीढ़ी का फॉर्मूलेशन कम मेहनत के साथ दीवारों को साफ-सुथरा रखता है, जिससे यह समकालीन भारतीय घरों के लिए एक आदर्श समाधान बन जाता है, जो चहल-पहल और जीवंतता से भरपूर होते हैं।यह पेंट अग्नि प्रतिरोधी के साथ-साथ ताजगी भरी खुशबू भी प्रदान करता है, और मैट और शाइन, दोनों फिनिश में उपलब्ध है। छह साल की परफॉर्मेंस वारंटी के साथ, यह टिकाऊपन और विश्वसनीयता के उच्चतम मानक प्रदान करता है।

लॉन्च के बारे में एशियन पेंट्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री अमित सिंगले ने कहा, एशियन पेंट्स में, हम यह समझने में बहुत समय लगाते हैं कि घर कैसे बदल रहे हैं, और हमारे नवाचार आज के उपभोक्ताओं की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप होते हैं। आजकल घर चहल-पहल से भरे होते हैं – त्योहार, बच्चे, पालतू जानवर और हर रोज़ की घटनाएं दीवारों पर निशान छोड़ती हैं। एप्कोलाइट ऑल प्रोटेक और इसकी लोटस इफेक्ट टेक्नोलॉजी के साथ, हमने एक ऐसा समाधान बनाया है जो इस हकीकत के अनुरूप है। यह इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ दाग प्रतिरोधक क्षमता के कारण दीवारों को साफ रखने के तनाव को दूर करता है। यह स्मार्ट और अधिक आसान जीवन जीने की दिशा में एक कदम है, जहां घर सुंदर बने रहते हैं और रोजमर्रा की चुनौतियों को आसानी से संभाला जा सकता है।

ब्रिटेन में रह रहा आर्म्स कंसल्टेंट संजय भंडारी भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित

नई दिल्ली।दिल्ली की एक अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर ब्रिटेन में रहने वाले आर्म्स कंसल्टेंट संजय भंडारी को शनिवार को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया। विशेष अदालत ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत यह आदेश जारी किया। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। दिल्ली की एक अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर ब्रिटेन में रहने वाले आर्म्स कंसल्टेंट संजय भंडारी को शनिवार को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया। विशेष अदालत ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत यह आदेश जारी किया।

ईडी के अनुसार, भंडारी 2016 में ब्रिटेन भाग गया था। उसके प्रत्यर्पण की भारत की याचिका को हाल ही में ब्रिटेन की एक अदालत ने खारिज कर दिया था। ईडी ने आयकर विभाग द्वारा 2015 के काला धन निरोधक कानून के तहत उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए फरवरी 2017 में भंडारी और अन्य के खिलाफ धन शोधन का आपराधिक मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने 2020 में उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

अब दिल्ली की एक विशेष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय की याचिका को स्वीकार करते हुए ब्रिटेन स्थित हथियार डीलर संजय भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है। विशेष न्यायाधीश संजीव अग्रवाल ने यह आदेश पारित किया है। इससे पहले, संजय भंडारी के वकील ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उसे भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने की याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया था कि ब्रिटेन में उसका निवास वैध है क्योंकि लंदन उच्च न्यायालय ने उसे भारत प्रत्यर्पित करने से इनकार कर दिया है। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अदालत को बताया कि संजय भंडारी की अघोषित विदेशी संपत्ति का मूल्य 100 करोड़ रुपये से अधिक है। एजेंसी ने तर्क दिया कि भंडारी को प्रत्यर्पित करने से यूके की अदालत के इनकार का मौजूदा कार्यवाही पर कोई असर पड़ेगा, क्योंकि ये स्वतंत्र प्रकृति के हैं और भगोड़े आर्थिक अपराधी (एफईओ) अधिनियम के तहत शुरू किए गए हैं।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ एच1 में सबसे ज्यादा कारें बेचीं

नई दिल्ली। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने एच1 2025 में अब तक की सबसे ज्यादा कार डिलीवरी दर्ज करते हुए अपने मजबूत प्रदर्शन को और आगे बढ़ाया है। जनवरी से जून 2025 के बीच कंपनी ने कुल 7,774 बीएमडब्ल्यू और मिनी कारें तथा 2,569 मोटरसाइकिलें बेचीं।

इस दौरान बीएमडब्ल्यू ब्रांड की 7,477 यूनिट्स और मिनी की 297 यूनिट्स की बिक्री हुई। दूसरी तिमाही (अप्रैल से जून) में हर महीने अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की गई। श्री विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट और सीईओ बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा, क्यू1 की मजबूत परफॉर्मेंस को जारी रखते हुए, हमने एच1 में शानदार नतीजे हासिल किए हैं। चुनौतियों के बावजूद, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने 10 प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ दर्ज करते हुए लग्ज़री सेगमेंट में नए अवसरों को तेजी से अपनाया है।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर हमारा फोकस गेम-चेंजर साबित हो रहा है और भारत में बीएमडब्ल्यू सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला लग्ज़री ईवी ब्रांड बन गया है, जिसमें 234 प्रतिशत से ज्यादा की शानदार वृद्धि देखने को मिली है। हमारे एसएवीस और सेडान दोनों में लॉन्ग व्हीलबेस लग्ज़री मॉडल्स की मांग बहुत ज्यादा है, क्योंकि ये कम्फर्ट और शानदार परफॉर्मेंस का बेहतरीन संयोजन पेश करते हैं।

रीटेलडाट नेक्सट ट्रांसफॉर्मेशन और रीलेक्सडाटवीडाटकेयर जैसी ग्राहक सेवाओं के साथ हम अपने ग्राहकों के सफर को और अधिक आरामदायक, भरोसेमंद और आनंददायक बना रहे हैं।'' पिछले तीन वर्षों से बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया देश में लग्ज़री ईवी की बिक्री में अग्रणी रहा है। साल 2025 की पहली छमाही में भी यह बढ़त कायम रही, जिसमें कंपनी ने कुल 1,322 बीएमडब्ल्यू और मिनी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की बिक्री की। इस दौरान ईवी सेगमेंट में कंपनी ने 234 प्रतिशत से ज्यादा की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की। बीएमडब्ल्यूग्रुप इंडिया की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

बीएमडब्ल्यू की लॉन्ग व्हीलबेस वाली गाड़ियों ने एच1 2025 में 159 प्रतिशत से ज्यादा की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है। इसमें बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज़, बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज़, बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज़ और बीएमडब्ल्यू आईएक्स1 जैसे मॉडल शामिल हैं। वर्तमान में बीएमडब्ल्यू की कुल बिक्री में इन मॉडलों की हिस्सेदारी 47 प्रतिशत है। बीएमडब्ल्यू एसएवीस ने एच1 2025 में 17 प्रतिशत से ज्यादा के साथ दहाई अंकों में वृद्धि दर्ज की। क्यू1 में 56 प्रतिशत की तुलना में क्यू 2 में उनकी बिक्री में हिस्सेदारी बढ़कर 59 प्रतिशत हो गई। मिनी ने एच1 2025 में 297 गाड़ियों की डिलीवरी की। मिनी कूपर एस सबसे ज्यादा बिकने वाला मॉडल था और इसकी ब्रिकी में एच1 2024 की तुलना में 60 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई। बीएमडब्ल्यू मोटोराड ने एच1 2025 में 2,569 मोटरसाइकिलों की डिलीवरी की। बीएमडब्ल्यू जी 310 आरआर सबसे लोकप्रिय स्मार्ट-सीसी बाइक थी।

नीरव का भाई नेहल मोदी अमेरिका में गिरफ्तार

वॉशिंगटन। पीएनबी घोटाले में शामिल नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है। ईडी और सीबीआई की ओर से मनी लॉन्ड्रिंग और आपराधिक साजिश के मामलों में प्रत्यर्पण अनुरोध पेश करने के बाद यह कार्रवाई की गई है। भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई और ईडी के प्रत्यर्पण के अनुरोध के बाद उन पर शिकंजा कसा गया है। यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, भगोड़े आर्थिक अपराधी नीरव मोदी के भाई को 4 जुलाई को अमेरिकी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से संयुक्त रूप से किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद हुई। अमेरिकी अभियोजन पक्ष की ओर से दर्ज की गई शिकायत के मुताबिक, प्रत्यर्पण की कार्यवाही दो मामलों में की जा रही है- एक मामला धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 की धारा 3 के तहत धन शोधन का और दूसरा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120-बी और 201 के तहत आपराधिक साजिश का। नेहल मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में वांछित है। यह देश के इतिहास में सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से की गई जांच में नेहल मोदी को नीरव मोदी की आपराधिक आय को वैध बनाने के लिए काम करने वाले अहम शख्स पाया गया था, जो ब्रिटेन से प्रत्यर्पण का भी सामना कर रहा है। नेहल पर आरोप है कि उसने भारतीय कानूनों का उल्लंघन करते हुए शेल कंपनियों और विदेशी लेनदेन के नेटवर्क के जरिए भारी मात्रा में अवैध धन को छिपाने और स्थानांतरित करने में सहायता की। प्रत्यर्पण कार्यवाही के लिए अगली सुनवाई की तारीख 17 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है।

ग्रामीण बेटियों के लिए कैंसर जागरूकता की अलख: मिर्जापुर में स्तुति चैरिटेबल सोसाइटी का आयोजन

सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर पर छात्राओं को मिली वैज्ञानिक जानकारी: डॉ. निरुपमा सिंह ने किया मार्गदर्शन

मिर्जापुर। ग्रामीण भारत की बेटियों को स्वास्थ्य शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम उठाते हुए शनिवार को कैलाहट, चुनार स्थित राम ललित पी.जी. कॉलेज में स्तुति चैरिटेबल सोसाइटी द्वारा महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों पर केंद्रित एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध समाजसेविका एवं स्तुति चैरिटेबल सोसाइटी की संस्थापक डॉ. निरुपमा सिंह उपस्थित रहीं, जो देशभर में स्वास्थ्य जागरूकता की अलख जगा रही हैं। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने नर्सिंग कॉलेज की लगभग 800 छात्राओं को सरल, व्यावहारिक और वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने कैंसर से बचाव के लिए प्रारंभिक लक्षणों की समय पर पहचान, जांच के उचित समय, वैक्सीन की समयावधि और उपचार की विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर जांच, सही जानकारी, स्वस्थ जीवनशैली और संतुलित आहार से इन बीमारियों से न केवल बचाव संभव है, बल्कि समय रहते उपचार भी प्रभावी होता है।

डॉ. निरुपमा सिंह ने अपने संबोधन में सर्वाइकल कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाते हुए बताया कि भारत में हर साल लाखों महिलाएं इन बीमारियों की चपेट में आती हैं, जिनमें से अधिकतर मामलों में देर से पहचान होने के कारण जान का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर मुख्य रूप से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण के कारण होता है और इससे बचाव के लिए ॥क्क्ठ्ठ वैक्सीन का समय पर लेना अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही, नियमित पैप स्मीयर टेस्ट द्वारा शुरुआती चरण में इसका पता लगाया जा सकता है। वहीं ब्रेस्ट कैंसर के लिए महिलाएं स्वयं नियमित रूप से स्तन परीक्षण कर सकती हैं और संदेह होने पर मैमोग्राफी जैसी जांच करानी चाहिए। डॉ. सिंह ने यह भी ज़ोर दिया कि 30 वर्ष की आयु के बाद सभी महिलाओं को साल में एक बार जांच अवश्य करानी चाहिए ताकि समय पर निदान और उपचार संभव हो सके। उन्होंने छात्राओं को यह भी प्रेरित किया कि वे इस जानकारी को अपने परिवार और आस-पास की महिलाओं तक पहुँचाएं, क्योंकि जानकारी ही बचाव का पहला और सबसे मजबूत माध्यम है।

आय समानता मामले में भारत का नया कीर्तिमान; अत्यधिक गरीबी भी घटी

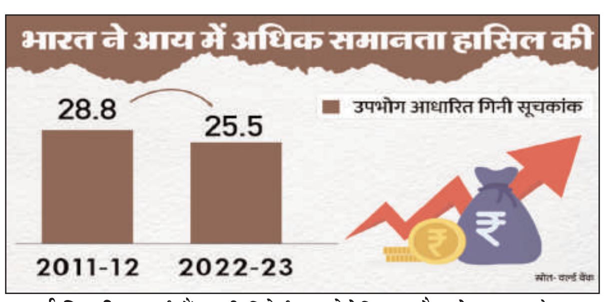

नई दिल्ली। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत 25.5 के गिनी स्कोर के साथ आय समानता में विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर पहुंच गया है। इस मानक के अनुसार भारत ने चीन (35.7), अमेरिका (41.8) सहित सभी जी7 और जी 20 देशों को पीछे छोड़ दिया है। वर्ल्ड बैंक की स्प्रिंग 2025 गरीबी और समानता ब्रीफ के अनुसार 2011 से 2023 के बीच 171 मिलियन (17.1 करोड़) भारतीयों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया।

समानता के पैमाने पर भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देश का गिनी सूचकांक 25.5 पर पहुंच गया है। स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस के बाद भारत समानता के मामले में चौथे स्थान पर आ गया है। गिनी इंडेक्स का मतलब यह है कि किसी देश में आय, संपत्ति या उपभोग किस तरह से घरों या व्यक्तियों में समान रूप से वितरित किया जाता है। इस मामले में भारत ने चीन और अमेरिका जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है।

सरकार का कहना है कि यह भारत के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह दर्शाता है कि आर्थिक प्रगति किस प्रकार देश की जनसंख्या में समान रूप से साझा की जा रही है। इस सफलता के पीछे गरीबी को कम करने, वित्तयी पहुंच का विस्तार करने और सबसे अधिक जरूरतमंद लोगों तक सीधे कल्याण पहुंचाने पर केंद्रित नीतिगत ध्यान है।

गिनी इंडेक्स में 0 पूर्ण समानता और 100 पूर्ण असमानता को दर्शाता है। गिनी इंडेक्स जितना अधिक होगा, देश उतना ही असमान होगा। भारत मध्यम रूप से कम असमानता श्रेणी में आता है, जिसमें 25 से 30 के बीच गिनी स्कोर शामिल है, और यह ÷कम असमानता÷ समूह में शामिल होने से बस थोड़ा सा दूर है। भारत का स्कोर उन सभी 167 देशों से बेहतर है, जिनके लिए विश्व बैंक ने डेटा जारी किया है।

वैश्विक स्तर पर, केवल 30 देश मध्यम रूप से कम असमानता श्रेणी में आते है। इसमें मजबूत कल्याणकारी व्यवस्था वाले कई यूरोपीय देश शामिल हैं। इनमें आइसलैंड, नॉर्वे, फिनलैंड और बेल्जियम शामिल हैं। इसमें पोलैंड जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं और संयुक्त अरब अमीरात जैसे धनी देश भी शामिल हैं। 2011 में भारत का गिनी स्कोर 28.8 था, जो अब घटकर 25.5 हो गया है। यह दर्शाता है कि देश में आर्थिक विकास अपेक्षाकृत अधिक समान रूप से वितरित हुआ है। इस मानक के अनुसार भारत ने चीन (35.7), अमेरिका (41.8) सहित सभी जी7 और जी 20 देशों को पीछे छोड़ दिया है। वर्ल्ड बैंक की स्प्रिंग 2025 गरीबी और समानता ब्रीफ के अनुसार 2011 से 2023 के बीच 171 मिलियन (17.1 करोड़) भारतीयों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया। प्रतिदिन 2.15 अमेरिकी डॉलर से कम पर जीवन यापन करने वाले लोगों की हिस्सेदारी, जो जून 2025 तक अत्यधिक गरीबी के लिए वैश्विक सीमा थी। 2011-12 में 16.2 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में केवल 2.3 प्रतिशत रह गई।

पीएम जनधन योजना, वित्तीय समावेशन भारत के सामाजिक समानता अभियान का केंद्र रहा है। 25 जून, 2025 तक 55.69 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं। आधार और डिजिटल पहचान, इसने नागरिकों के लिए एक अद्वितीय डिजिटल पहचान बनाने में सक्षम बनाया है। 3 जुलाई, 2025 तक, 142 करोड़ से अधिक आधार कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), प्रणाली ने कल्याणकारी भुगतानों को सुव्यवस्थित किया है। मार्च 2023 तक DBT के जरिए सरकार ने करीब ?3.48 लाख करोड़ की बचत की है।

आयुष्मान भारत योजना, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच। इसके तहत 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य बीमा सुविधा दी जा रही है और अब तक 41.34 करोड़ से अधिक कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

स्टैंड-अप इंडिया, इसका उद्देश्य है समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा देना। 3 जुलाई, 2025 तक, 2.75 लाख से अधिक आवेदन स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी कुल निधि ?62,807.46 करोड़ है। यह पहल वंचित समुदायों के व्यक्तियों को अपनी शर्तों पर आर्थिक विकास में भाग लेने का अधिकार देती है।

छोटे कारोबारियों के बीच यूपीआई बना लेन-देन का सबसे पसंदीदा तरीका, डिजिटल तकनीक से बढ़ रहा कारोबार

नई दिल्ली। पेनियरबाई की रिपोर्ट के अनुसार देश के 48त्न छोटे व्यापारियों ने यूपीआई को पसंदीदा भुगतान का तरीका बताया। रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि इससे 42% महिलाएं भी आधार बैंकिंग को प्राथमिकता दे रही हैं। वहीं 71त्न कारोबारी स्मार्टफोन से व्यापार कर रहे हैं, जिससे उन्हें 73त्न का मुनाफा भी हुआ है । देश के छोटे कारोबार (एमएसएमईएस) तेजी से डिजिटल लेन-देन को अपना रहे हैं। मामले में पेनियरबाई की रिपोर्ट की माने तो देश में लगभग 48त्न छोटे कारोबारियों ने यूपीआई को सबसे पसंदीदा भुगतान का तरीका बताया है। इसके बाद आधार आधारित बैंकिंग को 39त्न लोगों ने चुना। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि महिला कारोबारियों के बीच आधार बैंकिंग की पसंद 42त्न तक पहुंच गई है। इसका कारण फिंगरप्रिंट और फेस ऑथेंटिकेशन जैसी सुरक्षित तकनीकों पर बढ़ता भरोसा बताया गया है। सर्वे में शामिल 71% लोगों ने स्मार्टफोन को अपना मुख्य व्यापारिक उपकरण बताया। महिलाओं में यह आंकड़ा और भी ज्यादा, 84त्न तक

पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डिजिटल टूल्स अपनाने से हर तीन में से एक कारोबारी ने अपने कामकाज में सुधार बताया। वहीं 73त्न छोटे व्यवसायियों ने आय बढ़ने या कामकाज में सुधार का अनुभव किया। हालांकि यह संख्या अभी कम है, लेकिन 7त्न कारोबारियों ने एआई और ऑटोमेटेड टूल्स जैसे इन्वेंटरी ऐप्स, बिलिंग सिस्टम और कस्टमर एंगेजमेंट प्लेटफॉर्म्स को इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। वहीं यूपीआई के बढ़ते लेन-देन को लेकर पेनियरबाई के फाउंडर और सीईओ आनंद कुमार बजाज ने कहा कि एमएसएमई भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। डिजिटल टूल्स जैसे स्मार्टफोन, यूपीआई, आधार बैंकिंग और एआई को तेजी से अपनाना दिखाता है कि यह सेक्टर अब पूरी तरह से आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है।

गौरतलब है रि यह सर्वे देशभर के 10,000 लोगों और छोटे व्यापारियों के बीच किया गया, जिसमें किराना स्टोर्स, मोबाइल रिचार्ज शॉप्स, मेडिकल स्टोर्स, कस्टमर सर्विस पॉइंट्स (सीएसपी) और ट्रैवल एजेंसियां शामिल थीं। इसको लेकर रिपोर्ट से साफ तौर पर कहा गया है कि भारत का एमएसएमई सेक्टर अब डिजिटल की ताकत को पहचान चुका है और इससे न सिर्फ उनकी कमाई बढ़ रही है, बल्कि काम भी आसान हो रहा है।

इंटरनेशनल एजुकेशनल फेयर्स सात को, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के 21 विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि लेगें भाग

लखनऊ। आईडीपी एजुकेशन, इंटरनेशनल एजुकेशनसर्विसेज में वैश्विक अग्रणी, सबसे बड़े इंटरनेशनल एजुकेशनल फेयर्स में से एक के हिस्से के रूप में ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के 21 विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों को लखनऊ में ला रहा है। लखनऊ के जो छात्र विदेश में पढ़ाई करने में तेजी से दिलचस्पी ले रहे हैं, उनको आईडीपी एजुकेशन कीये पहल काफी मदद प्रदान करेगी। इसके साथ ही छात्रों और उनके अभिभावकों को प्रमुख विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों से सीधे जुड़ने औरविदेश में पढ़ाई के सभी पहलुओं पर जानकारी प्राप्त करने का अवसर भी मिलेगा। विदेश में पढ़ाई करने के इच्छुक छात्र 7 जुलाई को होटल ताज महल लखनऊ में सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक अलग अलग ग्लोबल यूनिवर्सिटीज के प्रतिनिधियों से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा भारतीय छात्रों के लिए प्रमुख चार विदेशी एजूकेशन स्थलों में से हैं। विदेश मंत्रालय के 2024 के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में इन दोनों देशों के कॉलेज परिसरों में 5 लाख से अधिकभारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे थे। दोनों देशों ने हाल ही में नीतिगत बदलावोंकी घोषणा की है, और आईडीपी के एजुकेशन फेयर का उद्देश्य छात्रों और विश्वविद्यालयों के बीच एक संपर्क के रूप में काम करना होगा, जिससे उन्हें यूनिवर्सिटी और कोर्स चयन, स्कॉलरशिप, इंटर्नशिप, वीज़ाप्रक्रिया, पढ़ाई के बाद काम के अवसर और विदेश में स्टूडेंट लाइफ के बारे में विश्वसनीय और प्रत्यक्ष जानकारी मिल सके। उपस्थित लोगों कोअपने शैक्षणिक और प्रोफेशनल भविष्य के बारे में अच्छी तरह सेजानकारी आधारित फैसला लेने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां औरविशेषज्ञ मार्गदर्शन प्राप्त होगा। सभी आईडीपी सर्विसेज निःशुल्क हैं। इस आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए पीयूष कुमार, रीजनल डायरेक्टर, साउथ एशिया, कनाडा और लैटिन अमेरिका (एलएटीएएम), आईडीपी एजुकेशन ने कहा, ÷लखनऊ के स्टूडेंट वैश्विक करियर बनाने के लिए विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। वेअपने करियर की रुचियों से मेल खाने वाले स्टडी स्थलों और संस्थानों कोचुनने के लिए देश की सीमाओं से परे देख रहे हैं। जैसे-जैसे विदेश में शिक्षा को लेकर रुचि बढ़ती जा रही है, आईडीपी एजुकेशन छात्रों को सीधे विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों और संस्थानों (यूनिवर्सिटीज और इंस्टीट्यूट्स) से जोड़कर इस मांग का समर्थन करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य उन्हें अपनी शिक्षा यात्रा के बारेमें पूरी तरह से सही जानकारी पर आधारित निर्णय लेने और वैश्विक मंचपर सफल होने के लिए आवश्यक जानकारी, संसाधन और विशेषज्ञमार्गदर्शन प्रदान करना है। उपस्थित लोगों को कई मूल्यवान सर्विसेज तक पहुंच प्राप्त होगी, जिसमेंऑन-द-स्पॉट एप्लीकेशन संबंधित सहायता त्वरित एप्लीकेशन हैंडलिंगके लिए फास्टलेन प्रोसेस और आईईएलटीएस (प्म्स्ज्ै) टेस्ट बुकिंग भीशामिल है। वे लिंक्डइन करियर इनसाइट्स टूल के बारे में भी जानकारीप्राप्त कर सकते हैं, जिसे छात्रों को उनके पंसदीदा कोर्सेज के साथ पूरीतरह से मेल खाते संभावित करियर परिणामों का आकलन करने में मददकरने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हर तरह की मदद सुनिश्चित करनेके लिए, बैंकिंग और हाउसिंग पार्टनर्स की एक पूरी रेंज मौजूद होगी - जोएजुकेशन लोन (शिक्षा ऋण) से लेकर फ़ॉरेक्स कार्ड सॉल्यूशंस और तयडेस्टिनेशंस के लिए तैयार की गई विशेषकृत बैंकिंग सेवाओं तक सब कुछप्रदान करेगी।

जेन स्ट्रीट जैसी दिग्गज कंपनियां पीछे हटीं तो खुदरा व्यापार हो सकता है प्रभावित

नई दिल्ली। जीरोधा के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नितिन कामथ ने आगाह किया है। उन्होंने कहा है कि अगर जेन स्ट्रीट जैसी स्वामित्व वाली ट्रेडिंग कंपनियां, जो विकल्प कारोबार में करीब 50 प्रतिशत का योगदान देती हैं। ऐसे में ये अगर बाजार में अपनी भागीदारी कम कर देती हैं तो खुदरा कारोबार की गतिविधि प्रभावित हो सकती है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें जीरोधा के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नितिन कामथ ने आगाह किया है। उन्होंने कहा है कि अगर जेन स्ट्रीट जैसी स्वामित्व वाली ट्रेडिंग कंपनियां, जो विकल्प कारोबार में करीब 50 प्रतिशत का योगदान देती हैं। ऐसे में ये अगर बाजार में अपनी भागीदारी कम कर देती हैं तो खुदरा कारोबार की गतिविधि प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम से एक्सचेंजों और ब्रोकरों दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। कामथ ने एक्स पर कहा, ÷जेन स्ट्रीट जैसी प्रॉप ट्रेडिंग फर्म ऑप्शन ट्रेडिंग वॉल्यूम का लगभग 50त्न हिस्सा हैं। यदि वे पीछे हटते हैं- जो कि संभावित है- तो खुदरा गतिविधि (9 35%) भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए यह एक्सचेंजों और ब्रोकर्स दोनों के लिए बुरी खबर हो सकती है।

सहभागिता योजना के तहत प्राप्त आवेदनों का सीवीओ शीघ्र करें निस्तारण : डीएम

पशुपालन विभाग की बैठक में चारागाह की भूमि संबंधित विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पशुपालन विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओ एवं विभागीय कार्यो की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी द्वारा पशुपालन विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी मुख्य पशुचिकित्साधिकारी से लेते हुए शासन के मंशा के अनुरूप विभागीय योजनाओं एवं विभागीय कार्यो की प्रगति में सुधार हेतु निर्देश दिए गये। बृहद गो संरक्षण केन्द्र कोप जंगल फेज-1 व फेज-2 में संरक्षित गोवंशों के समुचित भरण-पोषण हेतु प्रत्येक माह निर्धारित अवधि तक धनराशि का डिमांड कर लिए जाने एवं मुख्यमंत्री निराश्रित/बेसहारा गोवंश सहभागिता योजनान्तर्गत जनपद के पशुपालकों में सुपुर्द गोवंशों के समुचित भरण-पोषण हेतु समय से पूर्व पालकों को भुगतान किए जाने का निर्देश दिए गए, जिससे पशुपालक प्रोत्साहित होकर मुख्यमंत्री निराश्रित/बेसहारा गोवंश सहभागिता योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कर सके। सहभागिता पोषण मिशन योजनान्तर्गत जिला कार्यक्रम अधिकारी से समन्वय स्थापित कर कुपोषित बच्चों की सूची प्राप्त कर अविलंब सुपुर्दगी की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया।

जनपद में निराश्रित/बेसहारा गोवंशों की संख्या को दृष्टिगत पूर्व में आयोजित बैठक में मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया था जिन तहसीलों में कैटिल कैचर उपलब्ध नहीं है वहां क्रय की कार्यवाही किया जाए, जिसका समुचित अनुपालन न होने पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए अविलंब तहसील खड्डा एवं कप्तानगंज में कैटिल कैचर क्रय कर कृत कार्यवाही से अवगत कराए जाने का निर्देश संबंधित को दिए गए।

जिलाधिकारी ने जनपद मे संरक्षित गोवंश के हरा चारा हेतु 1.21 हे. भूमि पर हुई बुआई शेष कब्जा मुक्त भूमि पर संरक्षित गोवंशों के लिए हरा चारा बुआई व चारागाह की भूमि को संबंधित गो आश्रय स्थल से मैपिंग कराते हुए जनपद के चरागाहों की विवरण ग्रामवार/विकास खण्डवार/तहसीलवार उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी, डीसी मनरेगा राकेश, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ रविन्द्र प्रसाद, डीएसओ सहित जनपदीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम और एसपी के समक्ष 120 मामले, निस्तारण मात्र 8 का

अवधनामा ब्यूरो

पडरौना तहसील में डीएम व एसपी ने सुनी फरियाद, संबंधितों को दिए निर्देश

कुशीनगर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा की उपस्थिति में शनिवार को तहसील पडरौना के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सर्वप्रथम संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर सभागार में आए हुए तहसील क्षेत्र के फरियादियों की समस्याओं व शिकायतों को एक-एक कर गम्भीरता के साथ सुनने के उपरान्त विभागीय अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही उनका निस्तारण किया गया तथा अवशेष प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में संबंधित अधिकारियों को सुचिता एवं पारदर्शिता के साथ समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए प्राप्त करा दिए गए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपूर्ण समाधान दिवस पर आए हुए शिकायतों को सदैव प्राथमिकता पर रखते हुए हर समस्या का निष्पक्ष निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

एसपी संतोष कुमार मिश्रा ने कहा कि भूमि विवाद से संबंधित मामलों को राजस्व विभाग की सहायता से टीम बनाकर प्राथमिकता एवं गुणवत्ता के साथ शत प्रतिशत निस्तारण कराएं। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 120 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से राजस्व विभाग के 77 में से 08 को तत्काल निस्तारित किया गया, पुलिस विभाग से संबंधित 19, विकास विभाग से संबंधित 14, तथा अन्य विभाग के 10 प्रकरण प्राप्त हुए। इस प्रकार कुल 120 में से 08 प्रार्थना पत्र का निस्तारण तत्काल एवं अवशेष प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभाग को समय से पूर्व निस्तारण के निर्देश के साथ सौंपा गया।

वृक्षारोपण महा अभियान में 9 जुलाई को लगेंगे 39.72 लाख पौधे

अवधनामा ब्यूरो

डीएम ने विभागवार वृक्षारोपण के लिए लक्ष्य निर्धारित किया

कुशीनगर। इस वित्तीय वर्ष में नौ जुलाई को वृक्षारोपण महा अभियान के तहत विभिन्न विभागों द्वारा जिले में 39 लाख 72 हजार 500 पौधे जगाए जाएंगे। इसके लिए डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बैठक में लक्ष्य निर्धारित किया है। इस महा अभियान में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा सबसे ज्यादा 15 लाख 71 हजार पौधे लगाया जाएगा।

जिलाधिकारी ने जिला पर्यावरण समिति द्वारा अंतिम आवंटित लक्ष्य के क्रम में बताया कि वन विभाग द्वारा 1049600, पर्यावरण विभाग द्वारा 149000, ग्राम्य विकास विभाग हेतु 1571000, राजस्व विभाग हेतु 132000, पंचायती राज विभाग हेतु 160000, नगर विकास विभाग हेतु 46000, लोक निर्माण विभाग हेतु 11000, सिंचाई एवं जल संसाधन हेतु 5500, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति हेतु 5500, रेशम विभाग हेतु 42000, कृषि विभाग हेतु 513040, पशुपालन विभाग हेतु 6000, सहकारिता विभाग हेतु 7000, उद्योग विभाग हेतु 8000, ऊर्जा विभाग हेतु 4620, माध्यमिक शिक्षा विभाग हेतु 10000,बेसिक शिक्षा हेतु 16000, प्राविधिक शिक्षा हेतु 5000, उच्च शिक्षा हेतु 18000, श्रम विभाग हेतु 2300, स्वास्थ्य विभाग हेतु 9000, परिवहन विभाग हेतु 2200, उद्यान विभाग हेतु 194000, पुलिस विभाग हेतु 5740 तथा रेलवे विभाग, रक्षा विभाग, आवास विकास विभाग, औद्योगिक विकास विभाग को शून्य निर्धारित किया गया है। जनपद में कुल 3972500 पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी ने अपेक्षा की है कि निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति शत-प्रतिशत सुनिश्चित करते हुए, शासनादेश में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करना सुनिश्चित करें।

मोहर्रम जुलूस के लेकर जिले में यातायात व्यवस्था हेतु रूट डायवर्जन

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। मोहर्रम जुलूस को लेकर आज रविवार को यातायात व्यवस्था हेतु रूट डायवर्जन सुबह 4 बजे से लेकर रात 8 बजे तक प्रभावी रहेगा। जुलूस के दृष्टिगत कस्बा पडरौना में बड़े कामर्शियल वाहनों हेतु नो इंट्री प्रातः 05 बजे से प्रभावी रहेगा, नो इंट्री प्वाइंट रविन्द्र नगर चौराहा, बावली चौक, स्टेशन बाईपास, रेलवे स्टेशन मोड़ पर लागू रहेगा।

सायंकाल 08 बजे के बाद नो इंट्री समाप्त होने के उपरान्त रविन्द्रनगर की तरफ से रामकोला, खड्डा जाने वाले वाहन बडी नहर पडरौना से डायवर्ट होकर बावली चौक होते हुए गंतव्य को जायेंगे। खिरकिया बांसी जाने वाले वाहन कठकुईयां स्टेशन बाईपास, खिरकिया होते हुए गंतव्य को जायेंगे। रामकोला, खड्डा से आने वाहन बावली से बडी नहर होते हुए गंतव्य को जायेंगे। खिरकिया बांसी से आने वाले वाहन खिरकिया बाईपास से सिधुआ ढाला होकर, कठकुईयां, बडी नहर होते हुए अपने गंतव्य को जायेंगे।

पडरौना यातायात व्यवस्था हेतु रुट डायवर्जन

1- रामकोला एवं खड्डा रोड की तरफ से आने वाले चार/दो पहिया वाहन बावली चौक से बडी नहर होते हुए अपने गंतव्य को जायेंगे।
2- खिरकिया रोड से आने वाले चार/दो पहिया वाहन अम्बे चौक, बेलवा चुंगी, स्टेशन तिराहा, कठ्कुईयां मोड होते हुए अपने गंतव्य को जायेंगे।
3- दरबार रोड की तरफ से आने वाले चार/दो पहिया वाहन जटहां तिराहा अम्बे चौक, बेलवा चुंगी, स्टेशन तिराहा, कठ्कुईयां मोड होते हुए अपने गंतव्य को जायेंगे।

कसया यातायात व्यवस्था हेतु रुट डायवर्जन

1- पडरौना की तरफ से आने वाले वाहन बैरिया कांटा से सपहा नहर, गोपालगढ होते हुए अपने गंतव्य को जायेंगे।
2- गोरखपुर, देवरिया रोड से कसया होते हुए पडरौना आने वाले वाहन गोपालगढ, सपहा नहर बैरिया कांटा होते हुए अपने गंतव्य को जायेंगे।
3- शहीद चौक से कोई भी वाहन गांधी चौक की तरफ नहीं जायेगा।
4- विशुनपुरा कट से गांधी चौक की तरफ बड़े कामर्शियल वाहन नही जायेंगे।
5- देवरिया ओवरब्रिज एवं गोला बाजार से कोई भी वाहन गांधी चौक की नही जायेगा।
6- सपहा रोड से कोई भी वाहन गांधी चौक की तरफ जायेगा।

डीएम की अध्यक्षता में वृक्षारोपण व पर्यावरण समिति की बैठक संपन्न हुई

जया उल्लाह खान संवाददाता

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार परिसर फतेहगढ़ में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमे 09 जुलाई 2025 को होने बाले वृहद वृक्षारोपण की तैयारियों की समीक्षा की गई, बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी विभाग समय से पौधों का उठान सुनिश्चित करे, किसी भी विभाग को कोई भी समस्या हो तो डी0एफ ओ0 से संपर्क करे, सभी कार्यालयाध्यक्ष अपने विभाग को मिले लक्ष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। वृक्षारोपण सभी का नैतिक व सामाजिक दायित्व है इसका पालन करे, लगाये गये पौधों को सुरक्षित रखे सभी बी0 डी0ओ0 व ई0ओ0अपने अपने क्षेत्र में एक प्रमुख स्थान का चयन कर माननीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर वृक्षारोपण कराये, वृक्षारोपण को उत्सव के रूप में मनाया जाये, सभी पौधों की जिओ टैगिंग कराई जाये।

बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान चलाने व सीजर की कार्यवाही करने व जुर्माना बढ़ाने के निर्देश दिए गये, सभी प्रमुख घाटो पर कूड़े के निस्तारण की प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश भी जिलाधिकारी द्वारा दिये गये।

मंडलायुक्त ने बरहद में किया वृहद पौधारोपण कुपोषण निवारण से जोड़ा अभियान

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मंडल की आयुक्त संगीता सिंह ने ब्लॉक अकराबाद के ग्राम पंचायत बरहद में विशाल वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ करते हुए 16 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले तालाब के चारों ओर बांस, अर्जुन व जामुन के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया।

आयुक्त संगीता सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ दाऊजी मंदिर में पूजा-अर्चना कर मंदिर प्रांगण में कदंब के पौधे लगाकर किया। इसके साथ ही हरिशंकरी साइट पर पीपल, बरगद और पिलखन के पौधों का रोपण कर जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का आह्वान किया।

मंडलायुक्त ने कहा कि तालाबों और उनके आसपास वृक्षारोपण करने से जलस्तर में सुधार के साथ पर्यावरण को शुद्ध करने में मदद मिलती है। इस अवसर पर कुपोषित बच्चों की माताओं को सहजन के पौधे वितरित किए गए। आयुक्त ने माताओं से आग्रह किया कि सहजन लगाकर वे अपने बच्चों और स्वयं अपने लिए भी पोषण का स्थायी स्रोत तैयार करें। कार्यक्रम में सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, डीएफओ नवीन प्रकाश शाक्य, संयुक्त विकास आयुक्त मंशाराम यादव, उपायुक्त मनरेगा अरून सक्सेना, जिला कार्यक्रम अधिकारी के0के0 राय, बीडीओ अकराबाद सुरेश चन्द्र गुप्ता सहित कई अधिकारी एवं ग्रामीण महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं के स्वयं सहायता समूह और मनरेगा श्रमिकों ने मिलकर पौधारोपण कर कार्यक्रम को वृहद रूप प्रदान किया। 'जल-जंगल-जमीन' के संरक्षण के सिद्धांत के अनुरूप किए गए इस वृक्षारोपण से बरहद क्षेत्र में पर्यावरण सहेजने के साथ ही ग्रामीण आजीविका को भी मजबूती मिलेगी।

नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा निरीक्षण में अनुपस्थित मिले नगर पंचायत कर्मचारी

एक दिन का वेतन काटने का अध्यक्षा प्रेमलता गुप्ता द्वारा निर्देश

भाटपार रानी,देवरिया। आदर्श नगर पंचायत भाटपार रानी के अध्यक्षा प्रेमलता गुप्ता द्वारा नगर पंचायत कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें नियमित कर्मचारी रणवीर प्रताप सिंह, संदीप मिश्रा, बिरजानंद यादव, गणेश प्रसाद तथा संविदा कर्मचारी पवन कुमार राय गुड्डी देवी अशोक प्रसाद शिव शंकर प्रसाद आउटसोर्सिंग कर्मचारी करण प्रसाद अर्जुन प्रसाद अनुपस्थित पाए गए, उनकी अनुपस्थिति से जनता का कार्य सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है जिस कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इसी क्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेमलता गुप्ता ने कार्यालय का औचक निरीक्षण किया और इन सभी कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, और इन सभी कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने का अध्यक्षाद्वारा निर्देश दिया गया। साथ ही में इसके संबंध में जिलाधिकारी महोदया को अवगत कराया जाएगा जो विधि संगत कार्यवाही होगी वह की जाएगी

बेहतर परफॉमेंस करने पर 2 महिला उप निरीक्षक सहित कुल 7 उपनिरीक्षकों को नगद धनराशि

एसएसपी अलीगढ़ द्वारा मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में ऑपरेशन कर्तव्यनिष्ठा प्रारम्भ किया गया था। जिसमें थानों पर अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखे जाने एवं थाने पर नियुक्त उपनिरीक्षक/विवेचकों के द्वारा प्रतिदिन किए जाने वाले कार्यो में गुणवत्ता/सुधार/प्रोत्साहन हेतु विभिन्न मानदण्डों के आधार पर एक विशेष अभियान ऑपरेशन कर्तव्यनिष्ठा चलाया गया था। जिसमें 25 मानदण्डों का प्रावधान किया गया है, जिसके अन्तर्गत अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले जनपद के टॉप 5 उपनिरीक्षक एवं 2 सर्वश्रेष्ठ महिला उपनिरीक्षक को पुरुष्कृत किया गया है।

विदित है कि ऑपरेशन कर्तव्यनिष्ठा दिनांक 08.05.2025 को शुरु किया गया था। थानों में दरोगाओं का परफॉर्मेस बेहतर करने के उद्देश्य से ऑपरेशन कर्तव्यनिष्ठा की शुरुआत की गई है । जिसमें हर माह समीक्षा की जाती है तथा बेहतर कार्य करने वाले दरोगाओं को सम्मानित किया जाता है। जिसके क्रम में माह जून (दिनांक 01.06.2025 से 30.06.2025 तक) की समीक्षा के आधार पर टॉप 05 उपनिरीक्षक एवं 02 सर्वश्रेष्ठ महिला उपनिरीक्षक को पुरुष्कृत किया गया है । जिसमें बेहतर परफॉर्मेस के आधार पर सब-इंस्पेक्टर ऑफ द मंथ उ0नि0 सुदीप कुमार थाना खैर व ग्रामीण क्षेत्र से महिला सब-इंस्पेक्टर ऑफ द मंथ म0उ0नि0 निशा उज्जवल थाना टप्पल तथा नगर क्षेत्र से महिला सब-इंस्पेक्टर ऑफ द मंथ म0उ0नि0 विशाखा रानी थाना रोरावर को चुना गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा बेहतर परफॉर्मेस करने वाले 7 उप निरीक्षको को उत्साहवर्धन हेतु 03 दिवस रिवार्ड लीव, नगद धनराशि, मेडल, प्रशस्ति पत्र प्रदान की गई।

नामित उपनिरीक्षक

1. उ0नि0 सुदीप कुमार थाना खैर-- 3000 रुपये, मेडल व प्रशस्ति पत्र
2. उ0नि0 जगदीश कुमार थाना खैर-- 2000 रुपये व प्रशस्ति पत्र
3. उ0नि0 मनीष कुमार थाना टप्पल-- 1000 रुपये व प्रशस्ति पत्र
4. उ0नि0 अजय कुमार थाना टप्पल-- 1000 रुपये व प्रशस्ति पत्र
5. उ0नि0 दयाशंकर थाना गभाना-- 1000 रुपये व प्रशस्ति पत्र
6. म0उ0नि0 निशा उज्जवल थाना टप्पल-- 3000 रुपये व प्रशस्ति पत्र
7. म0उ0नि0 विशाखा रानी थाना रोरावर-- 3000 रुपये व प्रशस्ति पत्र

सी.पी. इंटरनेशनल स्कूल की निदेशक को भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया

अता उल्लाह खान संवाददाता

फर्रुखाबाद। सी.पी. इंटरनेशनल स्कूल की निदेशक डॉ. मिथलेश अग्रवाल को शिक्षा, समाज सेवा एवं व्यापार में विशिष्ट योगदान हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ विधानसभा सचिवालय भवन में प्रदान किया गया, जिसमें प्रदेश के प्रमुख व्यापारीगण सम्मिलित हुए।

विद्यालय परिसर में इस उपलब्धि पर एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत उपनिदेशक श्रीमती अंजू राज एवं प्रधानाचार्य श्री संजय बिष्ट द्वारा डॉ. अग्रवाल को पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर की गई। प्राइमरी विंग की हेड इंचार्ज शिवानी दीक्षित, नवीन शाक्य एवं अन्य कोऑर्डिनेटर्स ने भी उन्हें बुके भेंट कर सम्मानित किया। शिक्षकों, विद्यार्थियों व अभिभावकों ने तालियों के साथ उनका अभिनंदन किया। डॉ. मिथलेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा यह सम्मान पूरे सी.पी. विद्यालय समूह एवं जनपदवासियों का है।

पंचायत चुनाव के पहले कांग्रेस ने तैयार की ब्लाक अध्यक्षों की नई टीम

अवधनामा संवाददाता

महावीर कोरी को बनाया गया अमेठी ब्लाक का अध्यक्ष

अमेठी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से अमेठी संसदीय क्षेत्र के सभी ब्लाक अध्यक्ष बदल दिए गए हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल को मनोनयन सूची भेजते हुए संगठनात्मक कार्यों में सहयोग के निर्देश दिए हैं। जिला प्रवक्ता अनिल सिंह ने बताया कि गौरीगंज में अवनीश मिश्र को कांटीन्यू रखा गया है। महावीर कोरी को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमेठी का अध्यक्ष है।

काशी प्रसाद को तिलोई,मो मजीद अहमद को बाजार सुकुल, मनोज कश्यप को शाहगढ़,मो? रऊफ को बहादुरपुर,पवन? कुमार मिश्र को जगदीशपुर, राजेन्द्र ओझा को मुसाफिरखाना, बृजेश मिश्र को संग्रामपुर,राम मनोहर सरोज को जामों,अजय सिंह को बल्दीराय, प्रदीप सिंह को भादर, अजीत यादव को भेंटुआ,चंद्र मोहन तिवारी को सिंहपुर, धर्मेंद्र सिंह को सलोन, शिव दर्शन पासी को डीह और अनुराग द्विवेदी को छतोह ब्लाक का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। ब्लाक अध्यक्षों में छः ब्राह्मण, तीन क्षत्रिय,तीन दलित , दो मुस्लिम और तीन ओ बी सी हैं।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमेठी के अध्यक्ष का पद डॉ देवमणि तिवारी से लेकर महावीर कोरी को दिया गया है। महावीर कोरी, ताला के निवासी हैं और काफी समय तक बहुजन समाज पार्टी के सेक्टर अध्यक्ष रहे हैं।

अजीत कुमार यादव बने कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष

भेटुआ। ब्लाक कांग्रेस कमेटी भेटुआ अध्यक्ष अजीत कुमार यादव मनोनीत किए गए। दूसरी बार ब्लाक कांग्रेस कमेटी भेटुआ ब्लाक अध्यक्ष अजीत कुमार यादव बनाये गए। जिन्हे कांग्रेस नेता जगदीश सिंह,कौशल किशोर मिश्र,जेपी सिंह,हर्ष कुमार मिश्र, बीके सिंह,राम भुआल कोरी, बिजय कुमार तिवारी,ब्रह्म प्रकाश शुक्ल,रत्नाकर सिंह,शिव बहादुर मौर्य,आदि ने बधाई दी है।

मच्छरों के लार्वा नष्ट करने को गांवों के तालाबों में डाली गई गम्बूजिया

हाई रिस्क क्षेत्र के चिन्हित किए गए तालाब

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। मानसूनी बारिश शुरू हो चुकी है। ऐसे मौसम में मच्छर जनित रोग जैसे मलेरिया, डेंगू, फाइलेरिया व चिकनगुनिया फैलने का खतरा बढ़ गया है। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशन में इन बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए चल रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान व वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा शनिवार को नगरीय क्षेत्र सहित चार ब्लाकों के चिन्हित हाई रिस्क क्षेत्र व गावों के तालाबों में गंबूजिया मछलियां डाली गई हैं। यह मछलियां मच्छरों के लार्वा को नष्ट करती हैं। उन्हें खुले पानी में पनपने से रोकती हैं।

जिला मलेरिया अधिकारी सीपी मिश्रा के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग व मत्स्य विभाग की टीम ने रामपुर कारखाना ब्लॉक के डुमरी, सिधुआ, बैतालपुर ब्लॉक के परसौना, खराइच ,सदर ब्लॉक के गोबराई गांव व नगरीय क्षेत्र के सोमनाथ, देवरही, परमार्थी पोखरा, लक्षीराम पोखरा सहित 11 तालाबों में लगभग 12 हजार गंबूजिया मछली डाली गई । जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि बरसात के मौसम में जलभराव वाले स्थानों पर मच्छर पैदा होने और उन मच्छरों के काटने से बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में ए.ई.एस., मलेरिया व डेंगू का खतरा अधिक रहता है। ऐसे में बिना कोई केमिकल इस्तेमाल किए ईको फ्रेंडली तरीके से मच्छरों को पनपने से रोका जाता है। मछलियों को तालाब में डालने से वहां का पानी तो साफ होता ही है साथ ही मच्छर भी नहीं पनप पाते हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों से अपील की जा रही है कि बारिश के मौसम में अपने घर कूलर, खाली पड़े गमले, टायर या आसपास पानी एकत्र नहीं होने दें, क्योंकि डेंगू का मच्छर अक्सर साफ पानी में पनपता है।

ग्राम पंचायत सरवनपुर में नहीं संचालित हो पाया कूड़ा घर

अमेठी। नगर की सीमा से लगी हुई ग्राम पंचायत सरवनपुर में कूड़ा निस्तारण केंद्र दो साल में भी संचालित नहीं हो पाया है। ग्राम पंचायत में साफ सफाई की स्थिति खराब है। कूड़ा गाड़ी का यहां कोई उपयोग नहीं हो रहा है।

सरवनपुर का एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र सराय राजशाह जाने वाली सड़क के किनारे बना हुआ है। इसके संचालन के मामले में सचिव बिल्कुल गंभीर नहीं हैं। ए डी ओ पंचायत ने भी अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया।

सरवनपुर का एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र सराय राजशाह जाने वाली सड़क के किनारे बना हुआ है। इसके संचालन ?के मामले में सचिव बिल्कुल गंभीर नहीं हैं।ए डी ओ पंचायत ने भी अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया। सरवनपुर में सार्वजनिक स्थलों पर कई जगह गंदगी जमा है। गांव के लोगों ने बताया कि शासन की ओर कूड़ा गाड़ी के माध्यम से कूड़ा इकट्ठा कर साफ़ सफाई ठीक रखने के निर्देश दिए गए हैं।

गोवंश आश्रय स्थलों पर संरक्षित गोवंशो को हरा चारा और पशु आहार देने में चोरी कर रहे केयर टेकर

खबर का असर

डीडीओ ने किया गोवंश आश्रय स्थल महमूदपुर का निरीक्षण

एक सप्ताह पहले यहां मरे थे दो गोवंश, डाक्टर ने नहीं किया पोस्टमार्टम

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह ने शनिवार को गो आश्रय स्थल महमूदपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोवंश आश्रय स्थल पर हरा चारा नहीं मिला। गोवंशो को आहार नहीं मिल रहा है। गोवंश आश्रय स्थल पर दो गोवंश पिछले सप्ताह मर गये थे।

गोवंश आश्रय स्थल महमूदपुर की दूरी विकास खंड मुख्यालय से लगभग तीन किलोमीटर है। यहां सौ से अधिक गोवंश संरक्षित हैं। संरक्षित गोवंशो को हरा चारा और पशु आहार नहीं दिया जा रहा है। गोवंशों का स्वास्थ्य परीक्षण भी नहीं होता है। अधिकांश गोवंश कमजोर है। पिछले सप्ताह बारिश के दौरान दो गोवंशो की मौत हो गई थी। केयर टेकर और सचिव ने इसे छिपा लिया और मृत गोवंशों का पोस्टमार्टम नहीं कराया। अवध नामा ने दो जुलाई के अंक में इस सम्बन्ध में समाचार भी प्रकाशित किया था। खबर छपने के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। शनिवार को नोडल अधिकारी और जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह ने गोवंश आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां हरे चारे का एक भी टुकड़ा नहीं मिला। पशु आहार भी नहीं दिया गया था। डी डी ओ ने केयर टेकर को डांट लगाई और पशु आहार को अपने सामने जानवरों को दिलाया। गोवंश आश्रय स्थल पर जल भराव की समस्या को दूर करने के लिए सचिव को गेट पर राबिश डलवाने के निर्देश दिए। मृत गोवंशो का पोस्टमार्टम क्यों नहीं कराया गया, इस पर पशु चिकित्सा अधिकारी शिवम् गंगवार ने कहा कि सचिव ने हमें सही रिपोर्ट नहीं दी।

चारों तरफ पालीथिन लगवा दो, लोग फोटो न खींच पाएं

अमेठी। महमदपुर गो आश्रय स्थल के निरीक्षण के दौरान डी डी ओ ने केयर टेकर को गेट के सामने और बाउंड्री वॉल के चारों तरफ मोटी पालीथिन लगवाने और गेट को हमेशा बंद रखने के निर्देश दिए, ताकि कोई मीडिया कर्मी फोटो न खींच पाएं।

मुख्यमंत्री के निर्देशों पर अमल नहीं कर रहे डाक्टर

अमेठी। जिले में सवा सौ गोवंश आश्रय स्थल संचालित हैं। संरक्षित गोवंशो की देखरेख, स्वास्थ्य परीक्षण और उन्हें समुचित आहार उपलब्ध कराने के मामले में सचिव और पशु चिकित्सा अधिकारी मुख्यमंत्री के निरीक्षण का उल्लंघन कर रहे। बारिश के मौसम में जानवरों के बीमार होने के खतरे बढ़े हुए हैं,फिर भी गोवंशो का स्वास्थ्य परीक्षण नहीं हो रहा है। हरा चारा और पशु आहार सिर्फ दिखावे के लिए रखा रहता है।

हुसैन की अज़ादारी

मौलाना सै0 कल्बे हुसैन मुजतहिद

रसूल (स0) के बेकस नवासे मज़लूम हुसैन इब्ने अली इब्ने अबी तालिब (अ0) की शहादत को क़मरी महीनों के हिसाब से तेरह सौ तेरह बरस ख़त्म होने के क़रीब हैं। 61 हिजरी में यह दिलदोज़ शहादत कर्बला में हुई और अब 74 हिजरी ख़त्म की हदों तक आ चुका है, इस तेरह सौ बरस में कोई दौर ऐसा नज़र नहीं आता। जब मुहर्रम के महीने की शुरुआत हुई हो और हुसैन (अ0) के चाहने वालों के घरों में मातम की सफ न बिछ गई हो, शुरु-शुरु में तो इस ग़म को आलमगीर नहीं कहा जा सकता मगर अब तो यह कहना बड़ी बात नहीं है कि हर मुल्क, हर शहर, हर घर में हुसैन (अ0) का ग़म न सही तो हुसैन का ज़िक्र तो पहुँच ही चुका है। ज़िलहिज्जह की आख़री तारीख़ में इधर मग़रिब के किनारे पर मुहर्रम का चाँद ग़म का ख़ंजर बनकर चमका उधर उस मज़लूम की याद किसी न किसी सूरत में दिलों में ताज़ा हो गई, दोस्त अन्दाज़े ग़म और आँसुओं की रवानी में याद करते हैं और दुश्मन अज़ाए हुसैनी को रोकने की ग़र्ज़ से सही मगर याद ज़रूर कर लेते हैं बल्कि ख़ुदा का शुक्र है कि हमारा अज़ादारी का अन्दाज़ ही कुछ ऐसा है कि वह ग़ैर जो जिनको इस्लाम से कोई ताल्लुक़ नहीं, न वह हमारे रसूल को मानते हैं न हमारे इमामों पर उनका ईमान है, मगर वह भी हमारी मज्लिसों, हमारी सीना ज़नी, हमारी नौहाख़्वानी, हमारी ताज़ियादारी और रोने-धोने को देखकर हुसैन और उनके हैरतअंगेज़ कारनामों को ज़रूर जान लेते हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि जिस तरह हुसैनियत के फिदाई हर लम्हा और हर घड़ी इसी फिक्र में रहते हैं कि अज़ाए हुसैनी मुख़्तलिफ सूरतों से दुनिया में आम होती जाए, बढ़ती जाए घटने न पाए, उसी तरह हुसैन (अ0) के दुश्मन ज़बान से दुश्मनी का इज़हार न कर सकें, मगर अज़ादारी के हर जुज़ को बिदअत कहकर दुनिया से मिटा देने में उतनी ही कोशिश करते हैं जितनी हम बाक़ी रखने की कोशिश करते हैं। लेकिन ख़ुदा का शुक्र है कि शीआ बिलकुल पस्त क़ौम हों, मुफ़लिस हों, मुहताज हों, सियासत के मैदान में सबसे कमतर हो, हर दौर में पीछे रह जाते हों मगर अज़ाए हुसैन (अ0) के फैलाने और बढ़ाने में हमेशा कामियाब और हर मुख़ालेफत करने वाले पर ग़ालिब रहे और इन्शाअल्लाह ग़ालिब रहेंगे। यह इस वजह से नहीं कि हम ग़ालिब हैं, हम फिक्र वाले हैं, हम ख़ुश तदबीर हैं, जी नहीं बल्कि हमारा पक्का अक़ीदा है कि ख़ालिक़ की मर्ज़ी और चाहत यही है कि गमे हुसैनी, ज़िक्रे हुसैनी, वाक़ेआते शहादत दुनिया में फैलते रहें, बाक़ी रहें बल्कि बढ़ते रहें।

आज तो आप कह सकते हैं कि हम इस ग़म को फैला रहे हैं, बढ़ा रहे हैं। तमाम दुनिया को हुसैनियत की पहचान करा रहे हैं मगर इस शहादत के वाक़ेए से पहले आप थे या क़ुदरत थी जिसने हुसैन के तज़किरे छेड़-छेड़कर इस ग़म को आम कर दिया? इस्लामी इतिहास की बुनियाद और इन्सानियत की शुरुआत जिस ज़ात से हुई यानी जनाबे आदम (अ0) वहीं से अज़ाए हुसैन (अ0) की बुनियाद पड़ी और जब कोई ज़िक्र करने वाला न था तो ख़ुद ज़बाने क़ुदरत ने मज्लिस पढ़ी और जिबरीले अमीन ने ज़ाकिरी शुरु की।

जनाबे आदम (अ0) अपने तर्के औला की सज़ा में जन्नत से निकले और तर्के औला के असर को मिटाने के लिए क़ुदरत ने कुछ बातों की तालीम दी कि उनके वसीले से तौबा करो तो क़बूल करूँ। वह बातें क्या थीं: मुहम्मद (स0), अली (अ0), फातिमा (स0), हसन (अ0), हुसैन (अ0)।

आदम (अ0) ने हर कलेमा अपनी ज़बान पर जारी किया मगर जब पाँचावां नाम लिया तो अपने आप रोए और क्यों न रोते। हुसैन (अ0) ने फरमाया हैः ''जब भी कोई मोमिन मुझको याद करेगा तो ज़रूर रोएगा।'' आदम (अ0) के कामिल मोमिन होने में शक न था इसलिए हुसैने मज़लूम (अ0) की मुबारक ज़बान से निकली हुई हदीस आदम के आँसुओं की चमक में हक़ हो कर ज़ाहिर हुई और आदम ने जिबरईल से पूछा कि इसकी वजह क्या है कि किसी और नाम से मेरे दिल पर ग़म के असर पैदा न हुए मगर इस पाँचवें नाम ने रुला दिया। जिबरईल ने मज्लिस पढ़ना शुरु की। आदम ये तुम्हारा वह बेटा है जो लाचारी की हालत में भूखा, प्यासा बड़े ज़ुल्म व सितम के साथ क़त्ल किया जाएगा। न इसका कोई साथ देने वाला होगा और न कोई मदद करने वाला होगा, आदम काश तुम देख लेते कि यह मज़लूम किस तरह मदद की आवाज़ बुलन्द कर रहा होगा और इरशाद कर रहा होगा कि मेरा कोई मददगार अब बाक़ी नहीं है और प्यास से मेरा दिल भुना जाता है। आदम प्यास बढ़ते-बढ़ते इस मज़लूम और आसमान के दरमियान में धुएँ की तरह फैली हुई होगी और इसकी फरियाद के जवाब में कोई नैज़ा लगाता होगा और कोई तलवारें मारता होगा। यहाँ तक कि हुसैने मज़लूम को दुश्मन गर्दन से इस तरह ज़ब्ह कर देंगे जिस तरह गोस्फ़न्द को ज़िब्ह किया जाता है। इनका सामान लूट लेंगे और इनके घर वालों के साथ शहीदों के सर शहर-शहर में फिराएंगे। ऐ आदम ये वाक़ेआ ख़ुदा के इल्म में इसी तरह गुज़रा है।

आदम (अ0) और जिबरईल (अ0) इस तरह रोए जिस तरह वह औरत रोती है जिसका जवान बेटा मर गया हो, जन्नत से निकलने के बाद आदम (अ0) दूसरी जगह उतरे और हौव्वा (अ0) दूसरी जगह उतरीं। जनाब आदम (अ0) हौव्वा(अ0) की तलाश में हैरान व परेशान थे। चलते-चलते कर्बला की ज़मीन पर पहुँचे। इस ज़मीन पर क़दम रखते ही दिल भर आया और आँख से आँसू बह निकले यहाँ तक कि मक़तले इमाम में पहुँचकर ठोकर लगी और पैर से ख़ून जारी हुआ। ख़ुदा के दरबार में अर्ज़ की कि मेरे मालिक हर जगह से गुज़र गया मगर न तो कहीं मेरे दिल पर ग़म तारी हुआ और न ठोकर खाई। क्या मुझ से कोई गुनाह हुआ कि ठोकर लगी और ख़ून बहा। क़ुदरत ने जवाब दिया कि तुमसे न कोई ख़ता हुई न क़ुसूर हुआ, बल्कि यह वह जगह है जहाँ पर तुम्हारा बेटा हुसैन क़त्ल किया जाएगा। आदम शहादत के हालात सुन कर रोए और हुसैन (अ0) के क़ातिलों पर लानत करके आगे बढ़े।

इस मज्लिस में ज़ाकिर ख़ुद क़ुदरत थी और हाज़िरीने मज्लिस आदम व जिबरईल थे अज़ाब नाज़िल करने से पहले ख़ुदा ने जनाब नूह (अ0) को हुक्म दिया कि कश्ती बनाओ। नूह ने तख़्ते चीरे और कीलें जिबरईल लाये। सब कीलें लग चुकीं तो आख़िर में पाँच कीलें रह गईं। जिबरईल ने तालीम दी कि पहली कील मुहम्मद (स0) का नाम लेकर कश्ती के सर पर लगा दो, दूसरी अली (अ0), तीसरी फातिमा (स0), चैथी हसन (अ0), पाँचवीं हुसैन (अ0) का नाम लेकर लगा दो। यह नाम आते ही इधर तो इस कील से नूर चमका और आँसू टपके और उधर नूह (अ0) ने कील से आँसू टपकने की वजह मालूम की। जिबरईल ने शहादत के वाक़ेआत बयान किये और नूह (अ0) का तो नाम ही ज़्यादा रोने और गिरया करने की वजह से नूह हुआ था इसलिए उनका रोना ताज्जुब वाली बात नहीं थी।

जनाबे नूह (अ0) ईमानदारों को लेकर कश्ती में सवार हुए और उठती हुई मौजों में बाक़ी इन्सानी ज़िन्दगी को अपने दिल में जगह देकर ख़ुदा के सहारे पर नूह (अ0) की कश्ती ने हर सरज़मीन पर घूमना शुरु किया। चलते-चलते कर्बला की तरफ आ गयी और एक मौज ने कश्ती को इतनी ज़बरदस्त तकान देना शुरु की कि जनाबे नूह (अ0) घबरा गए। दुआ के हाथ बुलन्द किये मेरे मालिक! हर ज़मीन से गुज़र गया मगर यह हालत कहीं न हुई, यह कौन सी ज़मीन है जहाँ कश्ती डूबी जा रही है। आवाज़ आई, नूह ये मेरे हुसैन मज़लूम के क़त्ल की जगह है। क़ुदरत की ज़बान ने वाक़ेआत बयान किये और नूह ने गिरया व बुका के साथ हुसैन (अ0) के क़ातिलों पर लानत की, तूफान से नजात पा गए।

जनाब इब्राहीम (अ0) ने अपने ख़याल में जनाब इस्माईल (अ0) को ज़िब्हा कर दिया। मगर जब आँख से पट्टी खोली देखा। इस्माईल तो सही वा सालिम हैं मगर दुम्बा ज़िब्ह हुआ। अल्लाह की बारगाह में अर्ज़ की कि मेरे ख़ालिक़ अगर मैं इस्माईल को ज़िब्ह करता और इस ग़म में मेरा दिल में जो दर्द होता तो जो मुझको सवाब मिलता उससे अब महरूम हो गया। ख़ुदा का इरशाद हुआ कि हुसैन (अ0) से तुमको ज़्यादा मुहब्बत है या इस्माईल से, अर्ज़ की हुसैन से। क़ुदरत ने जवाब दिया कि सुनो हुसैन मज़लूम पर यह ज़ुल्म होंगे, यूँ क़त्ल होंगे, इब्राहीम (अ0) तुम हुसैन (अ0) के मसाएब सुनकर रो दिये तो तुम्हारा सवाब इससे बहुत ज़्यादा हो गया जो इस्माईल के ग़म में होता। मुसलमान! कान खोल कर सुनें आँख खोल के देखें कि जनाबे इब्राहीम (अ0) फरमा रहे हैं कि मैं इस्माईल (अ0) को याद करके रोता तो मुझको सवाब मिलता। अब फरमाइये रोना बिदअत है या सवाब का काम? और फिर ज़िब्ह के बाद इस्माईल यक़ीनन ज़िन्दा-ए-जावेद होते तो अगर ज़िन्दा-ए-जावेद का मातम करना हराम था तो जनाब इब्राहीम के दिल की तमन्ना क्यों थी कि मैं रोता? सुन रखो क़ुआन हमारे रसूल (स0) से फरमाता हैः ''यह तो तुम्हारे बाप इब्राहीम (अ0) ही की मिल्लत है'' दूसरी जगह पर इरशाद होता है कि मिल्लते इब्राहीम से वही अलग हो सकता है जो अपने आपको बेवक़ूफ बनाए। तो जो मिल्लते इब्राहीम से अलग नहीं हुए हैं वह हुसैन (अ0) को ज़िन्दा-ए-जावेद समझने के बाद भी रो रहे हैं और जो क़ुआन के इरशाद के हिसाब से बेवक़ूफ हैं वह जो मिल्लते इब्राहीम से मुँह फेरे, जिन्दा-ए-जावेद के मातम को हराम और बिदअत बता रहे हैं। जनाबे इब्राहीम (अ0) घोड़े पर सवार हैं और कर्बला की ज़मीन पर गुज़र हुआ। घोड़े ने ठोकर ली और जनाब इब्राहीम गिरे, सरे मुबारक से ख़ून जारी हुआ। ख़ुदा से अर्ज़ की, मेरे मालिक कोई क़ुसूर हुआ? इरशाद हुआ नहीं। मगर यह वह जगह है जहाँ तुम्हारे बेटे हुसैन (अ0) का ख़ून बहेगा। तुम्हारा ख़ून ख़ूने हुसैन में मिलना चाहता है। यहाँ पर क़ुदरत की ज़बान ने मसाएब की मज्लिस पढ़ी और जनाब इब्राहीम रोए।

जो शख़्स जनाब इस्माईल की दुम्बियाँ चराता था उसने आकर अर्ज़ की कि यह दुम्बियाँ इस नहर से पानी नहीं पीतीं। जनाब इस्माईल ने ख़ुदा की बारगाह में सवाल किया। जवाब मिला कि उन्हीं दुम्बियों से पूछो। दुम्बियों ने अर्ज़ किया कि ऐ ख़ुदा के नबी! यह वह नहर है जिसके किनारे आपका बेटा हुसैन प्यासा ज़ब्ह होगा। हम इस नहर से पानी नहीं पी सकते।

वादे के सच्चे जनाबे इस्माईल (अ0) पर उम्मत ने हज़ारों ज़ुल्म किये। यहाँ तक कि उनके जिस्म की खाल खींच ली। फरिश्ता नाज़िल हुआ कि तुम इजाज़त दो तो मैं इनसे तुम्हारा बदला ले लूँ। जनाब इस्माईल ने जवाब दिया कि नहीं मैं बदला नहीं चाहता मैं तो हुसैन इब्ने अली (अ0) की पैरवी करूँगा और हर ज़ुल्म पर सब्र करूँगा। मालूम होता है क़ुदरत इनसे भी शहादत के वाक़ेआत बयान कर चुकी थी। हज़रत मूसा (अ0) मुनाजात के लिए जा रहे हैं और एक शख़्स ने रास्ता रोक कर अर्ज़ की कि ख़ुदा के नबी मुझ से एक गुनाह हो गया है, ख़ुदा से सिफारिश फरमाइयेगा कि मुआफ़ कर दे। जनाबे मूसा (अ0) ने मुनाजात शुरु की, आवाज़ आई। मूसा क्या चाहते हो? अर्ज़ की तू ख़ूब जानता है इस शख़्स का गुनाह मुआफ़ कर दे। जवाब मिला कि मूसा (अ0) जो सच्चे दिल से मुझ से तौबा करेगा उसे मुआफ़ कर दूँगा, मगर हुसैन के क़ातिलों को न मुआफ़ करूँगा। जनाब मूसा (अ0) ने पूछा और ख़ुदा ने शहादत के वाक़ेआत बयान किये।

आज की मजलिसों में किसी ने हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) की शहादत तो किसी ने हजरत अली असगर (अ.स.) शहादत को बयान किया

करबला ज़ुल्म और ज़ालिमों से लड़ने का सलीक़ा अता करती है: मौलाना कल्बे जवाद नक़वी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। नन्ही सी कब्रा खोदके असगर को गाढ़ के,शब्बीर उठ खड़े हुए दामन को झाड़ के नौवीं मोहर्रम के मौके पर शनिवार को अजादार हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) और उनके साथियों के गम में पूरी तरीके से डूब गये। अजादार सर से पाव तक काले लिबास पहने एक मजलिस से दूसरी मजलिस में जाते रहे यह सिलसिला देर रात तक जारी रहा। आज की मजलिसों में किसी ने हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) की शहादत तो किसी ने छह माह के मासूम हजरत अली असगर (अ.स.) शहादत को बयान किया। दिन भर कर्बला के शहीदों की दर्दनाक शहादतों को सुनकर अजादारों की आंखे नम रही।

इमामबाड़ा गुफरामाआब चौक में मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा कि कर्बला हमें ज़ुल्म से लड़ने का सलीक़ा अता करती है। कर्बला का मानने वाला कभी जालिमों की हिमायत नहीं कर सकता। मौलाना ने कहा कि हम मज़लूमों का समर्थन करते हैं। नेतन्याहू आज के दौर का यज़ीद हैं इसलिए उस पर लानत वाजिब है।

मकबरा सआदत अली खां कैसरबाग में मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना मुराद रजा ने कहा कि इमाम हुसैन ने कर्बला में इंसानियत का दर्स दिया। रोजे आशूरा इमाम हुसैन का खुतबा अमनो-आलम की आखिरी कोशिश था। इमाम हुसैन ने तैयार जंग के दौरान सुलह का मौका और पैगाम देकर बताया कि अगर दुनिया को अमनो-आलम की हद तक पहुंचाना है तो इमाम हुसैन के बताए रास्ते और विचारधारा को अपनाना होगा।

इममाबाड़ा जन्नतमाब तकी साहब चौक में मौलाना सैफ अब्बास ने कहा कि अल्लाह ने दीन की बक़ा और हिफ़ाज़त के लिए अहलेबैत (अ.स.) को वली और इमाम बनाकर दुनिया में भेजा था,लेकिन पैगंबर के जाने के बाद बहुत से लोगों ने विलायत का दावा करते नज़र आए। लेकिन जब अमल करने का वक़्त आया, तो कोई नज़र नहीं आया, सिवाय अहलेबैत (अ.स.) के,जो दीन की बक़ा के लिए बेख़ौफ़ होकर अपनी जान को क़ुर्बान करते रहे।

इमामबाड़ा आगा बाकर चौक में मौलाना मीसम जैदी ने पैगमबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब की अजमत और फजीलत बयान करते हुए कहा कि अल्लाह ने आदम को इल्म दिया तो पैगम्बर को शहर-ए-इल्म बनाया। नूह को सफीना अता किया तो पैगम्बर के अहलेबैत को सफीनाए नजात करार दिया। उन्होंने कहा की आज दीने इस्लाम कर्बला वालों की अजीम शहादतों की वजह से जिंदा है।

इमामाबाड़ा लाडो खानम नक्खास में मौलाना सकलैन अब्बास ने कहा कि यह अजादारी हजरत मोहम्मद साहब (स.) का फरमान और शहजादी फातिमा (स.अ.) की दुआ है, अजादारी कयामत तक होती रहेगी। हर साल जब मोहर्रम का चांद नजर आता है तो अजादार गमें हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) में डूब जाते हैं।

इमामबाड़ा जकी अली खां पाटानाला में मौलाना अरशद जाफरी ने मजलिस को खिताब करते हुए कहा कि कुरान व अहलेबैत एक दूसरे से जुदा नहीं हो सकते हैं। अगर कोई सिर्फ कुरान या अहलेबैत के नजदीक होना चाहे तो वह दोनों से ही दूर हो जाएगा। दुनिया में बहुत से मुसलमानों की परेशानी में होने की वजह सिर्फ यही है कि वह किसी एक के साथ होना चाहते हैं। लिहाजा वह कुरान और अहलेबैत दोनों से दूर हो रहे हैं।

इमामबाड़ा डा. सैय्यद आगा बजाजा में मौलाना अख्तर अब्बास जौन ने मजलिस को खिताब करते हुए कहा कि हमें हजरत रसूले खुदा (स.) की सीरत पर अमल करना चाहिये। रब के बताए हुए रास्ते पर चलें, यही काम हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) ने कर्बला में अंजाम दिया कि हकीकी दीन-ए-खुदा और बातिल दीन में हमेशा के लिए फर्क पहचंवा दिया है।

छोटा इमामबाड़ा में मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना मोहम्मद मियां आब्दी ने कहा कि विलायत की शर्त यह है कि चाहे हालात कितने भी मुश्किल क्यों न हों, इंसान को ईमान और यकीन को नहीं छोड़ना चाहिए। नौ मोहर्रम की शाम बहुत सख्त थी। न आसमान साया दे रहा था न जमीन करार। खेमे तपती जमीन पर झुलस रहे थे।

एक आह नन्ही सी की और इंतक़ाल हुआ

इमामबाड़ा नाजिम साहब में आखिरी मजलिस को अहसन सईद आब्दी ने रूप कुमारी का लिखा मर्सिया अपने मख़सूस अंदाज में पेश किया। %उधर से तीर चला और इधर ये हाल हुआकि हलक़ छिद गया, मासूम ख़ू में लाल हुआ दहन से ख़ून उगलने लगा, निढाल हुआ एक आह नन्ही सी की और इंतक़ाल हुआ। पिदर ने यास से नन्ही सी जान को देखा,कभी ज़मीं को, कभी आसमां को देखा।

अजादारी स्ट्रीट नजर आई विक्टोरिया स्ट्रीट

विक्टोरिया स्ट्रीट अजादारी स्ट्रीट नजर आ रहा था। हर तरफ मातमदारों की आंखों में आंसू थे। अजादारों ने इमाम के गम में जगह-जगह कमा-जंजीर का मातम कर खून में नहाये नजर आये, इसमें मासूम बच्चे भी शामिल थे। अजादार लब्बैक या हुसैन...लब्बैक या हुसैन...की आवाजें बुलन्द कर रहे थे। सड़क पर जहां जगह मिली वहीं बैठकर जिक्रे हुसैन सुना और आंखों से अश्क जारी हो गये।

प्यासों की याद में लगी सबीलें बटा लंगर

कर्बला के प्यासों की याद में विक्टोरिया स्ट्रीट, नक्खास, टूरियागंज, कश्मीरी मोहल्ला, हुसैनाबाद चौक में लगी तमाम सबीलों पर कर्बला वालों की भूख प्यास को याद करके पानी, बिरयानी, दाल-रोटी, खिचड़ा-खमीरी रोटी, दाल-चावल, आइसक्रीम, फल, चाय, काफी, शर्बत और कोल्डड्रिंक आदि का दिनभर वितरण किया गया।

फाका शिकनी की नज्र आज शाम 3.45 बजे

यौमे आशूरा के मौके पर रविवार को शहर के तमाम इमामबाड़ों, दरगाहों, कर्बलाओं व घरों में फाका शिकनी होगी। मौलाना सैफ अब्बास ने बताया कि कर्बला के शहीदों की नज्र शाम 3.45 बजे होगा। इमाम हुसैन (अ.स.) और उनके साथियों के तीन दिन की भूख-प्यास की याद में अजादार कल सुबह से न कुछ खाये-पियेगा नहीं ,यहां तक की मांये अपने मासूम बच्चों को मासूम हजरत अली असगर (अ.स) को याद करके दूध तक नहीं पिलाती हैं।

अलम-ए-शबे आशूर का जुलूस

शबे आशूर के मौके पर शनिवार को इमामबाड़ा नाजिम साहब से दरगाह हजरत अब्बास (अ.स.) तक जुलूस-ए-शब-ए-आशूर निकाला गया। जुलूस में हजारों अकीदतमंदों ने शिरकत करके कर्बला के शहीदों गम मनाया। अलम जैसे ही इमामबाड़े से बाहर निकला तो अजादारों के हाथ अलम को चूमने के लिए बढ़ने लगे,अलम की जियारत होते ही आंखें अश्कबार हो गयी। जुलूस के दौरान कड़ी सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किये गये थे। जुलूस के आगे लोग %अलम-ए-शबे आशूर÷ लिखा बैनर लिये थे। इसके अलावा अजादार हरे-काले झंडे जिसपर %या हुसैन÷ व या अब्बास लिखा था हवा में लहरा रहे थे। जुलूस में अजादार जगह-जगह रूककर सीनाजनी कर रहे थे। या हुसैन.. या अब्बास.. या सकीना.. की सदाएं फिजाओं में गूंज रहीं थीं। जुलूस के मार्ग पर जगह-जगह चाय,शर्बत काफी और लंगर के इंतेजाम थे। रास्ते भर अजादार जुलूस का इंतजार करते नजर आए। जुलूस आते ही अजादारों ने अलम पर फूलों के सेहरे व हार चढ़ाकर अपनी मन्नते बढ़ाई। जुलूस विक्टूरिया स्ट्रीट से आरम्भ होकर विभिन्न रास्तों से होता हुआ दरगाह हजरत अब्बास पहुंचा। जुलूस की मजलिस को मौलाना कल्बे जव्वाद ने खिताब किया।